केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- बंगाल से सिंडिकेट और गुंडाराज का अंत करेगी भाजपा
- 12

पश्चिम एशिया के हालात और कच्चे तेल की चाल से तय होगी बाजार की दिशा
- 12

शीर्ष आठ शहरों में 23 प्रतिशत घटी सस्ते घरों की बिक्री
- 12

साई सुदर्शन की शानदार पारी से गुजरात ने चेन्नई को रौंद दिया
- 14

आज का मौसम

43.0⁰ अधिकतम तापमान

29.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.35

सूर्यास्त 06.44

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष एकादशी 06:16 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2083

सोमवार, 27 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 152, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

नहीं रहे तस्वीरों के जादूगर रघु राय

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के विविध रूपों को अपने कैमरे में कैद करने वाले पद्मश्री अवार्डी एवं प्रख्यात छायाकार रघु राय का रविवार तड़के यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। रघु के बेटे एवं छायाकार नितिन राय ने कहा, पिताजी को दो साल पहले प्रोस्टेट कैंसर हुआ था, लेकिन बाद में उन्हें राहत मिलने लगी थी। फिर कैंसर पेट तक फैल गया, जो ठीक हो गया। हाल में यह मस्तिष्क तक पहुंच गया था और उन्हें उम्र संबंधी अन्य तकलीफें भी थीं।

पंजाब प्रांत के झांग शहर में (अब पाकिस्तान में) 18 दिसंबर 1942 को जन्मे राय ने सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी, लेकिन 23 साल की उम्र में उन्होंने कैमरा थाम लिया और 1966 में 'द स्टेट्समैन' अखबार के मुख्य छायाकार बन गए। उसके बाद के छह दशक तक हर पल कैमरे में दर्ज होते रहे। रघु का कैमरा सामाजिक और राजनीतिक उथल-पुथल का मूक गवाह बनता रहा। मशहूर फ्रांसीसी फोटोग्राफर हेनरी कार्टियर-ब्रेसन के शागिर्द रहे रघु ने भारतीय इतिहास के कुछ सबसे मर्मस्पर्शी पलों को अपने कैमरे में कैद किया, फिर चाहे वह 1972 का बांग्लादेश शरणार्थी संकट हो या 1984 की भोपाल गैस त्रासदी।

(संबंधित समग्री पेज 13 पर)

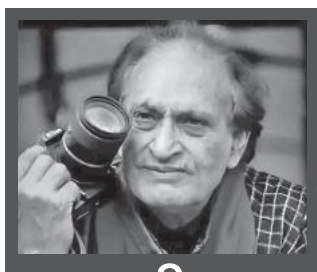

प्रख्यात छायाकार ने 83 की उम्र में ली अंतिम सांस कैंसर से थे पीड़ित

1972 का बांग्लादेश संकट हो या 1984 की गैस त्रासदी हर मर्मस्पर्शी पल किए कैद

अलविदा : 1942-2026

तस्वीरों से हस्तियों के अनछुए पहलु दर्शाए

राय ने इंदिरा गांधी, दलाई लामा, मदर टेरेसा, सत्यजीत रे, हरिप्रसाद चौरसिया और बिस्मिल्ला खां जैसी प्रमुख हस्तियों की तस्वीरों के माध्यम से भारत के सामाजिक, राजनीतिक और आध्यात्मिक रंगों को इस तरह कैद किया जिसने उनके जीवन को एक बिल्कुल नए स्वरूप में पेश किया और उनके अनछुए पहलुओं को दर्शाया। रोजमर्रा की सुर्खियों से कहीं आगे, राय के कैमरे ने आम आदमी और साधारण जीवन को उतनी ही, बल्कि उससे अधिक संजीदगी के साथ दर्ज किया।

प्रधानमंत्री मोदी 28-29 अप्रैल को यूपी दौरे पर आएंगे

लखनऊ। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। प्रधानमंत्री पहले दिन 28 अप्रैल की शाम करीब पांच बजे वाराणसी में 'महिला सम्मेलन' में हिस्सा लेंगे, जहां वह लगभग 6350 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे।

साथ ही वह एक जनसभा को भी सम्बोधित करेंगे। मोदी 29 अप्रैल को सुबह करीब साढ़े आठ बजे वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री हरदोई जाएंगे जहां वह गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर जनसभा को संबोधित भी करेंगे।

पुलिस लाइन लखनऊ में 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती वर्ष 2025-26 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह एवं परेड की सलामी लेते व निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी। ● अमृत विचार

प्रदेश में खत्म हुआ माफियाराज अब यहां नहीं होते दंगे : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में अब माफियाराज खत्म हो चुका है और दंगों की घटनाएं अतीत की बात बन गई हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में कानून का राज है, अपराधियों के मन में भय है और पुलिस का मनोबल पहले से कहीं अधिक ऊंचा हुआ है।

मुख्यमंत्री रविवार को आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती-2025 बैच के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक समय था जब प्रदेश दंगों और कर्फ्यू के लिए जाना जाता था, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। अब यूपी में सत्ता के समानांतर कोई तंत्र नहीं चलता, न ही गुंडा टैक्स या अवैध वसूली जैसी घटनाएं होती है।

योगी ने बताया कि 60,244 आरक्षियों के इस बड़े बैच का प्रशिक्षण प्रदेश के विभिन्न केंद्रों में एक साथ संपन्न कराना यूपी पुलिस की क्षमता और सुधारों का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल को आधुनिक, स्मार्ट और संवेदनशील बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने महिला आरक्षियों के प्रदर्शन की विशेष सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान मजबूती, तत्परता, समर्पण और अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान जितना अधिक पसीना बहाया जाएगा, ड्यूटी के दौरान उतनी ही कम कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने नवप्रशिक्षित आरक्षियों को संबोधित करते हुए कहा कि कानून अपराधियों के लिए कठोर और आम नागरिकों के लिए संवेदनशील होना चाहिए। यही संतुलन एक आदर्श पुलिस व्यवस्था की पहचान है। सीएम योगी ने बताया कि 2017 के बाद से पुलिस व्यवस्था में बड़े सुधार हुए हैं। अब पुलिस भर्ती, प्रशिक्षण, संसाधन और तकनीक के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। यूपी-112 का रिस्पांस टाइम घटकर 6-7 मिनट तक आ गया है, साइबर अपराधों से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है और हर जनपद में साइबर थाने स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के चलते प्रदेश की कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है, जिसका सीधा असर निवेश और विकास पर भी पड़ा है।

नवप्रशिक्षित महिला आरक्षी को सम्मानित करते सीएम योगी।

- दीक्षांत परेड में बोले सीएम-अपराधियों में भय, पुलिस का मनोबल ऊंचा
- 60,244 आरक्षियों के प्रशिक्षण का जिक्र बेटियों के प्रदर्शन की सराहना

महिला शक्ति बढ़ी, पुलिस में नई ऊर्जा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि 2017 से पहले यूपी पुलिस में महिलाओं की संख्या लगभग 10 हजार थी, जो अब बढ़कर 44-45 हजार तक पहुंच गई है। भर्ती प्रक्रिया में 20 प्रतिशत महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही महिला सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 'मिशन शक्ति' अभियान चलाया जा रहा है। लखनऊ, गोरखपुर और बदायूं में महिला पीएसी बटालियन का गठन किया गया है। यह बदलाव पुलिसिंग को अधिक संवेदनशील और प्रभावी बना रहा है।

आधुनिक प्रशिक्षण व तकनीक से सशक्त पुलिस

योगी ने कहा कि यूपी पुलिस को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रशिक्षण केंद्रों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है और स्मार्ट पीटी प्रोग्राम लागू किया गया है। पुराने हथियारों की जगह आधुनिक इंसास और एसएलआर रायफलों से प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

जवान ने 50.58 घंटे में तय की श्रीनगर से दिल्ली तक साइकिल यात्रा

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर के रहने वाले भारतीय सेना के एक जवान ने श्रीनगर से दिल्ली तक साइकिल यात्रा रिकार्ड समय में पूरी की है। बलवीर (26) ने 859 किलोमीटर की दूरी 50 घंटे, 58 मिनट और 27 सेकंड में तय की। यह यात्रा 24 अप्रैल की सुबह श्रीनगर के लाल चौक से शुरू हुई और 26 अप्रैल को दिल्ली के लाल किले पर समाप्त हुई। भारतीय सेना की 11 'मैकेनाइज्ड यूनिट' (कपूरथला) में तैनात बलवीर ने बताया कि उन्होंने यह उपलब्धि अपने दल के सदस्य सुख सागर, हिमांशु, राहुल और रमेश्वर के सहयोग से हासिल की। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि को 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज कराने की तैयारी चल रही है।

ट्रंप ने ईरान का नया शांति प्रस्ताव किया खारिज

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान ने एक नया शांति प्रस्ताव भेजा, जिसे उन्होंने खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि दिलचस्प बात यह है कि जब मैंने इसे खारिज कर दिया तो 10 मिनट के अंदर हमें दूसरा प्रस्ताव मिला, जो काफी बेहतर है। राष्ट्रपति ने यह नहीं बताया कि ताजा प्रस्ताव में क्या है। उन्होंने बस यही कहा कि ईरान ने काफी पेशकश की हैं। ट्रंप ने हालांकि कहा कि उनकी एक शर्त यह है कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका टेलीफोन के जरिये समझौता करेगा।

व्हाइट हाउस में ट्रंप के रात्रिभोज में गोलीबारी, बाल-बाल बचे राष्ट्रपति

हमलावर ने 7 राउंड फायर किए, सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप को तुरंत बाहर निकाला

- जेडी वेंस, पीट हेगसेथ और मार्को रुबियो समेत कई नेता थे मंच पर
- हमलावर की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में संवाददाताओं के लिए आयोजित एक हाई-प्रोफाइल रात्रिभोज के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बंदूक व चाकुओं से लैस हमलावर ने कई राउंड फायरिंग कर दी। हमले में राष्ट्रपति ट्रंप और कई वरिष्ठ अमेरिकी बाल-बाल बच गए। सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने तुरंत हमलावार को घेरकर हिरासत में ले लिया। गनीमत यह रही कि ट्रंप सुरक्षित रहे और उन्हें तुरंत वहां से बाहर ले जाया गया।

घटना के दौरान वहां मौजूद मेहमान अपनी जान बचाने के लिए मेजों के नीचे छिप गए। कई लोगों ने बताया कि भूमिगत विशाल बॉलरूम के बाहर गोली चलने जैसी आवाजें सुनाई दीं। फायरिंग के दौरान एक गोली एक अधिकारी को लगी लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने के कारण वह सुरक्षित रहा। दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि हमलावर की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया के टॉरेंस का निवासी है। अंतरिम पुलिस प्रमुख कैरोल ने कहा कि वह इस समय यह नहीं कह सकते कि हमलावर का मकसद क्या था और यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगी कि संदिग्ध का गोलीबारी में किसे निशाना बनाने का इरादा था। वाशिंगटन डीसी के अंतरिम पुलिस प्रमुख ने बताया कि संदिग्ध के पास एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू थे। कार्यक्रम में ट्रंप, उपराष्ट्रपति वेंस, रक्षामंत्री पीट हेगसेथ, विदेश मंत्री मार्को रुबियो समेत कई नेता मौजूद थे।

प्रेस कांफ्रेंस कर घटना की जानकारी देते ट्रंप व दबोचा गया हमलावर।

ट्रंप बोले- पहले उन्हें लगा जैसे कोई 'ट्रे' गिर गई

वाशिंगटन। ट्रंप ने कहा कि पहले उन्हें लगा जैसे कोई 'ट्रे' गिर गई हो, लेकिन कई पत्रकारों ने पांच से आठ गोलियां चलने जैसी आवाजें सुनीं। राष्ट्रपति के निवास 'व्हाइट हाउस' में शनिवार रात को संवाददाताओं के रात्रिभोज के दौरान हुई गोलीबारी की घटना के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि संदिग्ध के पास कई घातक हथियार थे।

होटल के बाहर कुछ प्रदर्शनकारी थे मौजूद

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका ईरान के साथ युद्ध जैसी स्थिति में है। कार्यक्रम से पहले होटल के बाहर कुछ प्रदर्शनकारी भी मौजूद थे। एक व्यक्ति जेल की वर्दी पहनकर पीट हेगसेथ का मुखौटा लगाए खड़ा था, जबकि दूसरे के हाथ में तख्ती थी, जिस पर लिखा था पत्रकारिता मर चुकी है। यह 2024 के बाद से तीसरी बार है जब ट्रंप की मौजूदगी में हमला हुआ है। इससे पहले पेंसिल्वेनिया में जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें घायल हुए थे।

मोदी बोले- राहत मिली कि राष्ट्रपति ट्रंप ठीक हैं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें यह जानकर राहत मिली कि गोलीबारी की घटना के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप, उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सुरक्षित हैं और उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। मोदी ने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है और इसकी स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए।

दिल्ली में टेकऑफ के दौरान स्विस विमान का इंजन फेल, लगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी

- छह घायल, चार नवजात समेत 232 लोग सवार थे विमान में
- ज्यूरिख के लिए उड़ान भरने के दौरान आई तकनीकी खराबी

दिल्ली हवाई अड्डे से ज्यूरिख जाने के लिए निर्धारित 'स्विस इंटरनेशनल एयर लाइन' के एक विमान को उड़ान भरने के दौरान आई तकनीकी खराबी के कारण इंजन में आग लग गई। जिसके बाद पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर रनवे पर ही यात्रियों को विमान से उतारना पड़ा। एक सूत्र ने बताया कि कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि विमानन कंपनी का कहना है कि छह यात्रियों को चिकित्सीय सहायता दी जा रही है। यात्रियों को चोट कैसे लगी, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

पंजीकरण संख्या एचबी-जेएचके वाले ए330-300 विमान में संचालित एलएक्स147 उड़ान को रात करीब एक बजे रवाना होना था, जिसमें चार शिशु समेत 232 यात्री और चालक दल के 13 सदस्य सवार थे। सूत्रों के अनुसार, विमान के मुख्य पहिये की बाईं ओर से धुआं उठता देखा गया। 'लैंडिंग गियर' से धुआं निकलने की जानकारी सामने आई थी। दिल्ली हवाई अड्डा का संचालन संभालने वाली कंपनी 'डीआईएएल' ने कहा कि इस घटना से हवाई अड्डे का संचालन प्रभावित नहीं हुआ। प्रवक्ता ने कहा, भारतीय समयानुसार शनिवार रात एक बजे के आसपास उड़ान भरने के दौरान इंजन में समस्या आई। सूत्रों ने बताया कि शुरुआत में हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) से पूर्ण आपातकाल और टायर फटने की सूचना मिली थी। स्विट्जरलैंड के तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम विमान की जांच के लिए दिल्ली आएगी, उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। ऐसी स्थिति सभी के लिए तनावपूर्ण होती है। हमारी स्थानीय टीम यात्रियों से सीधे संपर्क में हैं। हम स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

बुलंदशहर में विवाद के बाद तीन युवकों की गोली मारकर हत्या, दो लोग गिरफ्तार

- जिम में किसी बात को लेकर हुए झगड़े के बाद दिया वारदात को अंजाम

बुलंदशहर। जिले के खुर्जा नगर थाना क्षेत्र में वाद-विवाद के दौरान तीन युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए कहा कि मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी (ग्रामीण) अंतरिक्ष जैन ने बताया कि शनिवार देर रात खुर्जा नगर क्षेत्र के सुभाष रोड स्थित एक स्कूल के पास आपसी कहासुनी में तीन लोगों को गोली मार दी गई।

सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची तथा घायलों को अस्पताल भिजवाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान अमरदीप (30), मनीष (28) और आकाश (18) के रूप में हुई है। मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने बताया कि लोगों की शिकायतों और बताए गए घटनाक्रम के अनुसार कुछ युवकों का जिम में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद यह घटना हुई। पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जन्मदिन पार्टी के दौरान आपसी कहासुनी होने पर दोस्तों के बीच विवाद हुआ था।

होमगार्ड भर्ती: दूसरे दिन 1.94 लाख ने छोड़ी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अब तक दो अभ्यर्थी व तीन शिक्षक भेजे जा चुके हैं जेल

यूपी होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा के दूसरे दिन कुल 1,94,631 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। दूसरे दिन आयोजित परीक्षा में कुल 8,44,066 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था।

दो पालियों में कुल 6,49,435 (77 प्रतिशत) अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। वहीं, नाम बदलकर दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने पहुंचे एक अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र से गिरफ्तार किया गया है। परीक्षा में सख्ती के कारण दो दिन के अंदर दो अभ्यर्थी और तीन शिक्षक जेल भेजे जा चुके हैं। आंकड़ों के मुताबिक दो दिन के अंदर सख्ती व अन्य कारणों से कुल 4,02,841 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी।

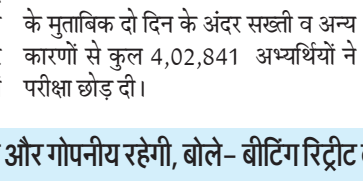

मेरठ : परीक्षार्थियों की जांच करते निरीक्षक।

बरेली में दूसरे की जगह देने पहुंचा परीक्षा, गिरफ्तार

भर्ती बोर्ड के अनुसार बरेली स्थित साहू गोपीनाथ कन्या इंटर कालेज में हरदोई निवासी अनुराग परीक्षा देने पहुंचा था। जांच में सामने आया कि अनुराग पहले दिन शनिवार को बरेली में पीलीभीत रोड स्थित दरबारी लाल शर्मा इंटर कालेज में होमगार्ड भर्ती परीक्षा दे चुका है। दो परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक, फोटो और अन्य रिकार्ड का मिलान किए जाने पर उसके नाम का अंतर पाया गया। आरोपी ने षड्यंत्र के तहत नाम बदलकर दो दिन परीक्षा देने का प्रयास किया। आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

मन की बात | प्रधानमंत्री ने कहा-जनगणना के दौरान लोगों द्वारा दी गई सभी जानकारी सुरक्षित और गोपनीय रहेगी, बोले- बीटिंग रिट्रीट का संगीत 'वेव्स ओटीटी' पर उपलब्ध

जनगणना 2027 में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अत्यंत अहम : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि वर्तमान में जारी जनगणना केवल सरकार का काम नहीं है बल्कि यह सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है तथा इसमें सभी की भागीदारी अहम है। मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में अपने संबोधन में मोदी ने यह भी कहा कि जनगणना के दौरान लोगों द्वारा दी गई सभी जानकारी सुरक्षित और गोपनीय रहेगी।

उन्होंने सभी नागरिकों से इस प्रक्रिया में भाग लेने और जनगणना 2027 को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, साथियो, देश की जनगणना सिर्फ सरकारी काम नहीं है। यह हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, जनगणना 2027 को डिजिटल बनाया गया है। सारी जानकारी सीधे डिजिटल माध्यम में दर्ज हो रही है। मोदी ने कहा कि घर-घर जाने वाले कर्मचारियों के पास मोबाइल एप है और वे हर किसी से बात करके वहीं पर उसी मोबाइल एप में जानकारी दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा, साथियो, इस बार जनगणना में आपकी भागीदारी भी आसान बनाई गई है, आप खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। कर्मचारी के आने से 15 दिन पहले आपके लिए सुविधा शुरू होगी। आप अपने समय के अनुसार जानकारी भर सकते हैं। प्रक्रिया पूरी होने पर आपको एक विशेष आईडी मिलती है और ये आईडी आपके मोबाइल या ईमेल पर आती है। वहीं, कहा कि 'बीटिंग रिट्रीट' का संगीत 'वेव्स ओटीटी' पर उपलब्ध है। इस वर्ष का 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह यादगार रहा क्योंकि वायुसेना, सेना, नौसेना और सीएपीएफ के बैंड ने बहुत ही अच्छी प्रस्तुति दी

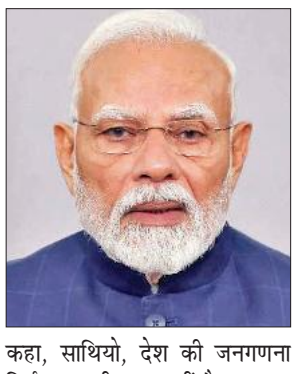

भारतीय चीज की वैश्विक लोकप्रियता बढ़ी, डेरी क्षेत्र में हो रहा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने भारतीय चीज की वैश्विक स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि देश का डेरी क्षेत्र बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। भारत का स्वाद अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोगों की थाली तक पहुंच रहा है और भारतीय पारंपरिक स्वादों को नयी पहचान देने में डेरी क्षेत्र की अहम भूमिका रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि ब्राजील में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय चीज प्रतियोगिता में भारत के दो चीज ब्रांड को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि की सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा हुई

कल्पक्कम में 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' के 'क्रिटिकैलिटी' हासिल करना ऐतिहासिक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने रविवार को 'कल्पक्कम फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' के क्रांतिकता (क्रिटिकैलिटी) हासिल करने को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि भारतीय परमाणु वैज्ञानिकों ने देश को गौरवान्वित किया है। कहा कि भारतीय वैज्ञानिक असैन्य परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं और उनके प्रयास राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं। मोदी ने कहा कि 'क्रिटिकैलिटी' वह चरण है, जिसमें रिएक्टर पहली बार स्वत: परमाणु श्रृंखला अभिक्रिया में सफलता हासिल करता है। इस चरण का मतलब है रिएक्टर का संचालन चरण में पहुंचना।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 27 अप्रैल 2026

पीलीभीत

शहर में आज

- बिलसंडा में भव्य निशान यात्रा सुबह 09 बजे।
- गोसम्मान आहवान अभियान के तहत तहसील स्तर पर कार्यक्रम सुबह 11 बजे।
- ड्रमंड कॉलेज समेत छह केंद्रों पर होमगार्ड भर्ती परीक्षा सुबह 10 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

छह कार्यकर्ताओं को संगठन में मिली जिम्मेदारी

पीलीभीत, अमृत विचार : भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य की संस्तुति के बाद मीडिया, आईटी, सोशल मीडिया सेल व कार्यालय मंत्री पर जिम्मेदारी तय की। अभिमन्यु गंगवार को जिला मीडिया प्रभारी, दीपक सोनकर को जिला सह मीडिया प्रभारी, हरिओम शर्मा को जिला संयोजक आईटी, पंकज प्रजापति को जिला सह संयोजक आईटी, अभिनीत पांडेय को जिला संयोजक सोशल मीडिया, विजय सरकार को जिला सह संयोजक सोशल मीडिया, पुष्पा शुक्ला को कार्यालय मंत्री और रामचरन लाल राठौर को जिला सह कार्यालय मंत्री बनाया है।

जान से मारने की दी धमकी, एफआईआर

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली में दी गई तहरीर में नगर के मंसाराम बाबा संस्थान के पास रहने वाली पूजा वर्मा पत्नी नवीन वर्मा ने बताया कि 24 अप्रैल की रात नौ बजे उसका देव अमित कुमार वर्मा घर आया और गाली गलौज की। विरोध करने पर आरोपी ने हमला कर मारपीट की। जान से मारने की दी गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

हमला करने का आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

बीसलपुर, अमृत विचार : डेढ़ माह पूर्व पिता-पुत्री को हमला कर घायल करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया। बता दें कि कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिमरा अकबरगंज निवासी रोशन लाल की पुत्री ईशावती गांव में होली के अवसर पर निकल रही चौपाई में पांच मार्च की शाम शामिल हुई थी। इसी दौरान किसी अनजान व्यक्ति ने चौपाई पर गिट्टी फेंक दी। इसी बात को लेकर ईशावती और महिपाल के बीच विवाद हो गया। गांव के रहने वाले महिपाल पुत्र रामचंद्र और उसके साले ने मारपीट की। बचाने पहुंचे पिता से भी मारपीट की गई। युवती के झाले, मंगलसूत्र और पायल गिर गई थी। कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मजबूत होगा इको सिस्टम बनेगा रामसर स्थल

मुख्य वन संरक्षक इको विकास ने वन विभाग से मांगा प्रस्ताव

- रामसर स्थल के चयन के लिए तय आठ मानकों पर चिन्हित किया जाएगा वेटलैंड

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पीलीभीत टाइगर रिजर्व का सिग्नेचर गेट। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पीलीभीत के पारिस्थतिकी तंत्र को और मजबूत करने के लिए जनपद में एक ऐसे वेटलैंड को चिन्हित किया जाएगा, जो रामसर स्थल के रूप में अंतरराष्ट्रीय पहचान पा सके। वेटलैंड के चिन्हांकन का कार्य रामसर स्थल के लिए तय आठ मानकों पर किया जाएगा। इसको लेकर उत्तर प्रदेश राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण द्वारा वन विभाग से प्रस्ताव मांगा है।

प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश के पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। बीते 16 अप्रैल को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश के पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रदेश में रामसर स्थलों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। बता दें कि वर्तमान में प्रदेश में 11 रामसर स्थल हैं। इसी क्रम में राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण की ओर से आदेश जारी किया गया है। इसमें पीलीभीत में एक ऐसे वेटलैंड को चिह्नित करने को कहा गया है, जो रामसर स्थल के रूप में अंतरराष्ट्रीय पहचान पा सके। इस बाबत मुख्य वन संरक्षक (इको विकास) एवं राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण के सदस्य सचिव नीरज कुमार ने जोनल मुख्य संरक्षक और प्रभागीय वनाधिकारी को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए है।

> शासन की ओर से जनपद में रामसर स्थल विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें उस वेटलैंड का चिन्हांकन किया जाएगा, जो अंतरराष्ट्रीय मानक को पूरा करता हों और जैव-विविधता के संरक्षण में सहायक हो।
> - **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

इन आठ मानकों पर चिन्हित किया जाएगा वेटलैंड

प्रदेश सरकार ने नए रामसर स्थल के चयन के लिए आठ मानक तय किए हैं। इसमें ऐसे वेटलैंड को चिन्हित किया जाएगा, जिसमें जल संग्रहण, शुद्धिकरण और ग्राउंड वाटर रिचार्ज क्षमता हो। साथ ही स्थानीय समुदायों की आजीविका के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हो। विलुप्तप्राय जीव-जंतुओं या वनस्पतियों का आश्रय स्थल हो, सांस्कृतिक, धार्मिक या ईको-टूरिज्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो, क्षेत्र की जल सुरक्षा में अहम भूमिका निभाता हो, इको सेंसटिव जोन की सीमा में हो और बड़े क्षेत्रफल में फैला हो।

संस्थापक प्रधानाचार्य की मनाई गई छठवीं पुण्यतिथि

पीलीभीत, अमृत विचार : लिटिल एंजेल्स स्कूल में संस्थापक प्रधानाचार्य सीमा अग्रवाल की छठवीं पुण्यतिथि मनाई गई।

प्रातः कालीन सभा के दौरान विद्यालय प्रबंध समिति सदस्यों के साथ समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं और छात्र शामिल हुए। प्रबंधक संजीव अग्रवाल ने सीमा अग्रवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए।

दो मिनट का मौन धारण किया गया। कक्षा 12 की छात्रा खुशी बंसल ने उनके व्यक्तित्व के बारे में बताया। शिक्षिका छवि जैसवार ने यादें ताजा की। प्रधानाचार्य एनसी पाठक ने विचार रखे। इसके बाद शरबत, पूड़ी सब्जी व हलवा का वितरण किया गया।

सीमा अग्रवाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते प्रबंधक डॉ .संजीव अग्रवाल।

26 मई को खत्म हो जाएगा ग्राम प्रधानों का कार्यकाल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- ग्राम पंचायत में उपलब्ध बजट से 25 मई तक लंबित भुगतान और मानदेय वितरण के निर्देश

अमृत विचार : जनपद की ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की कमान संभाल रहे ग्राम प्रधानों का कार्यकाल आगामी 26 मई को समाप्त होने जा रहा है। कार्यकाल की समाप्ति को देखते हुए पंचायती राज विभाग सतर्क हो गया है। इस बाबत डीपीआरओ ने सभी सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कार्यकाल समाप्त होने से पहले सभी जरूरी भुगतान और विकास कार्य पूरे कर लिए जाएं, ताकि बाद में किसी भी तरह का वित्तीय विवाद पैदा न हो।

जनपद में 720 ग्राम पंचायतें हैं। पंचायतीराज विभाग के मुताबिक इन ग्राम पंचायतों की कमान संभाल रहे ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को समाप्त होने जा रहा है। ऐसे में ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध बजट में किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता न हो और विकास कार्य भी प्रभावित न हो, इसको लेकर पंचायती राज विभाग सतर्क हो गया है। इसको लेकर डीपीआरओ रोहित भारती ने सभी सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) को दिशा निर्देश जारी किए हैं। जारी पत्र के मुताबक ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को समाप्त हो रहा है। वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि

> ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को पूरा हो रहा है। वित्तीय नियमों का पालन करते हुए सभी एडीओ पंचायत को निर्देश दिए गए हैं कि वे 25 मई तक ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध बजट के अनुसार सभी लंबित भुगतान और मानदेय का निस्तारण करा लें। कार्यकाल समाप्ति के बाद किसी भी तरह की वित्तीय अनियमितता या विवाद होने पर संबंधित सचिव के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। - **रोहित भारती**, डीपीआरओ

25 मई तक ग्राम पंचायत के खातों में उपलब्ध धनराशि के अनुसार ही कार्य कराए जाएं और उनके भुगतान सुनिश्चित किए जाएं। आदेश में कहा गया है कि कार्यकाल की समाप्ति के बाद कोई भी भुगतान लंबित नहीं रहना चाहिए। यदि खाते में मौजूद धनराशि से अधिक का व्यय किया जाता है या कोई विवाद की स्थिति बनती है, तो इसके लिए संबंधित ग्राम पंचायत सचिव व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। कार्यकाल खत्म होने से पहले ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक और सामुदायिक शौचालयों के केयर टेकर का मानदेय अनिवार्य रूप से दे दिया जाए। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बदर्शत नहीं होगी।

विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

पोस्टर दिखाती छात्रा पूर्णिमा शर्मा।

पीलीभीत, अमृत विचार : जेएमबी इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंस एंड हायर स्टडीज में बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाधान आईएपीटी अन्वेषिका द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें देवेंद्र सिंह और पूर्णिमा शर्मा का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा।

प्रधानाचार्य ज्योति शर्मा ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस 2026 के लिए निर्धारित विषय बौद्धिक संपदा और खेल निश्चित है, अर्थात खेल के लिए तैयार हो जाओ शुरू करो नवाचार करो। समन्वयक लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस मनाने का उद्देश्य पेटेंट, ट्रेडमार्क और रचनात्मक कार्यों की सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी कृति, कार्य के लिए पेटेंट प्राप्त करने के लिए संपर्क कर सकता है उसका उचित मार्गदर्शन किया जाएगा।

दीनी जलसे के बाद हुआ लंगर

लंगर में मौजूद अकीदतमंद। ● अमृत विचार

संवाददाता, जहानाबाद

अमृत विचार: हजरत ताजुश्शरिया बरेलवी रहमतुल्लाह अलैह के उर्स-ए-पाक के मौके पर रविवार को जहानाबाद में शौकत मियां हुजूर के मज़ार पर लंगर का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत दीनी जलसे से हुई, जिसमें उलमाओं ने ताजुश्शरिया की ज़िंदगी और खिदमात पर रोशनी डाली। जलसे के बाद दाल-रोटी का लंगर हुआ। इस मौके पर मौलाना दानिश रज़ा खान, मोहम्मद शान रज़ा, फैसल रज़ा, डॉ. अकलीम खान, नोहित बेग, फैज़ीम खान, तालिब खान, अयान खान, असीम खान, शयन खान, अलीम खान आदि मौजूद रहे।

मायके में रह रही महिला को ले गया युवक

पीलीभीत, अमृत विचार: न्यूरिया क्षेत्र के एक व्यक्ति ने जहानाबाद थाने में तहरीर दी। जिसमें बताया कि वह 22 वर्षीय पत्नी के साथ अपी ससुराल गया था। पत्नी मायके में ही रुक गई थी। वह करीब सात दिन से मायके में ही थी। 24 अप्रैल की दोपहर एक बजे परिवार वाले जब पत्नी को विदा कराने के लिए पहुंचे तो वहां से पत्नी किसी को कुछ बताए बिना चली गई। इसकी काफी जगह तलाश की गई, लेकिन नहीं मिली। एनका कहना है कि ललौरीखेड़ा गांव का एक दूसरे समुदाय का युवक उनकी पत्नी को बहला फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की है। इधर, मामला दो समुदायों से जुड़ा होने पर सांप्रदायिक रंग लेता दिख रहा है। महिला के परिजन ने कुछ संगठनों के पदाधिकारियों से संपर्क कर गुहार लगाई।

विपक्षी दलों के खिलाफ भाजपा का जन आक्रोश मार्च

- बरहा मंडल अध्यक्ष की अगुवाई में जमा हुई महिलाएं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

जन आक्रोश मार्च के लिए जमा हुई महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी की ओर से विपक्षी दलों के खिलाफ जन आक्रोश मार्च निकाला गया। बरहा मंडल क्षेत्र में निकाले गए मार्च में बड़ी संख्या में मातृशक्ति शामिल हुई। हाथों में तख्ती लिए नारेबाजी की गई।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के खिलाफ लोकसभा में मतदान करने को लेकर कांग्रेस और उसके अन्य सहयोगी दलों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा है। पिछले कई दिनों से इसे लेकर कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। पुतला भी फूंका जा चुका है। इसी क्रम में रविवार को बरहा मंडल में मातृशक्ति के द्वारा विपक्षी दलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए जन आक्रोश मार्च निकाला गया। मार्च बरहा मंडल स्थित ईदगाह कॉलोनी से नौगवां पकड़िया की ओर गया। बरहा मंडल प्रभारी ऋचा सिंह पटेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष कार्यकर्ता शामिल हुए। ऋचा सिंह पटेल ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान केवल सभ्य संस्कारिक राजनीतिक दल ही दे सकता है, और वो है भाजपा। हम सभी महिलाओं को अब घरों से निकलकर भाजपा के पक्ष में समय देना होगा। इस मौके पर अनीता कश्यप, महामंत्री ऋषि मुनि त्यागी, रविन्द्र वर्मा, आकाश मौर्य, ज्ञानशंकर, वंदना, रामा, जानकी, सौम्या, अभिषेक सिंह गोल्डी आदि मौजूद रहे।

कैसे चोक न हों नाले, कूड़े में हर तरफ पॉलिथीन के ढेर

लोहा मंडी के पास सड़क पर कूड़े के ढेर में पालिथीन की भरमार। ● अमृत विचार

जेपी रोड पर दुकानें बंद होने के बाद सड़क पर फैला कूड़ा। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- दुकानों के बाहर जमा कूड़ा वापस पहुंच रहा नाले-नालियों में

अमृत विचार: हल्की सी बारिश में शहर की सड़कों पर जलभराव की समस्या मुसीबत बनती है। आगामी दिनों में मानसून की दस्तक होगी और कोई समस्या न आए। इसके लिए नाला सफाई समेत अन्य बिंदुओं पर काम कराए जाएंगे। चोक नालों की समस्या कीर एक बड़ी वजह पॉलिथीन और डिस्पोजल सामान के ढेर भी हैं। दुकानों को बंद करते वक्त दिनभर का कचरा खुले में आने के बाद वापस नालियों में पहुंच रहा है।

शहर की सड़कों को साफ रखने के लिए नगर पालिका की ओर से दिन और रात दो शिफ्टों में सफाई कराई जा रही है। रात के वक्त दुकानें बंद होने के बाद भी टीमें बाजार क्षेत्र में सफाई करती है। शहर में जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। इसको दूर करने के लिए प्रयास भी किए जा रहे हैं लेकिन पूर्णतया कामयाबी नहीं मिल सकी है। अधिकांश नाले नालियां पॉलिथीन से चोक हैं। कई बार सड़क किनारे फड़, ठेले लगाने वालों से लेकर दुकानदारों पर नाले नालियों में पॉलिथीन समेत अन्य कूड़ा न डालने की अपील की गई। इसे लेकर सख्ती के निर्देश भी दिए गए। मगर अभी भी व्यवस्था बदतर बनी हुई है। सड़कों पर दुकानें बंद होने के बाद पालिथीन के ढेर दिखाई देते हैं।यही पॉलिथीन वापस नाले नालियों में पहुंच रही है, जिसके बाद पानी का निकास बंद हो जाता है। मुख्य बाजार , जेपी रोड समेत अधिकांश इलाकों में रात के वक्त इस तरह की तस्वीर दिखती है। रात्रि में सफाई की जिम्मेदारी संभाल रहे कर्मचारी पहुंचते हैं। मगर अधिकांश पॉलिथीन का कूड़ा वाहनों के पहिये और छुट्टा जानवरों के द्वारा आसपास की नालियों में पहुंच रहा है। इस पर कोई सख्ती नहीं हो सकी है।

पति से हुई कहासुनी के बाद खाया जहर

पीलीभीत, अमृत विचार: पति से हुई कहासुनी के बाद एक महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर जान देने की कोशिश की। उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन ने जिला अस्पताल भर्ती कराया है। इसकी सूचना मेमो के जरिए कोतवाली पुलिस को दी गई है। मामला शहर के एक मोहल्ले का है। यहां की रहने वाली महिला का रविवार सुबह अपने पति से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। दोनों के बीच जमकर कहासुनी हुई। इसी के बाद महिला ने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर में उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिवार वाले कमरे में पहुंचे तो महिला बेसुध मिली। आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल भर्ती कराया गया। सीएमएस डॉ.रमाकांत सागर ने महिला को देखा और इलाज कराया। इधर, पुलिस को मेमो के जरिए सूचना दी गई है।

ऑटिज्म जागरूकता माह के तहत हुई कार्यशाला

- ऑटिज्म के लक्षणों को न करें नजरअंदाज, समय पर पहचान से संवर सकता है बचपन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

कार्यशाला के दौरान जानकारी करते अभिभावक। ● अमृत विचार

अमृत विचार : ऑटिज्म जागरूकता माह के अंतर्गत एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बच्चों में होने वाली इस स्थिति और इसके शुरुआती संकेतों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही अभिभावकों को डेवलपमेंटल एक्टिविटीज का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

शहर के एक होटल में रविवार को उद्गम चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर एवं गिफ्टेड माइंड्स मैनेज के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यशाला हुई।कार्यशाला के दौरान बाल रोग विशेषज्ञों और अभिभावकों के लिए अलग-अलग सत्र आयोजित किए। मुख्य वक्ता के रूप में पीडियाट्रिक ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट व निदेशक डॉ. मोहित कुमार ने बताया कि अक्सर अभिभावक बच्चों के विकास में होने वाली देरी को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि 18 से 24 महीने की उम्र इसके लक्षणों को पहचानने का सबसे सही समय है। उन्होंने बताया कि यदि बच्चा अपना नाम पुकारने पर प्रतिक्रिया नहीं दे रहा, नजरें नहीं मिला रहा या उम्र के हिसाब से शब्द नहीं बोल पा रहा है, तो ये गंभीर खतरे का संकेत हो सकता हैं। इससे पूर्व उदगम चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर की निदेशक वैशाली रायजादा ने कहा कि ऑटिज्म एक ऐसी स्थिति है, जिसकी पहचान शुरूआती चरण में करना बेहद आवश्यक है। सत्र के दौरान अभिभावकों को घर पर ही खेल-खेल में की जाने वाली डेवलपमेंटल एक्टिविटीज का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। विशेषज्ञों ने जोर दिया कि शुरुआती हस्तक्षेप के जरिए बच्चे के सोशल और कम्युनिकेशन स्किल्स को बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यशाला में साक्षी, समीक्षा, सचिन, नैंसी, शगुन समेत चिकित्सा विशेषज्ञ मौजूद रहे।

रैली की सफलता के लिए बैठक कर बनाई रणनीति

अपना दल कमेरावादी के कैंप कार्यालय पर बैठक में मौजूद कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

बीसलपुर, अमृत विचार: अपना दल कमेरावादी के कैंप कार्यालय पर रविवार को मासिक बैठक हुई। जिसमें नौ मई को लखनऊ में यूजीसी समता विनियमन 2026 लागू कराने के लिए आयोजित होने वाली विशाल रैली को लेकर चर्चा की गई। जनपद से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी करने का निर्णय लिया गया। 16 मई को बीसलपुर में आयोजित होने वाले मंडलीय समता विनियमन 2026 एवं ओबीसी की जातिवार जनगणना के लिए रैली होनी है। इसकी सफलता के लिए भी बैठक कर मंथन करते हुए रणनीति तय की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रेम सागर पटेल, मोहम्मद साबिर उर्फ गुल्लू पहलवान, शिवकुमार पटेल, प्रमोद पटेल, आजम अली, संजीव गंगवार , प्रमोद पटेल, वीरेंद्र पटेल,हरिओम गंगवार , रामबाबू पटेल, सरिता पटेल, मोहम्मद साबिर उर्फ गुल्लू पहलवान, रवि प्रकाश यादव, भानु पटेल आदि मौजूद रहे। संचालन बलराम पटेल ने किया।

समस्या | पारा 42 के पार होने पर हीटवेट न कर दे बीमार, इसलिए रहें सावधान

भीषण गर्मी के बीच बिजली की अघोषित कटौती कर रही परेशान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

एक स्थान पर बिजली ठीक करता कर्मचारी।

अमृत विचार : इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और लू से लोग बेहाल है। सफर में परेशानी के साथ ही बीमार होने का खतरा बना हुआ है। वहीं, बिजली की आंख मिचौली समस्या को और बढ़ा गई है। गर्मी में लोड बढ़ने के नाम पर पावर कॉरपोरेशन के संसाधनों में खराबी होने के चलते कई बार बिजली गुल हो रही है।

बता दें कि पिछले करीब एक सप्ताह से गर्मी की मार दिनोंदिन बढ़ रही है। खासकर दोपहर के वक्त सड़कों पर कामकाज के लिए निकलना भी मुश्किल हो चुका है। हीटवेव की स्थिति बन चुकी है और स्वास्थ्य विभाग भी इसे लेकर एडवाइजरी जारी कर चुका है। जिसमें दोपहर 12 से तीन बजे तक सूर्य की सीधी रोशनी में जाने से बचने की अपील की गई है। सड़कों पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है। वहीं, अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढ़ रही है। रविवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऐसे में एक तरफ भीषण गर्मी की मार और दूसरी तरफ बिजली की कटौती भी नहीं थम सकी है। वैसे तो पावर कॉरपोरेशन की ओर से गर्मी में आने वाली दिक्कत को देखते हुए पूर्व में ही संसाधनों का सुधार और क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य कराया था। मगर, इसका असर पूरी तरह से नहीं दिख रहा है। रविवार को सुबह से ही कई इलाकों में बिजली आती-जाती रही। रामस्वरुप पार्क के पास लगे ट्रांसफार्मर से दो फेस बंद हो गए। इसकी सूचना मिलने पर टीम पहुंची और करीब एक घंटे 11.30 बजे बाद सप्लाई चालू हो सकी। मगर इसके बीस मिनट बाद ही दोबारा बत्ती गुल हो गई। दोबारा टीम को भेजा गया और सुधार कराया गया।

हीटवेव से बचाव को ये करें उपाय

- अधिक से अधिक पानी पीये।
- यात्रा करते वक्त पानी साथ रखें।
- आरेआरएस, नीबू पानी, छाछ आदि का प्रयोग करें।
- मौसमी फल और सब्जियों का सेवन करें।
- हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले कपड़े पहनें।
- धूप के चश्में, छाता, चप्पल का प्रयोग करें।
- खुले में कार्य करते वक्त हाथ पैर को गीले कपड़े से ढककर रखे।

इसका भी रखे ख्याल ये न करें

- दोपहर 12 से 03 बजे के बीच सूर्य की सीधी रोशनी में जाने से बचें।
- नंगे पैर बाहर न निकलें।
- अधिक प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों के प्रयोग से यथासंभव बचें।
- बासी भोजन न करें।
- बच्चों और पालतू जानवरों को खड़ी गाड़ियों में न छोड़ें।
- गहरे रंग के भारी और तंग कपड़े न पहनें।
- शराब, चाय, काफी, कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक के उपयोग से बचें।

पांच लोगों ने किया रक्तदान 100 ने कराई स्वास्थ्य जांच

रक्तदान करतीं ममता भोजवाल और मौजूद लोग। ● अमृत विचार

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बे में दौलतपुर मार्ग पर रेलवे क्रासिंग के पास नगर पंचायत अध्यक्ष के निजी कार्यालय पर रविवार को स्टार चैरिटेबल ब्लड सेंटर बरेली की ओर से रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नगर वासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

शिविर की शुरुआत नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम बिहारी भोजवाल की पत्नी ममता भोजवाल ने खुद रक्तदान करके कराई। कई लोगों ने रक्तदान के लिए आगे आकर सहभागिता निभाई। अनुज, अतुल सक्सेना, लक्की, चेयरमैन प्रतिनिधि संतोष भारती ने भी रक्तदान किया। 100 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई। चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। नगर पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि पांच लोगों ने रक्तदान किया।

न्यूज ब्रीफ

साले-बहनोई पर हमला एफआईआर दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव अलियापुर के निवासी पवन कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 22 अप्रैल को अपने बहनोई सुनील कुमार के साथ गांव चिनौरा में शादी समारोह में गया था। रात करीब एक बजे डीजे पर डांस कर रहे कुछ लोगों से झगड़ा हो गया। वह व उसके बहनोई कुर्सी पर बैठे थे। चिनौरा गांव के विशाल, अक्षय और कबूलपुर गांव के रंजीत ने मारपीट की। सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद सुनील को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

मारपीट और धमकाने की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बा के वार्ड नंबर चार मोहल्ला कुंदनपुर के रहने वाले ज्ञानचंद उर्फ अजय ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 26 अप्रैल की सुबह सात बजे उसकी पत्नी घर पर थी। उसकी भाभी प्रिया, भाई शंकरलाल ने पत्नी अनीता से गाली गलौज की। विरोध करने पर मारपीट की गई। जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा पलटा, 4 घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : निगोही से बीसलपुर की ओर आ रहा ई-रिक्शा गांव रोहनिया के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चार लोग घायल हो गए। जनपद शाहजहांपुर के निगोही कस्बे से ई-रिक्शा में सवारियां लेकर चालक आ रहा था। ग्राम रोहनिया के पास पहुंचते ही ई-रिक्शा पलट गया। हादसे में ग्राम रोहनिया निवासी समशुल निशा पत्नी अलानूर, नाजरीन पत्नी मोहम्मद उमर, तालगांव निवासी उमर पुत्र रिहान, चंद्रपुरा निवासी हबीबन पत्नी शमशाद घायल हो गए। उन्हें सीएचसी भिजवाया गया। घायल हबीबन, नाजरीन व उमर को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

दहेज की मांग पूरी न होने पर की मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम बारनवादा निवासी महिमा गंगवार पुत्री मुनेंद्र पाल सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी गांव के देवेंद्र कुमार से चार साल पूर्व हुई थी। शादी के बाद से ससुराल पक्ष के लोग दहेज में 10 लाख रुपये की मांग करने लगे। दहेज न देने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। 19 अप्रैल को पति देवेंद्र, ससुर कन्हैया लाल, सास ओमवती ने दहेज की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट की। उसको ससुराल से निकाल दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

विवाहिता से मारपीट एफआईआर दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम जंगरौली आशा निवासी आरती देवी पत्नी राम कैलाश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 23 अप्रैल को दोपहर दो बजे उसके पति राम कैलाश, जेठ आत्मा राम, जेठानी धनदेवी, सास प्रेमवती ने गेहूं काटने को लेकर उसके साथ गाली गलौज की। जिससे वह घायल हो गई। रिश्तेदारों के कहने पर उसने उस दिन कोई शिकायत नहीं की। 24 अप्रैल को उसके साथ आरोपियों ने दोबारा मारपीट की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

रहस्यमय ढंग से किशोर लापता

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम शाही निवासी बृजमोहन पुत्र हरीप्रसाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 22 अप्रैल को शाम सात बजे उसका 16 वर्षीय पुत्र आयुष पड़ोस में रहने वाले 15 वर्षीय विवेक पुत्र संजय के साथ घर से बिना बताए कहीं चला गया। उन लोगों ने अपने पुत्र की काफी की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीएचडी व बीएड पास युवा अभ्यर्थियों की कतार

होमगार्ड भर्ती परीक्षा : रोजगार की आस में डिग्री धारक भी देने पहुंचे परीक्षा, दूसरे दिन 3449 रहे उपस्थित

परीक्षा केंद्र के बाहर एक ग्राउंड में खड़े अभ्यर्थी। ● अमृत विचार

एसएन इंटर कॉलेज से परीक्षा देकर बाहर निकलते अभ्यर्थी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● योग्यता के आधार पर नौकरी का खूब किया इंतजार, आत्मनिर्भर बनने के लिए किए आवेदन

अमृत विचार : हाथों में डिग्रियां और आंखों में सपने रविवार को होमगार्ड भर्ती परीक्षा केंद्रों के बाहर युवाओं में नजर आए। 12वीं पास योग्यता वाली इस भर्ती में बीए, बीएससी, एमए, बीएड, एमएड, एमकॉम और पीएचडी उच्च शिक्षित युवा भी बड़ी संख्या में विभिन्न जिलों से शामिल हुए। तपती धूप में घंटों अपनी पाली का इंतजार किया और परीक्षा दी। दूसरे दिन भी परीक्षा दो पालियों में कराई गई। इसमें 3449 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 871 अनुपस्थित रहे।

जिले में दूसरे दिन जिले के छह परीक्षा केंद्रों पर कुल 3449 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 871 अनुपस्थित रहे। परीक्षा दो पालियों में संपन्न कराई गई। पहली पाली सुबह 10 बजे शुरू हुई, जिसमें 2160 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1697 ने परीक्षा दी और 463 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में भी 2160 में से 1752 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 408 ने परीक्षा छोड़ दी। सुबह सात बजे से ही ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय पॉलिटेक्निक, सनातन धर्म बांके बिहारी राम इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, एसएन इंटर कॉलेज और उपाधि महाविद्यालय के बाहर अभ्यर्थियों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। चेकिंग के बाद ही प्रवेश दिया गया और परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

इसमें पीलीभीत के ही नहीं बल्कि जिले से 130 किलोमीटर दूर लखीमपुर खीरी, 90 किलोमीटर दूर शाहजहांपुर, 110 किलोमीटर दूर बदायूं, बरेली, आंवला, गोला, सीतापुर आदि जिलों के अभ्यर्थी शामिल रहे। इस परीक्षा की खास बात यह रही कि इसमें शामिल अधिकांश अभ्यर्थी उच्च शिक्षित थे। बातचीत में अभ्यर्थियों ने साफ कहा कि उन्होंने बीए के बाद पढ़ाई भी कर रहे हैं। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रही हूं। शुरुआत से ही पुलिस सेवा में जाना चाहती थी। पूर्व में ट्राई किया था। मगर मौका नहीं मिला। अब होमगार्ड की भर्ती निकली तो आवेदन कर परीक्षा देने आए हैं। इससे आगे की तैयारियों के बारे में भी जानकारी मिलेगी। क्योंकि होमगार्ड भी पुलिस की तरह ही सेवा करते हैं। पेपर ओवरऑल ठीक था। थोड़ा रिजनिंग के सवालों ने उलझाकर रख दिया था। **-मोनी बदायूं,** अभ्यर्थी

वर्षों तक अपनी योग्यता के अनुरूप नौकरी का इंतजार किया, लेकिन जब कहीं अवसर नहीं मिला तो इस भर्ती की ओर रुख किया। अभ्यर्थियों ने बताया कि उन्होंने बीएड, पीएचडी जैसी डिग्रियां हासिल कीं। कुछ अभ्यर्थियों ने यह भी बताया कि उम्र बढ़ने के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में अवसर सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में वे अब जोखिम नहीं लेना चाहते और जो भी भर्ती सामने आ रही है, उसमें शामिल होकर रोजगार पाने की कोशिश कर रहे हैं। परीक्षा में शामिल होने के लिए कई युवाओं ने रातभर सफर कर परीक्षा केंद्र तक पहुंचने की बात कही। हालांकि कुछ अभ्यर्थियों ने सेवाभाव के साथ इस भर्ती में शामिल होने की बात कही।

परिवार ने शुरू से ही पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया था। इसलिए 12वीं के साथ बीएससी की शिक्षा पूरी की। इसमें 65 फीसदी अंक प्राप्त किए थे। इसके बाद बीएड किया। मगर शिक्षक भर्ती न के बराबर होने के कारण उम्मीद कम हो गई। शिक्षक बनने की चाहत है। इसी बीच होमगार्ड भर्ती में भी फार्म डालकर प्रतिभाग किया। पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग कर रहे हैं। पेपर अच्छा रहा। **-साक्षी वर्मा,** शीशगढ़ (बरेली) अभ्यर्थी

बचपन से पढ़ाई लग्न के साथ की ताकि अच्छी नौकरी मिल सके। परास्नातक करने के अलावा कई कोर्स किए हैं। पूर्व एनटीपीसी में भी आवेदन किया। मगर निराशा हाथ लगी। घर से दूर दिल्ली जाकर नौकरी कर रहे हैं। कई जगह नौकरी के लिए प्रयास किया। मगर सफलता नहीं मिल सकी है। कभी परीक्षा कैंसिल हो गई तो कभी अन्य कारण रहे। जो नौकरी मिल जाए, वही ठीक है। होमगार्ड की नौकरी भी सम्मानित होती है। इसलिए परीक्षा देने आए हैं। **-साहुल सिंह,** शाहजहांपुर अभ्यर्थी

ई-रिक्शा से बैग चोरी करने वाले तीन शातिर पकड़े

पीलीभीत, अमृत विचार : टनकपुर जा रहे युवक का बैग चोरी करने की घटना का सुनगढ़ी पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि श्रीबस्ती जिले के थाना सोनवा क्षेत्र के लक्ष्मण नगर निवासी राहुल पाठक पुत्र संतोष पाठक ने थाना सुनगढ़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 25 अप्रैल को रात एक बजे वह रोडवेज बस से टाइगर तिराहे पर उतरे थे। वह मां पूर्णागिरि के दर्शन करने जा रहे थे। टाइगर तिराहे से पीलीभीत रोडवेज जाने के लिए वह ईरिक्शा पर सवार हुए। रास्ते में उसका बैग चोरी हो गया, रोडवेज पहुंचने के बाद उसने देखा तो बैग नहीं था। बैग में मोबाइल और दो हजार रुपये रखे हुए थे। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने सुरागरसी की और फिर मोहल्ला फैजुल्ला खां निवासी शिवम पुत्र नन्हेंलाल, मोहल्ला सरफराज खां निवासी सचिन पुत्र तेजराम और घन्नईताल के निवासी रोहित पुत्र नारायण कुमार को लदपुरा बाईपास के पास से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों के पास चोरी का सामान भी बरामद हुआ। इंस्पेक्टर नरेश त्यागी ने बताया कि आरोपियों को चालान कर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया है।

अनियंत्रित टेंपो पलटा, आठ यात्री घायल

घायलों के पहुंचने पर अस्पताल में लगी भीड़। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● नीलगाय को बचाने के चक्कर में हुआ सड़क हादसा

अमृत विचार: लालपुर चौराहे के पास नीलगाय को बचाने के चक्कर में टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा रविवार शाम को हुआ। बताते हैं कि अमरिया से सवारियां लेकर टेंपो चालक पीलीभीत की तरफ आ रहा था। टेंपो के आगे अचानक नीलगाय आ गई। जिससे बचाने के चक्कर में टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसे में बिजौरिया निवासी विद्यावती, पिंजरा बमनपुरी गांव की गुड्डू देवी, बरातबोझ गांव की द्रोपदी, तेजवती, अमरिया निवासी रीना देवी, उनकी चार वर्षीय पुत्री सौम्या, नवदिया गांव के उमेश कुमार, प्रहलादपुर गांव की निधि समेत आठ लोग घायल हो गए।

उनको जिला अस्पताल भिजवाया गया। बताते हैं कि टेंपो में करीब चौदह लोग सवार थे। हादसे की सूचना मिलने पर सीओ सदर नताशा गोयल जिला अस्पताल पहुंची और घायलों के बारे में जानकारी की।

पति पर एसिड से हमला, पत्नी भी झुलसी, स्कूटी तोड़ी

● प्रेम प्रसंग के विरोध में घटना करने का लगाया आरोप

● घायल को जिला अस्पताल कराया भर्ती, पुलिस कर रही जांच

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पहले से चले आ रहे विवाद के बीच पत्नी पर घर में घुसकर पति पर तेजाब से हमला करने का आरोप लगा है। झुलसे युवक को जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने अस्पताल और फिर घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी की। इस दौरान पति ने घर के बाहर खड़ी स्कूटी तोड़ने का भी आरोप लगाया है। प्रेम प्रसंग का विरोध करने पर हमला करने की बात कही जा रही है। फिलहाल पुलिस पड़ताल कर रही है।

घटना की जानकारी देता हेमंत।

घटना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खैरुल्लाहशाह की है। यहां के रहने वाले 35 वर्षीय हेमंत के अनुसार, उसकी शादी छह साल पहले लखीमपुर की रहने वाली एक युवती से हुई थी। उसका आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद पत्नी का एक युवक से संपर्क हो गया, जिसकी जानकारी उसे लग गई। इसी के चलते विवाद होने लगे और दोनों अलग रहने लगे। पत्नी ने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था, जबकि उनकी ओर से न्यायालय में तलाक की अर्जी दी गई है।

तलाक का नोटिस भी पत्नी को भेजा जा चुका है। इसी के बाद पत्नी रविवार को पीलीभीत पहुंची थी। आरोप है कि उसने घर के बाहर आकर काफी देर हंगामा किया। उनकी स्कूटी को तोड़ दिया। फिर जबरन घर में घुस आई व अचानक एसिड से हमला कर दिया। उस वक्त घर पर वह दोनों ही मौजूद थे। उनका कहना है कि एसिड फेंकते वक्त पत्नी भी मामूली रूप से घुस गई थी। घटना के बाद चीख पुकार पर आसपास के लोग जमा हो गए। इसकी सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोनों को पुलिस ने जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पत्नी का पुलिस निगरानी में चल रहा इलाज

पहले से चले आ रहे विवाद में पति पर घर में घुसकर एसिड फेंकने का आरोप लगा है। इस घटना में बताते हैं कि हेमंत का 30 प्रतिशत शरीर का हिस्सा झुलसा है, जबकि पत्नी मामूली रूप से झुलसी है। दोनों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोपी पत्नी का इलाज पुलिस निगरानी में कराया जा रहा है। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि पूरे मामले की जांच करा रहे हैं। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

ट्रेन की चपेट में आकर वृद्ध की मौत, नहीं हुई शिनाख्त

संवाददाता, बरखेड़ा

● पीलीभीत-शाहजहांपुर रेलखंड पर नवादा महेश के पास हुआ हादसा

अमृत विचार : पीलीभीत शाहजहांपुर रेलखंड पर ट्रेन की चपेट में आकर 65 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

हादसा रविवार दोपहर का है। शाहजहांपुर से पीलीभीत की ओर से सवारी गाड़ी जा रही थी। भोपतपुर रेलवे स्टेशन से करीब दो किलोमीटर पहले गांव नवादा महेश के पास बने अंडरपास से पहले अचानक वृद्ध ट्रेन की चपेट में आ गया। उसकी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी। अचानक रुकी ट्रेन से यात्रियों में खलबली मच गई। काफी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि वृद्ध ने झाड़ियों से निकलकर ट्रेन के आगे छलांग गई थी। ट्रेन के स्टाफ ने मौजूद ग्रामीणों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन कोई नहीं बता सका। इसके बाद शव ट्रेन में रखकर ले जाया गया और भोपतपुर रेलवे स्टेशन पर उतार दिया। ट्रेन भोपतपुर स्टेशन पर निर्धारित समय से करीब 25 मिनट देरी से 12.45 बजे पहुंची। हादसे के चलते रेलवे स्टेशन पर शाहजहांपुर जाने के लिए खड़ी ट्रेन भी कुछ देरी से रवाना हुई। थाना बरखेड़ा पुलिस, जीआरपी और आरपीएफ को मेमो द्वारा सूचना भेज दी गई। इसके बाद बरखेड़ा पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा।

हर गांव-घर तक योजनाएं पहुंचाना हमारा लक्ष्य

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद रविवार को संसदीय क्षेत्र के दौरे पर आए। उनका कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया। वह विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए और सरकार की उपलब्धियां व योजनाओं का प्रचार किया।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ग्राम मैदना में जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जिले के हर गांव, हर घर तक सरकार की योजनाएं पहुंचाना उनका लक्ष्य है। छात्राओं से भी संवाद किया। क्षेत्र के लोगों से उनकी समस्याएं जानी और संबंधित विभाग को निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने न्यूरिया हुसैनपुर की कानपुर कॉलोनी में आयोजित संकीर्तन में भी प्रतिभाग किया। बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ही ग्राम मडरिया में जनसंपर्क किया गया। वह ललपुरिया साहबसिंह गांव भी पहुंचे और यहां एक नवदंपति को मंगलमय जीवन का आशीर्वाद दिया। इस मौके पर बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा, संजीव मिश्रा आदि मौजूद रहे। आज सोमवार को केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद पूरनपुर क्षेत्र में रहेंगे। संजय गांधी पार्क के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। ग्राम शाहगढ़, बंगला मित्रसेन, अभयपुर, भैरोकलां आदि में जनसंवाद करेंगे।

मैदना में जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान युवाओं से संवाद करते केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद।

● केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने किया जनसंवाद

तीमारदार और सुरक्षा गार्ड में विवाद, धक्का-मुक्की

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● जिला अस्पताल की इमरजेंसी का मामला

● सूचना पर पहुंची पुलिस ने की जानकारी, मामला कराया शांत

अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला संयुक्त चिकित्सालय की इमरजेंसी में एक बार फिर हंगाम हो गया। बीमार बुजुर्ग को लेकर पहुंचे युवक का किसी बात को लेकर सुरक्षा कर्मियों से विवाद हो गया। बहस से शुरू हुए विवाद में धक्का मुक्की के बाद मारपीट तक हो गई। हंगामा बढ़ता देख अन्य सुरक्षा गार्ड भी पहुंच गए। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस पहुंची और दोनों पक्षों से जानकारी की। सख्ती कर मामला शांत करा दिया गया। हालांकि दोनों पक्षों की ओर से लिखित शिकायत न किए जाने पर कार्रवाई नहीं हुई। इस दौरान करीब आधे घंटे तक इमरजेंसी के बाहर हंगामा चलता रहा और भीड़ जुटी रही।

बता दें कि जिला संयुक्त चिकित्सालय मेडिकल कॉलेज से संबद्ध किया जा चुका है। व्यवस्थाएं बदली गई तो सुरक्षा के लिहाज से गार्डों की तैनाती भी कर दी गई है। रोकटोक बढ़ी तो विवाद भी बढ़ रहे हैं। पूर्व में कई बार इस तरह के मामले उजागर हो चुके हैं। शनिवार रात करीब पौने 10 बजे भी विवाद हो गया। शहर के एक बुजुर्ग को उसके परिवार वाले बीमार हालत में जिला अस्पताल की इमरजेंसी लेकर पहुंचे। यहां पर किसी बात को लेकर एक सुरक्षा गार्ड से मरीज के तीमारदार की बहस हो गई। सुरक्षा गार्ड का आरोप है कि तीमारदार ने उनके साथ गाली गलौज करते हुए अभद्रता की। धक्का मुक्की पर उतारू हो गया। जबकि तीमारदार ने भी अभद्रता करने का आरोप लगाया। दोनों के बीच बहस बढ़ी और फिर शोर पर अन्य गार्ड व अस्पताल स्टाफ जमा हो गया। दूसरे मरीजों के साथ आए तीमारदारों की भीड़ लग गई। इमरजेंसी के बाहर दोनों पक्ष झगड़ते रहे। काफी समझाने के बाद भी शांत न होने पर सुरक्षा गार्ड ने पुलिस को कॉल कर दी। कुछ ही देर में कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों पक्षों से उनकी बात सुनी और मामला शांत कराया। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि सूचना पर पुलिस गई थी। मगर कोई तहरीर नहीं दी गई है।

इमरजेंसी के बाहर दोनों पक्षों से जानकारी करती पुलिस। ● अमृत विचार

सपने पूरे | उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कई हुए सम्मानित, अनुशासन और कदमताल की दिखी झलक, एसपी ने पढ़ाया पाठ, समाज सेवा और कानून व्यवस्था सर्वोच्च दायित्व

वर्दी के ख्वाब हुए पूरे, 389 आरक्षियों की हुई पासिंग आउट परेड

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पुलिस लाइन में रविवार सुबह दीक्षांत परेड समारोह का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके नवप्रशिक्षित 389 रिक्रूट आरक्षियों द्वारा उत्कृष्ट समन्वय, अनुशासन एवं दक्षता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया।

एसपी सुकीर्ति माधव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सर्वप्रथम परेड का मान प्रणाम ग्रहण किया गया। इसके बाद एसपी ने परेड का निरीक्षण किया। परेड की प्रत्येक टुकड़ी की सज्जा, अनुशासन एवं एकरूपता का अवलोकन किया। रिक्रूट आरक्षियों की 14 टोलियों द्वारा परेड का मार्चपास्ट किया गया और प्लाटून द्वारा एसपी को सलामी दी गई। कदमताल की एकरूपता, सटीकता एवं समयबद्धता बेहद सराहनीय रही। एसपी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया। आरक्षी अक्षय कुमार को सर्वोत्तम सर्वांग, तुषार चौधरी को इन्डोर टॉपर, राजीव कुमार को आउटडोर टॉपर, शिवम कौशिक को परेड कमांडर प्रथम, अवनीत रुहेला को परेड कमांडर द्वितीय, विशाल मलिक को परेड कमांडर तृतीय के रुप में सम्मानित किया गया। इसके अलावा 10 आरक्षियों को बाह्य विषयों और 09 आरक्षियों को आंतरिक विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। इस मौके पर एएसपी विक्रम दहिया, सीओ सदर नताशा गोयल, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नवप्रशिक्षित रिक्रूट आरक्षियों से संवाद करते एसपी सुकीर्ति माधव, एसपी विक्रम दहिया।

नवप्रशिक्षित आरक्षियों संग एसपी समेत अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

पुलिस सेवा सिर्फ कर्तव्य नहीं समर्पण का प्रतीक

पासिंग आउट परेड के दौरान एसपी सुकीर्ति माधव ने कहा कि पुलिस सेवा केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व एवं समर्पण का प्रतीक है। प्रशिक्षण के दौरान अर्जित अनुशासन, ईमानदारी, संवेदनशीलता एवं पेशेवर दक्षता को अपने सेवा जीवन में आत्मसात करते हुए आमजन की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रत्येक पुलिसकर्मी का सर्वोच्च दायित्व है।

थानों पर की जाएगी तैनाती

नवप्रशिक्षित 389 रिक्रूट आरक्षियों की तैनाती अब जिले के थानों में की जाएगी। थानों पर नियुक्त होने से पुलिस बल की जनशक्ति में वृद्धि होगी, जिससे कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा। आमजन को त्वरित एवं प्रभावी पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

अमरिया क्षेत्र में डीजल का अवैध भंडारण और कालाबाजारी पकड़ी

तहसीलदार की अगुवाई में की गई छापामारी, 232 लीटर डीजल बरामद

- पूर्ति निरीक्षक की ओर से दर्ज कराई रिपोर्ट, आरोपी फरार

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचार : एक दुकानदार के गोदाम पर छापामारी कर टीम ने अवैध तरीके से डीजल का भंडारण और कालाबाजारी का खेल पकड़ा। मिट्टी ले जाने वाले वाहनों के चालकों से आरोपी सस्ते दाम पर डीजल खरीदता था और फिर उसे जरूरतमंदों को महंगे दाम पर बिक्री किया करता था। गोदाम से 232 लीटर डीजल समेत अन्य सामान बरामद कर कब्जे में लिया गया। पूर्ति निरीक्षक की ओर से अमरिया थाने में नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई है।

अमरिया थाने में दी गई तहरीर में पूर्ति निरीक्षक मोहम्मद अनस ने बताया कि 25 अप्रैल को सुबह 11 बजे उन्हें सूचना मिली कि ग्राम पंचायत नगरिया कॉलोनी में ग्राम अंडरायन के निवासी ललित वर्मा अपने गोदाम से डीजल की अवैध रूप से बिक्री कर रहा है। गोदाम में अवैध तरीके से डीजल का भंडारण करते हुए कालाबाजारी की जा रही है। इस पर तहसीलदार विदेह सिंह, दरोगा आशीष कुमार द्विवेदी, कांस्टेबल संदीप सिंह, कनिष्ठ सहायक मुनीष कुमार गंगवार के साथ ललित वर्मा के गोदाम पर छापा मारा। गोदाम पर ताला लगा मिला। ग्रामीणों की मौजूदगी में गोदाम में टीम ताला तोड़कर घुसी और चेक किया। इस दौरान गोदाम से ड्रम में 215 लीटर डीजल, प्लास्टिक की कैन में पांच लीटर डीजल, प्लास्टर की बाल्टी में 12 लीटर डीजल, एक प्लास्टिक की नली, प्लाटिक व लोहे की कीप आदि बरामद हुए। जिससे अवैध तरीके से डीजल का भंडारण कर कालाबाजारी की बात स्पष्ट हुई। कुल 232 लीटर डीजल समेत अन्य सामान कब्जे में लिया और क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप के प्रबंधक की सुपुर्दगी में दे दिया। जिसे वह सुरखित रखेंगे। टीम ने मौके पर मौजूद ग्राम प्रधान हरीश कुमार का बयान दर्ज किया। इसमें प्रधान ने बताया कि आरोपी की नगरिया रोड पर चार दुकानें हैं और दुकान के पीछे गोदाम है। आरोपी गोदाम में मिट्टी ले जाने वाले वाहनों से सस्ते दाम पर डीजल को खरीदकर उसका भंडारण करता है। फिर अधिक दाम पर इसे बेचता है। कई अन्य ग्रामीणों के भी बयान दर्ज किए गए। एसओ अमरिया अमित सिंह ने बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विवेचना में साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

गोदाम को ताला लगाता पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

तो किसने लीक कर दी सूचना!

अमरिया थाने में पूर्ति निरीक्षण की ओर से दर्ज की गई एफआईआर में यह बात कही गई है कि जब मुखबिर से मिली सूचना पर टीम ने छापामारी की तो गोदाम बंद था। इसे लेकर जब आसपास के लोगों से पूछताछ की गई तो उन्होंने टीम को ये बताया कि आरोपी ललित वर्मा को छापामारी की पूर्व में ही सूचना कहीं से मिल गई थी। इसके चलते वह गोदाम बंद करके आनन-फानन में भाग गया। सवाल ये है कि ये सूचना कहां से लीक हुई। अगर ये बात सही है तो जिम्मेदारों पर भी सवाल उठ गए हैं। फिलहाल पुलिस अब आरोपी की तलाश कर रही है।

एसपी के आदेश पर दहेज उत्पीड़न की एफआईआर

बरखेड़ा, अमृत विचार: एसपी के आदेश पर पुलिस ने दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज की है। जिसमें पति समेत सात ससुराल वालों को आरोपी बनाया है।

कोतवाली दियोरियाकलां के गांव जादौपुर के निवासी बच्चूलाल वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह हाल में कस्बा बरखेड़ा के वार्ड नंबर चार में रह रहे हैं। उनकी पुत्री नीलम वर्मा की शादी 20 जून 2017 को जनपद हरदोई के कस्बा शाहबाद के मोहल्ला चौक निवासी विशाल सिंह लोधी पुत्र महेंद्र सिंह से हुई थी। पुत्री विदा होकर ससुराल गई तो ससुराल वाले कुछ समय बाद प्रताड़ित करने लगे। पति, सास, जेठ विमलेश सिंह, विकास सिंह, जेठानी रंजना, निशा सिंह आदि ने अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी। पति तलाक की धमकी देने लगा। गृहस्थी बचाने को पुत्री ने एक बार 50 हजार रुपये अपने बैंक खाते से एनएफटी करके विशाल को दिए। इसके बाद पुत्री से आरोपियों ने स्टांप पर हस्ताक्षर करवा लिए। इसके बाद भी प्रताड़ित करते रहे। आरोप है कि गर्भपात भी करा दिया। 19 मार्च को मारपीट कर घर से निकाल दिया। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र सिंह ने बताया कि विवेचना में साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुवायां थाना क्षेत्र के गांव कलक्टरगंज निवासी 30 वर्षीय पंकज कुमार बाइक से फेरी लगाकर सामान बेचते थे। रविवार की सुबह बाइक से सामान लेकर फेरी लगाकर बेचने के लिए जा रहे थे। पुवायां-निगोही रोड पर जठियापुर गांव के सामने ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार युवक घायल हो गया। घायल को पुवायां सीएचसी पर भेजा गया। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। पंकज की मौत से परिवार में पिता हरिपाल, मां शिवदेई, पत्नी रीता, पुत्री दिव्यांशी व अनन्या का रो-रोकर बुराहाल है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया।

वाहन की टक्कर से चालक की मौत

- लौंहगापुर में बोतल में पानी भरने जा रहे थे जाहिद अली पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : अज्ञात वाहन की टक्कर से बग्घी चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुवायां थाना क्षेत्र के गांव जेवा निवासी दिली अफसर ने दर्ज एफआईआर में बताया कि उनके पिता जाहिद अली शादी बरात में किराए पर बग्घी चलाते थे। वह शनिवार को पीलीभीत के कस्बा पूरनपुर में शादी समारोह में बग्घी लेकर गए थे। उनके साथ जेवा गांव निवासी गुलफाम पुत्र नाविर व शान मोहम्मद निवासी कुकुरा, खीरी गए थे। कार्य निपटाकर वह रात करीब 1:30 बजे खुटार पूरनपुर हाईवे से आ रहे थे। वह लौंहगापुर के पास पहुंचे तभी उन्होंने बग्घी को हाईवे किनारे रोक कर खड़ी कर दी और वह पानी लेने के लिए हाईवे किनारे स्थित एक पेट्रोल पंप पर पानी लेने के लिए जा रहे थे। इस दौरान पूरनपुर की ओर से तेज रफ्तार एक कार ने पीछे से उनके जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह लहूलुहान होकर हाईवे पर दूर जा गिरे। टक्कर लगते ही उनके साथी गुलफाम व शान मोहम्मद मौके पर पहुंचे और उन्हें हाईवे से उठाया और एम्बुलेंस को मौके पर बुलाने के लिए सूचना दी। जिस पर टोल प्लाजा की 1033 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायल जाहिद अली को सीएचसी में भर्ती कराया। यहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत गंभीर देख उन्हें जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। साथी उन्हें जिला मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर इलाज के लिए ले जा रहे थे कि उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। उधर, जाहिद अली के परिवारी जनों को जैसे ही सूचना मिली वह भी दौड़ते हुए जिला अस्पताल पहुंचे। जहां पर परिजनों ने जाहिद अली के शव को देखकर बिलख बिलख कर रोने चिल्लाने लगे। पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, पुलिस ने दिली अफसर की तहरीर के आधार पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ लापरवाही व तेज रफ्तार से कार चला कर टक्कर मारकर घायल करने सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पति ने पत्नी को किया घायल

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम मैदना निवासी प्रेमिला पत्नी ओमकार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका पति ओमकार नशा अधिक करता है। 25 अप्रैल को शाम चार बजे उसके पति ने उसकी पिटाई कर दी। जिससे वह घायल हो गई। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए और उसको बचाया। पति ने जान से मारने की धमकी भी दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

विवाहिता से की मारपीट, रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के वल्लभनगर कॉलोनी निवासी रजनी शुक्ला पत्नी शुभम शुक्ला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका पति आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। 24 अप्रैल की रात में पति शुभम ने अपने दोस्त रवि निवासी मौर्या मार्केट के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। मोबाइल भी तोड़ दिया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

परिवार की रंजिश में बालक को पीटा

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बा बरखेड़ा के वार्ड नंबर एक गोपी कॉलोनी निवासी मीरा देवी पत्नी राजाराम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मोहल्ले का मुंशी पुत्र मोहनलाल, रेशमा देवी ने रविवार को पुरानी रंजिश के चलते उसकी गैरमौजूदगी में 10 वर्षीय पुत्र अभिषेक से गाली गलौज की। इसके बाद पिटाई कर दी। जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर से जेवर चोरी

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम लालपुर निवासी हरिओम पांडेय ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 24 अप्रैल को घर से चोर ने कमरे में रखे सोने-चांदी के एक लाख रुपये के जेवर चोरी कर लिए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जनपद में एक मई से शुरू होगा डिजिटल गन्ना सर्वे

जनपद के एक खेत में खड़ी गन्ने की फसल। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जनपद में पहली मई से जीपीएस के माध्यम से गन्ना सर्वे की शुरूआत होगी। जनपद में गन्ना सर्वे का कार्य 30 जून तक पूरा किया जाना है। सर्वे टीम में गन्ना पर्यवेक्षक एवं चीनी मिल कर्मचारी शामिल रहेंगे। इधर सर्वे नीति जारी होने के बाद गन्ना विभाग गन्ना सर्वे की रूपरेखा तैयार करने में जुट गया है।

जनपद में हर साल करीब एक लाख हेक्टेयर के आसपास भूमि पर गन्ने की पैदावार की जाती है। वहीं जनपद में एलएच चीनी मिल पीलीभीत, किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर, किसान सहकारी चीनी मिल बीसलपुर और बजाज हिन्दुस्थान चीनी मिल बरखेड़ा संचालित है। सभी चीनी मिल गन्ना पेराई कर बंद हो चुकी है। पेराई सत्र के दौरान ही गन्ना विभाग द्वारा जनपद बसंतकालीन गन्ना बुवाई को लेकर माइक्रो प्लान तैयार किया गया था। बसंतकालीन गन्ना बुवाई के लिए जनपद को 46 हजार हेक्टेयर का लक्ष्य मिला था। किसानों को गन्ना बुवाई के प्रति जागरुक करने के लिए 100 से अधिक टीमें भी बनाई गई थी। व्यापक जागरूकता अभियान के तहत सभी टीमों द्वारा बैनर आदि के साथ अपने क्षेत्र में गन्ना बुवाई का प्रचार प्रसार किया गया। इधर गन्ना बसंतकालीन गन्ना बुवाई लक्ष्य के करीब पहुंच चुकी है। इधर शासन की ओर से नई गन्ना सर्वे नीति भी जारी कर दी गई है। गन्ना आयुक्त के निर्देशों के अनुसार जनपद में एक मई से लेकर 30 जून तक गन्ना सर्वे किया जाएगा। इसके लिए सर्वे टीमें बनाई जाएगी। सर्वे टीम में एक गन्ना पर्यवेक्षक और एक चीनी मिल कर्मचारी शामिल रहेगा। टीम सीधे किसान के खेत पर पहुंचेगी और मोबाइल ऐप के माध्यम से खेत का क्षेत्रफल, गन्ने की प्रजाति और फसल की स्थिति का विवरण दर्ज करेगी। खास बात यह है कि इस डेटा को सीधे विभाग के मुख्य सर्वर पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें किसी भी प्रकार की मैन्युअल छेड़छाड़ संभव नहीं होगी।

- 30 जून तक पूरा करना होगा सर्वे, टीम में गन्ना पर्यवेक्षक और मिलकर्मी रहेंगे शामिल
- मोबाइल ऐप के माध्यम से टीम खेत का क्षेत्रफल और गन्ने की प्रजाति का विवरण करेगी दर्ज

> शासन द्वारा गन्ना सर्वे नीति जारी कर दी गई है। जनपद में पहली मई से गन्ना सर्वे की शुरूआत की जाएगी। जल्द ही बैठक कर सर्वे नीति के अनुसार रूपरेखा तैयार कर गन्ना सर्वे शुरू कराया जाएगा।
>
> – **खुशीराम भार्गव**, जिला गन्ना अधिकारी

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय – प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डा. विनय गंगवार
एमबीबीएस (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा (Arthoscopic) घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्ट एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन
डा. आंचल अग्रवाल
एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई)
फीजिशियन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीवी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट, छाती में दर्द या भारीपन, सांस फूलना, पैरों में सूजन, हाई ब्लडप्रेशर, हाई कोलेस्ट्रोल, डाइबिटीज (शुगर), सीने या पेट में जलन या दर्द, हार्ट अटैक, हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) • गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) • गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) • पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज ब्रीफ

शॉर्ट सर्किट से लगी आग से दो बीघा गन्ना जला

औरंगाबाद, अमृत विचार : मैगलगंज की पकरिया पुलिस चौकी के ढखिया रूप गांव में ट्रांसफार्मर पर शार्ट सर्किट होने के कारण गिरी चिंगारी से गेहूं के खेत में आग भड़क उठी। इससे गेहूं की फसल के अवशेष समेत दो बीघा गन्ना जल कर राख हो गया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने बताया कि अरविंद मिश्र के खेत में मोटर के लिए बिजली का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, जिसमें शार्ट सर्किट होने के कारण आग लग गई, जिससे पड़ोस करुणाशंकर मिश्र के खेत में खड़े गन्ने की फसल जल गई। ग्रामीणों ने बिजली उपकेंद्र पर सूचना देकर बिजली सप्लाई बंद कराई।

शौचालय के गड्ढे को लेकर मां-बेटी से मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा के गांव परौरी निवासी फूल कुमारी ने बताया कि शनिवार को शौचालय के गड्ढे को लेकर गांव के ही पैरु, नरेश, बुधराम और मनोहर से कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर सभी आरोपी उसके घर पहुंच गए और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की। उसकी बेटी पक्षी देवी बीच-बचाव करने आई तो आरोपियों ने उसे भी पीट दिया। मारपीट में फूलकुमारी के हाथ-पैर में और उनकी बेटी को चोटें आई हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया है।

घर में घुसकर युवती से मारपीट, मोबाइल तोड़ा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली सदर क्षेत्र के उदयपुर महेवा गांव निवासी शीतल ने बताया कि घर में वह अकेली थीं। तभी गांव के ही मायाराम वर्मा, हिमांशु वर्मा और अर्चना उनके घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। हमले में उसके सिर में गंभीर चोट आई है। आरोपियों ने उनका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पाक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

रोशननगर, अमृत विचार : हैदराबाद थानाध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने किशोरी को बरामद कर पाक्सो एक्ट के आरोपी आदर्श कुमार पुत्र सुरेशचंद निवासी चौरिया को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया है।

खुले आसमान के नीचे रात दिन काट रहे अग्निपीड़ित

संवाददाता, रोशननगर

अमृत विचार: बांकेगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत ग्रंट नंबर 18 के मजरा बांसबेरिया में हुये अग्निकांड मे 25 परिवार प्रभावित हुये, जिन्हें अब तक न तो सरकारी सहायता राशि मिली और न ही कोई गांव झांकने आया है, जिससे तपती धूप और भीशण गर्मी में अग्निपीड़ित खुले आसमान के नीचे पड़े हैं।

बांसबेरिया में गत दिनों आग लगने से छह मवेशी, गांव के रामासरे और राजकुमार की पत्नी झुलस गईं थीं। तत्काल तहसीलदार ने कोटेदार से राशन दिलवाया। शाम को हैदराबाद थानाध्यक्ष सुनील कुमार मलिक ने लंच में तहरी वितरण कराई। गांव के धर्मेंद्र कुमार, जगदीश, कमला देवी, रामकिशुन फूलचन्द, मोविन, झब्बन अली, तौलेराम, बाबूराम, जंगली आदि

बांसबेरिया गांव में खुले आसमान के नीचे तेज धूप में पड़े अग्निपीड़ित।

का कहना है कि भाजपा विधायक रोमी साहनी ने गां पहुंचकर कुछ लोगों की आर्थिक मदद की। गांव जन प्रतिनिधि तो बहुत आते हैं, लेकिन सरकारी सहायता दिलाने में कोई रुचि नहीं ले रहा है, जिससे बच्चे भूख, प्यास से तड़फते हुये खूले आसमान के नीचे पड़े हुये हैं। पीड़ितों ने बताया कि तीन दिन से कोई भी अधिकारी गांव झांकने तक नहीं पहुंचा है। लेखपाल हरदेश कुमार ने आश्वासन दिया था कि शीघ्र ही तिरपाल, खाने पीने की व्यवस्था कराकर शासकीय सहायता दिलाई जायेगी। लेकिन उनका आश्वासन भी झूठा साबित हुआ है।

टॉपर्स में सरकारी स्कूलों के सिर्फ 5 छात्र, वित्तविहीन स्कूलों के विद्यार्थियों का टॉपर्स सूची में दबदबा

ढांचा भारी, नतीजे हल्के: सरकारी स्कूल पीछे, निजी आगे

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में इस बार यूपी बोर्ड परीक्षा के नतीजों ने शिक्षा व्यवस्था की एक अलग तस्वीर सामने रख दी है। जहां संसाधनों और ढांचे के मामले में आगे माने जाने वाले सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालय पीछे रह गए, वहीं वित्तविहीन स्कूलों ने टॉपर्स की सूची में दबदबा बना लिया।

हाईस्कूल की टॉप-10 सूची में शामिल 23 मेधावियों में से 19 छात्र वित्तविहीन स्कूलों से हैं, जबकि केवल चार छात्र सरकारी विद्यालयों से जगह बना सके। इंटरमीडिएट में भी यही स्थिति रही। 14 टॉपर्स में से सिर्फ एक छात्र सहायता प्राप्त विद्यालय से रहा, बाकी पर वित्तविहीन स्कूलों का कब्जा रहा। जिले में 55 सरकारी और 49 सहायता प्राप्त विद्यालय हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र पढ़ते हैं। इसके बावजूद टॉपर्स की सूची में इनका प्रतिनिधित्व बेहद सीमित रहा। कुल 70,887 विद्यार्थियों ने इस वर्ष हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा पास की, लेकिन मेधावी सूची में जगह बनाने वाले स्कूलों की संख्या सिर्फ पांच तक सिमट गई।

संख्या नहीं, व्यवस्था बनी कमजोरी

सरकारी विद्यालयों की सबसे बड़ी समस्या शिक्षकों की भारी कमी बनकर सामने आई है। कई स्कूलों में 700 से 800 छात्रों पर सिर्फ 2-3 शिक्षक तैनात हैं। प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता और सहायक अध्यापकों के पद लंबे समय से खाली पड़े हैं। ऐसे में पढ़ाई की गुणवत्ता प्रभावित होना तय है। शिक्षकों का मानना है कि यदि उन्हें गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त कर सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान देने दिया जाए और पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध कराया जाए, तो सरकारी स्कूलों के छात्र भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

मेहनत बनाम व्यवस्था का फर्क

वित्तविहीन स्कूलों की सफलता यह दिखाती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद बेहतर प्रबंधन, नियमित पढ़ाई और परिणाम पर फोकस से अच्छे नतीजे हासिल किए जा सकते हैं। वहीं सरकारी स्कूलों के लिए यह परिणाम एक चेतावनी की तरह है कि केवल ढांचा पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रभावी शैक्षणिक व्यवस्था जरूरी है।

> सरकार द्वारा राजकीय स्कूलों पर काफी खर्च किया जा रहा है, लेकिन विषयवार शिक्षकों की कमी इस स्थिति का मुख्य कारण है। यदि शिक्षकों की कमी को पूरा किया जाए तो सरकारी विद्यालय बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। -**विनोद कुमार मिश्र**, डीआईओएस

हाईस्कूल के मेधावी

प्रांशू- 93 .83 - जिला पंचायत इंटर कॉलेज काला आम

हृदयांशी- 93 .67 - कृषक समाज इंटर कॉलेज- गोला

प्रियांशू- 93 .50 - धर्मसभा इंटर कॉलेज, लखीमपुर

अमन- 93 .50 - राजकीय हाईस्कूल, गूम

इंटरमीडिएट का मेधावी

प्रियांशू सिंह - 91 .40 - युवराज दत्त इंटर कॉलेज, ओयल

राजकीय विद्यालय में शिक्षक

पद	स्वीकृत	तैनाती
प्रधानाध्यापक	40	07
प्रधानाचार्य	15	02
प्रवक्ता	135	27
सहायक अध्यापक	448	167

राजकीय विद्यालयों के पिछड़ने की वजह

राजकीय विद्यालयों में शिक्षकों की बेहद कमी है। प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता और सहायक अध्यापकों के पदों पर स्वीकृत संख्या के मुकाबले तैनाती बहुत कम है। साथ ही पढ़ाई के अलावा एसआईआर आदि अन्य सरकारी कार्यों की जिम्मेदारी होने के कारण नियमित पढ़ाई नहीं करा पाते। कई विद्यालयों में केवल दो से तीन शिक्षक हैं, जबकि छात्र संख्या 700 से 800 तक है। शिक्षकों का कहना है कि उन्हें केवल पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित करने दिया जाए तो सरकारी विद्यालयों के छात्र भी वित्तविहीन स्कूलों के छात्रों से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

संभावित बाढ़ से निपटने को खीरी में रणनीति तैयार

डीएम ने दिए सख्त निर्देश, बाढ़ से पहले अलर्ट मोड में प्रशासन, तैयारियां तेज, नाव, राहत शिविर और दवाइयों की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में संभावित बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अटल सभागार में जिलास्तरीय बाढ़ स्टियरिंग ग्रुप की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता डीएम अंजनी कुमार सिंह ने की, जिसमें विधायक योगेश वर्मा और रोमी साहनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने अफसरों को समय रहते कारगर और प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में डीएम ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बाढ़ चौकियों, राहत केंद्रों, शरणालयों और लंगर स्थलों का चयन सुनिश्चित करें। साथ ही सरकारी और निजी नावों, नाविकों व गोताखोरों की उपलब्धता का आकलन कर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

डीएम ने कहा कि बाढ़ की स्थिति में प्रभावित लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए राहत शिविरों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

बाढ़ से निपटने के लिए पहले से रणनीति बनाते विधायक और डीएम समेत अफसर।

बैठक में मौजूद अधिकारी। ● अमृत विचार

शिविरों में पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से की जाए। सीएमओ ने जानकारी दी कि चिकित्सा शिविरों में ओआरएस, क्लोरीन की गोलियां, सेनेटरी नैपकिन सहित आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने बंधों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए 31 मई तक सभी परियोजनाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीडीओ को संवेदनशील क्षेत्रों की गौशालाओं को चिन्हित कर बाढ़ के दौरान गोवंश के सुरक्षित स्थानांतरण की योजना बनाने को कहा। साथ ही फ्लड फाइटिंग के लिए पर्याप्त मैनपावर, वाहन और संसाधन समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने प्रत्येक प्रभावित क्षेत्र के लिए कम्युनिकेशन प्लान तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि ग्राम प्रधान, कोटेदार, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और अन्य जिम्मेदार नागरिकों को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से जोड़कर सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता अजय कुमार ने प्रेजेंटेशन के जरिए जिले की बाढ़ संवेदनशीलता का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 12 बाढ़ निरोधी परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है, जिनमें अब तक लगभग 15 प्रतिशत प्रगति हुई है। ड्रेनों की सफाई, जल निकासी क्षमता और वर्षा के औसत आंकड़ों के साथ फ्लड फाइटिंग के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी साझा की गई।

ये रहे मौजूद : बैठक में सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एएसपी पश्चिमी अमित कुमार राय, जिला अग्निशमन अधिकारी, डीपीआरओ विशाल सिंह, बाढ़ खंड के ईई अजय कुमार, सिंचाई खंड शारदा नगर व प्रथम के अधिशासी अभियंता, सभी एसडीएम, बीडीओ, अधिशासी अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नाव और गोताखोर रहेंगे अलर्ट

संवेदनशील इलाकों में पहले से ही नावों और प्रशिक्षित गोताखोरों की सूची तैयार की जा रही है। जरूरत पड़ने पर तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया जा सके, इसके लिए स्थानीय स्तर पर टीमों को सक्रिय रखा जाएगा। बाढ़ के बाद फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में है। मेडिकल कैंपों में ओआरएस, क्लोरीन टैबलेट, जरूरी दवाएं और सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध रहेंगे। साथ ही टीमें गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक भी करेंगी।

चुनौती: समय पर पूरा हो काम

हालांकि योजनाएं व्यापक हैं, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती इन्हें समय पर धरातल पर उतारने की है। बंधों की मरम्मत, ड्रेनों की सफाई और संसाधनों की उपलब्धता इन सभी कामों को तय समय सीमा में पूरा करना ही बाढ़ से प्रभावी लड़ाई की कुंजी होगी।

बाढ़ से जंग, जमीन पर कैसी होगी तैयारी

लखीमपुर खीरी। संभावित बाढ़ को लेकर प्रशासन ने रणनीति तो बना ली है, अब असली परीक्षा जमीनी अमल की होगी। हर साल बाढ़ के दौरान सामने आने वाली चुनौतियों को देखते हुए इस बार तैयारियों को ज्यादा व्यवस्थित और परिणामकारी बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

राहत शिविर बनेंगे 'सेफ जोन'

बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत शिविरों को पूरी तरह सुविधायुक्त बनाने की तैयारी है। यहां खाने-पीने, शुद्ध पेयजल, शौचालय, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए लगातार सूचनाएं प्रसारित की जाएंगी, ताकि अफवाहों पर रोक लग सके।

कार्यकर्ताओं ने सुना पीएम मोदी के मन की बात का प्रसारण

गोला में कैंप कार्यालय में समर्थकों संग मन की बात सुनते पालिकाध्यक्ष।

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: श्रीधर्मादा समिति गोशाला कैंप कार्यालय में पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 133वें प्रसारण को सुना। माह के अंतिम रविवार को मन की बात में प्रधानमंत्री ने भारत के सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम ने खेती से लेकर मॉडर्न इनोवेटर्स तक, विंड एनर्जी बनाने की कैपेसिटी, भगवान बुद्ध की शिक्षाएं, खेती में बदलाव, बांस सेक्टर, स्टूडेंट मैथमेटिकल ओलंपियाड प्रोग्राम के बारे में बताया। भाजपा जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, जिला मंत्री गणेश शंकर गौतम, छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष विजय वाजपेयी, अशोक सक्सेना, नगर अध्यक्ष विनोद स्वर्णकार, नगर महामंत्री धीरज बाजपेई, नामित सभासद गीता विश्वकर्मा, सत्रोहन मिश्र, सीमा सक्सेना, रेखा मिश्रा, सीमा वर्मा, सुमित शाह आदि रहे।

जिला समिति का आदेश किया निरस्त

संवाददाता, पलिया कलां

- **हाईकोर्ट ने दी थारू समुदाय को बड़ी राहत**
- **वन अधिकार कानून 2006 को बताया सर्वोपरि**

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पलिया तहसील क्षेत्र के थारू समुदाय को बड़ी राहत देते हुए जिला स्तरीय समिति के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें यहां के सरियापारा गांव के सामुदायिक वन अधिकार दावे को खारिज कर दिया गया था।

सरियापारा गांव की महिला उदासा व 106 अन्य बनाम राज्य की याचिका में अदालत ने अपने फैसले में चार प्रमुख आधार स्पष्ट किए। पहला, वन अधिकार अधिनियम 2006 की धारा 4 'नॉन-ऑब्स्टेंटे' प्रकृति की है, यानी यह अन्य कानूनों पर प्रभावी रहती है, इसलिए पुराने न्यायिक आदेशों के आधार पर दावे खारिज नहीं किए जा सकते। दूसरा, कोर्ट ने कहा कि यह कानून नए अधिकार देने के लिए नहीं, बल्कि आदिवासी और परंपरागत वनवासियों के पहले से मौजूद अधिकारों को मान्यता देने के लिए बनाया गया है।

तीसरा, जिला समिति ने 2006 के अधिनियम को नजरअंदाज कर वर्ष 2000 के अंतरिम आदेश पर भरोसा किया, जो विधिसम्मत नहीं है। चौथा, प्रभावित पक्षों को समुचित सुनवाई का अवसर दिए बिना ही उनके दावे निरस्त कर दिए गए, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। अदालत ने निर्देश दिया कि इस दावे पर पुनः सुनवाई कर कानून के अनुरूप निर्णय लिया जाए। स्पष्ट किया कि जब तक नया आदेश पारित नहीं होता, तब तक वनवासियों के मौजूदा अधिकार सुरक्षित रहेंगे। यह फैसला देशभर में वनाधिकार मामलों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दशकों से आदिवासियों की लड़ाई लड़ रहे सामाजिक कार्यकर्ता रजनीश ने निर्णय को ऐतिहासिक बताया।

उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट का यह आदेश न सिर्फ न्यायपूर्ण ही नहीं, बल्कि वन अधिकार कानून की मूल भावना को स्थापित करने वाला है। रजनीश के अनुसार, वर्ष 2013 में क्षेत्र के 20 गांवों द्वारा सामुदायिक अधिकारों को लेकर किए दावों को जिला स्तरीय समिति ने कानून के विपरीत जाकर निरस्त कर दिया था, जिसे अब अदालत ने खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला ऐसा आदेश है, जिसमें उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने वन अधिकार कानून की धाराओं के साथ-साथ उसकी प्रस्तावना में वर्णित उस ऐतिहासिक तथ्य का भी उल्लेख किया है कि ब्रिटिश काल से लेकर आजाद भारत तक वनवासियों के अधिकार दर्ज नहीं किए गए, जिससे उनके साथ ऐतिहासिक अन्याय हुआ।

प्रेशर हॉर्न की आवाज से लोग परेशान

भीरा, अमृत विचार: नगर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहनों के प्रेशर हॉर्न से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नियमों के बावजूद चालक धड़ल्ले से तेज आवाज वाले हॉर्न का इस्तेमाल कर रहे हैं। रेलवे स्टेशन मार्ग, मुख्य चौराहा और भीरा-पलिया हाईवे पर दिनभर यातायात का दबाव रहता है। इसी मार्ग पर अस्पताल होने के कारण मरीजों की आवाजाही भी अधिक रहती है। ऐसे में तेज प्रेशर हॉर्न की आवाज से मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ध्वनि प्रदूषण से स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है, लेकिन पुलिस और परिवहन विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक और परिवहन विभाग से प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बाढ़ को लेकर राजेश्वर सिंह से मिले किसान

संवाददाता, निघासन

- **शारदा क्षेत्र सिंचाई विभाग के अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों का निरीक्षण**

अमृत विचार: विधानसभा क्षेत्र निघासन में हर वर्ष आने वाली बाढ़ से किसानों की फसलें बर्बाद हो जाती हैं, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। इसी समस्या को लेकर क्षेत्र के किसानों ने एकजुट होकर भाजपा के वरिष्ठ नेता राजा राजेश्वर सिंह से अपनी पीड़ा साझा की थी।

किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए राजा राजेश्वर सिंह ने हाल ही में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर निघासन क्षेत्र की बाढ़ की स्थिति से अवगत कराया। साथ ही विभागीय प्रमुख सचिव से भी वार्ता की, जिसके बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई तेज हो गई। सिंचाई विभाग की संयुक्त टीम के साथ राजा राजेश्वर सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

बाढ़ बचाव के लिए अधिकारियों की संयुक्त टीम को जानकारी देते राजा राजेश्वर सिंह।

इस दौरान लखनऊ से पहुंचे सिंचाई खंड शारदानगर के अपर मुख्य अभियंता लवकुश सिंह, अधिशाषी अभियंता धर्मपाल गंगवार, बाढ़ खंड के अपर मुख्य अभियंता अनिल कुमार निरंजन, अधिशाषी अभियंता अजय कुमार, अपर अभियंता अखिलेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। टीम ने सबसे पहले बैलहा रपटा पुल का निरीक्षण किया, जहां ग्रामीणों ने नाले की सफाई की मांग रखी, जिस पर अधिकारियों ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

लालपुर सेंटर के पास क्षतिग्रस्त पुलिया को तत्काल बनाने के निर्देश भी दिए गए। इसके बाद लालबोझी क्षेत्र में शारदा से निकलने वाली सूतिया नदी को रोकने के लिए परप्यूपाइन (तिगुड़िया) लगाने के निर्देश दिए गए, जिससे घाघी में आने वाले अतिरिक्त पानी को नियंत्रित किया जा सके।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी राजा राजेश्वर सिंह के प्रयासों से तमोलीनपुरवा बांध का निर्माण कराया गया था तथा बंद पड़े घाघी नाले की खुदाई कराई गई थी, जिससे क्षेत्र में बाढ़ का प्रभाव काफी हद तक कम हुआ था। इस बार भी किसानों को उम्मीद है कि उनके प्रयासों से उन्हें और राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख नरेंद्र सिंह, बैल्हा प्रधान सद्दाम, धर्मनाथ सिंह, ओमप्रकाश गुप्ता, जसवंत सिंह, बख्शीश सिंह, अमित सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

संकट अघोषित कटौती और लो वोल्टेज से बढ़ी परेशानी, लू के दौरान कटौती से ग्रामीणों में बढ़ी नाराजगी

भीषण गर्मी में बिजली व्यवस्था ध्वस्त, लोग बेहाल

संवाददाता, लखीमपुर खीरी/सिंगाही

अमृत विचार: जिले में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच हो रही अघोषित बिजली कटौती ने आम जनमानस को बेहाल कर दिया है। तन को झुलसा देने वाली तपिश और बिजली की अघोषित के कारण लोगों में भारी आक्रोश है। शहर में बिजली की आवाजाही से उपभोक्ता काफी परेशान हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत ग्रामीण इलाकों की है। यहां बिजली के आने-जाने का कोई समय नहीं है। आठ घंटे भी बिजली की सप्लाई मिलना मुश्किल है। निघासन क्षेत्र के सिंगाही देहात, बेलरायां और तिकुनिया में भीषण गर्मी के बीच बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराती नजर आ रही है। लगातार बढ़ते तापमान और लू के थपेड़ों के बीच जहां लोगों को बिजली से राहत की उम्मीद थी, वहीं अघोषित कटौती और लो वोल्टेज ने ग्रामीणों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं।

छाते के सहारे जाती युवती।

सिंगाही में बच्चे और खुद को लू से बचाते हुए इस तरह से निकली महिलाएं।

इन दिनों दोपहर के समय सड़कें सूनी हो जाती हैं और लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हैं। तेज गर्म हवाएं लोगों को झुलसा रही हैं, जिससे बुजुर्गों, बच्चों और बीमारों की हालत खराब हो रही है। ऐसे में बिजली का लगातार गायब रहना हालात को और गंभीर बना रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई दिनों से बिना सूचना घंटों बिजली गुल रहती है। रात में भी सप्लाई का कोई तय समय नहीं है, जिससे लोग ठीक से सो नहीं पा रहे हैं। पंखे और कूलर बंद रहने से गर्मी असहनीय हो गई है। वहीं जब बिजली आती भी है तो लो वोल्टेज के कारण उपकरण ठीक से काम नहीं करते।

किसानों पर भी असर साफ है। सिंचाई के लिए बिजली न मिलने से फसलें सूखने लगी हैं, जबकि लू के कारण जमीन की नमी खत्म हो रही है। इससे उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। छोटे व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। बिजली न होने से कोल्ड ड्रिंक, डेयरी उत्पाद और अन्य ठंडे सामान खराब हो रहे हैं। बाजारों में लू के कारण सन्नाटा है, जिससे आमदनी घटती जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दबाव बढ़ रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्मी और लू से प्रभावित मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

डॉक्टरों के अनुसार इस मौसम में ठंडे वातावरण में रहना जरूरी है, लेकिन बिजली संकट के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है।

बिजली संकट बना जानलेवा

भीषण गर्मी और अघोषित बिजली कटौती के बीच सिंगाही देहात के गांव सहिजनां में घर के बाहर सो रही एक महिला को तेंदुए ने अपना शिकार बना लिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बिजली आपूर्ति सुचारू रहती, तो लोग बाहर सोने को मजबूर नहीं होते। अंधेरे और खुले में सोने की वजह से जंगली जानवरों का खतरा बढ़ गया है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए और वन विभाग क्षेत्र में गश्त बढ़ाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

ग्रामीणों की जुबानी

दिन-रात बिजली गायब रहती है, लो वोल्टेज से मोटर तक नहीं चल पाती, फसलें सूखने की कगार पर हैं। -**जंगबहादुर यादव (बीडीसी)**

बच्चे रातभर गर्मी से परेशान रहते हैं। काफी कम वोल्टेज रहता है। इस वजह से पंखा भी ठीक से नहीं चलता। -**विमला मौर्य (गृहिणी)**

बिजली न होने से दुकानदारी चौपट है। शीतल पेय पदार्थ फ्रिजों को पर्याप्त बिजली न मिलने से बंद हैं। इससे सामान खराब हो रहा है। -**श्याम मोहन दीक्षित (प्रधान प्रतिनिधि)**

लू और गर्मी से हालत खराब है। रातभर जागना पड़ता है। कई बार शिकायत की गई, लेकिन इसके बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है। -**रामचंद्र शाक्य (बुजुर्ग)**

गर्मी बढ़ी तो जेब पर पड़ा असर, कूलर-पंखे महंगे

संवाददाता, मूड़ा सवारान

- **कच्चे माल की लागत बढ़ने से कंपनियों ने बढ़ाए दाम**

अमृत विचार: जैसे जैसे तापमान बढ़ रहा है, वैसे वैसे बाजार में पंखे, कूलर और एसी की मांग में तेजी देखने को मिल रही है। हालांकि इस बार गर्मी से राहत देने वाले ये उपकरण आम लोगों की जेब पर भारी पड़ रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल इनकी कीमतों में 5 से 10 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई है।

गर्मी बढ़ने के साथ ही बाजारों में इलेक्ट्रॉनिक दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ बढ़ने लगी है। पंखा, कूलर और एसी जैसे उपकरण ऊंचे दामों पर बिक रहे हैं। इलेक्ट्रानिक दुकानदार पंकज राठौर, मनोज अग्रवाल, संजय गुप्ता, विनोद शर्मा आदि का कहना है कि कच्चे माल की कीमतों और उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण कंपनियों ने दाम बढ़ा दिए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले साल जो पंखा 1500 रुपये में मिलता था, वह इस बार करीब 1700 रुपये में बिक रहा है। वहीं कूलरों की कीमत में 500 से 1000 रुपये तक की बढ़ोत्तरी हुई है। एसी के दामों में भी इजाफा देखने को मिल रहा है।

बढ़ती महंगाई से ग्राहक भी परेशान नजर आ रहे हैं। कूलर खरीदने आए विकास वर्मा ने बताया कि महंगाई के चलते घरेलू बजट बिगड़ रहा है और अब ठंडी हवा भी महंगी हो गई है। वहीं सीलिंग फैन लेने पहुंचे संतोष कुमार का कहना है कि तापमान बढ़ने से मांग बढ़ी है, जिससे सभी उपकरणों के दाम ऊपर चले गए हैं। इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ रहा है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 27 अप्रैल 2026 खीरी

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें
अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें
गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें
डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते
मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
10 मई 2026, रविवार
24 मई 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

पासिंग आउट परेड: 487 रिक्रूट बने पुलिस बल का हिस्सा

आईजी किरन एस ने दिलाई कर्तव्यनिष्ठा की शपथ, दीक्षांत परेड में अनुशासन का प्रदर्शन, उत्कृष्ट प्रशिक्षुओं को किया गया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: रविवार को उत्तर प्रदेश पुलिस को 487 जवान मिल गए। यह जवान पुलिस लाइन में प्रशिक्षण ले रहे थे। प्रशिक्षण पूरा होने पर पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में सभी 487 रिक्रूट आरक्षियों की पासिंग आउट परेड का भव्य आयोजन किया गया। एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने जवानों को कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई। पासिंग लाइन पार करते ही रिक्रूट सिपाही बन गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने की। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि आईजी किरण यश के परेड के निरीक्षण से हुई। इसके बाद रिक्रूट आरक्षियों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत करते हुए अनुशासन और तालमेल का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन लाइव प्रसारित किया गया, जिसमें उन्होंने नवागत आरक्षियों को ईमानदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कर्तव्य निभाने का संदेश दिया।

पासिंग आउट परेड का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि आईजी लखनऊ किरण यश। ● अमृत विचार

कर्तव्यनिष्ठा की शपथ लेते जवान। ● अमृत विचा

समारोह के अंतिम चरण में एसपी ने सभी आरक्षियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शपथ के बाद टोलियों ने अनुशासित ढंग से प्रस्थान किया। मुख्य अतिथि लखनऊ परिक्षेत्र के आईजी किरण यश ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान बहुत कुछ सिखाया और बताया गया है। आप सभी के कंधों पर कानून के पालन की जिम्मेदारी है। आप जहां भी रहें वहां हर पीड़ित को न्याय दिलाना आपका पहला कर्तव्य होना चाहिए।

आईजी ने कहा कि थाने आने वाले हर पीड़ित को न्याय मिले। यह आपकी प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। पुलिस की वर्दी जिम्मेदारी का प्रतीक है और बदलते समय में साइबर अपराध जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर सीखना जरूरी है। वहीं पुलिस अधीक्षक ख्याति गर्ग ने सभी नवागत आरक्षियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रशिक्षण टीम के प्रयासों की सराहना की।

उधर पासिंग लाइन पार करते ही सभी जवान खुशी से उछल पड़े। सभी के चेहरों पर सिपाही की नौकरी पा लेने की खुशी साफ झलक रही थी। पासिंग आउट लाइन पार करते ही सभी 487 जवान उत्तर प्रदेश पुलिस के बेडे में शामिल हो गए। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी, प्रशिक्षक और आरक्षियों के परिजन भी मौजूद रहे।

यह हुए सम्मानित

प्रशिक्षण अवधि में इनडोर, आउटडोर और फायरिंग में सर्व श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को आईजी किरण यश ने प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। संपूर्ण परीक्षा में प्रथम स्थान पर रहे आरक्षी उदित सिंह को सर्वांग सर्वोत्तम घोषित किया गया। प्रथम कमांडर का का भी पुरस्कार उदित सिंह को मिला। द्वितीय और तृतीय परेड कमांडर का पुरस्कार आरक्षी सत्य प्रकाश शुक्ला और ऋषभ अहलावत को दिया गया। आउटडोर परीक्षा में सर्वोत्तम स्थान पाने पर आरक्षी सत्य प्रकाश शुक्ला और इनडोर परीक्षा में सर्वोत्तम स्थान लाने वाले आरक्षी उदित सिंह को सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट कार्य करने पर परेड कमांडर को सम्मानित करते आईजी व एसपी। ● अमृत विचार

तार पिघलने से स्टोर रूम में लगी आग

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर की भारत भूषण कॉलोनी में भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण बिजली के तार पिघलने से एक घर के स्टोर रूम में आग लग गई, जिससे हजारों का कीमती सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि घर की ऊपरी मंजिल पर रहने वाले किरायेदारों ने समय रहते साहस दिखाया, जिससे आग पूरे घर में फैलने से रुक गई।

वर्तमान में पड़ रही अत्यधिक गर्मी और तेज धूप के कारण भारत भूशण कॉलोनी मे मिंटू बाबू के स्टोर रूम की फिटिंग के बिजली के तार अचानक गर्म होकर पिघल गए। तारों के आपस में टकराने से जबरदस्त शॉर्ट सर्किट हुआ और निकली चिंगारी ने स्टोर रूम में रखे सामान को चपेट में ले लिया। देखते ही देखते कमरे से आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। आग लगते ही घर में अफरा तफरी मच गई। ऊपरी मंजिल पर रह रहे किरायेदारों ने सूझबूझ का परिचय देकर शोर मचाते हुए तत्काल आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद लपटों को घर के अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया। आग से स्टोर रूम में फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य घरेलू सामान एवं हजारों रुपये की संपत्ति जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई है।

स्नातक परीक्षाएं कल से होंगी शुरू

भीरा, अमृत विचार: स्मृति महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीडी शुक्ला के अनुसार लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय में बीए, बीएससी और बीकॉम के चतुर्थ एवं छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार आयोजित की जाएंगी। परीक्षाओं की अवधि 90 मिनट निर्धारित की गई है। परीक्षाओं को नकल विहीन और पारदर्शी बनाने के लिए सतर्कता बरती जा रही है। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले तलाशी ली जाएगी और मोबाइल फोन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। इसी क्रम में मनमीत नगर डिग्री कॉलेज में स्नातक परीक्षाएं 28 अप्रैल से शुरू हो रही हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र सिंह ने सभी परीक्षार्थियों को समय से केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं।

अंगदान पर जागरूकता का संदेश, टॉपर्स हुए सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- खीरी मेडिकल कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

अमृत विचार: स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय देवकली में आयोजित उत्तर प्रदेश के पहले अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल अल्टूइज्म सम्मेलन में रविवार को मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की शुरू सदर विधायक योगेश वर्मा और डीएम अंजमी कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर की। सदर विधायक योगेश वर्मा, डीएम अंजनी कुमार सिंह, सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता और प्रधानाचार्य डॉ. वाणी गुप्ता ने संयुक्त रूप से कॉलेज के पहले बैच के टॉपर्स को सम्मानित किया।

सम्मानित होने वाले छात्रों में प्रथम स्थान पर अखिलेश यादव, द्वितीय स्थान पर छवि गुप्ता और तृतीय स्थान पर मनीषा वर्मा व उदा खान शामिल रहे। इस दौरान अतिथियों ने कॉलेज की प्रकाशित पुस्तिका कांफ्रेंस सोवेनियर का भी विमोचन किया। सदर विधायक योगेश वर्मा ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ने से अब अधिक छात्रों को चिकित्सा शिक्षा का अवसर मिल रहा है।

उन्होंने 'मेडिकल अल्टूइज्म' विषय को समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए छात्रों को समर्पण के साथ पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के पहले बैच का सफलतापूर्वक प्रथम वर्ष पूरा होना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने सम्मेलन की थीम परोपकारार्थमिदं शरीरम् को रेखांकित करते हुए अंगदान को जीवन बचाने का प्रभावी माध्यम बताया। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में विज्ञान और मानवता का समन्वय जरूरी है।

उन्होंने अंगदान को जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी बताते हुए इस विषय पर जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। प्रधानाचार्य डॉ. वाणी गुप्ता ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कॉलेज में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने अंगदान के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश बताया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए।

कार्यक्रम का आरंभ करते विधायक योगेश वर्मा, डीएम अंजनी कुमार सिंह व अन्य।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं से रूबरू हुए डीएम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

सैनिक बंधु की बैठक में बोलते डीएम अंजनी कुमार सिंह।

बैठक में मौजूद पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में सैनिक बंधु की बैठक आयोजित हुई। बैठक में भूतपूर्व सैनिकों ने समस्याएं उठाई। डीएम ने सभी समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी विंग कमांडर धनंजय प्रसाद सिंह ने बैठक का संचालन किया।

डीएम अंजनी कुमार सिंह ने भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं को सुना एवं उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि सभी भूतपूर्व सैनिकों का राष्ट्र सेवा में अतुलनीय एवं सम्मानजनक स्थान है। सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सैनिक हमेशा अनुशासित रहता है और सैनिक सदैव सैनिक ही रहता है। पूर्व सैनिकों उनके परिवारों व वीर नारियों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाएगा।

नशा मुक्ति की मिसाल बने पूर्व सैनिक को डीएम ने किया सम्मानित : जंग सिर्फ सीमा पर ही नहीं लड़ी जाती, कुछ लड़ाइयां खुद से भी होती हैं और इन्हीं लड़ाइयों के सच्चे विजेता बने पूर्व सैनिक हवलदार रवि तिवारी और कैप्टन राजेश कुमार। सैनिक बंधु की बैठक में डीएम अंजनी कुमार सिंह ने इन जांबाजों को सम्मानित कर उनके जज्बे को सलाम किया। अल्कोहल डिपेंडेंस जैसी चुनौती को अपने दृढ़ निश्चय और अनुशासन से हराकर दोनों ने नशा मुक्त जीवन की मिसाल पेश की।डीएम ने स्मृति चिन्ह, शॉल भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने दोनों पूर्व सैनिकों की सराहना करते हुए कहा कि इनकी कहानी समाज के लिए प्रेरणादायक है और नशा मुक्ति अभियान को मजबूती देगी।

लंगूर की मौत पेड़ से गिरकर होने की आशंका

बिझौली, अमृत विचार: चिंतापुरवा गांव के बाहर बाग में शनिवार सुबह मृत मिले लंगूर की मौत पेड़ से गिरने से होने की आशंका है। वन विभाग ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जिसकी रिपोर्ट तीन दिन बाद मिलेगी। ग्रामीणों ने सुबह बाग में लंगूर को मृत पड़ा देखा था। उसके मुंह से खून निकल रहा था। सूचना पर डिप्टी रेंजर अंकित बाबू टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वन क्षेत्राधिकारी गोला संजीव तिवारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण पेड़ से गिरना लग रहा है। गिरने से अंदरूनी चोट के कारण मौत हुई है, फिर भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली कारणों का पता चल पाएगा। फिलहाल जांच जारी है।

किराया मांगने पर परिचालक पर ईंट-पत्थर से किया हमला

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- ओवरब्रिज के पास बस रुकवाकर की मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार: कोतवाली सदर क्षेत्र में किराया मांगने पर भड़के एक युवक ने बस रुकवाकर परिचालक पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया, जिससे परिचालक घायल हो गया।

लखीमपुर डिपो में संविदा परिचालक संजय कुमार शनिवार को निगम की बस पर बहराइच-लखीमपुर-गोला मार्ग पर ड्यूटी कर रहे थे। बस चालक मोहम्मद इरशाद थे। राजापुर से एक यात्री बस में सवार हुआ। परिचालक द्वारा गंतव्य पूछने पर उसने लालपुर जाने की बात कही। किराया मांगने पर उसने खुद को दिव्यांग बताते हुए देने से इंकार कर दिया। आरोप है कि यात्री शराब के नशे में था। कुछ दूरी पर छाउछ चौराहा ओवरब्रिज के नीचे बस रुकवाकर आरोपी यात्री नीचे उतर गया और अचानक ईंट-पत्थर फेंक कर हमला कर दिया। हमले में परिचालक का बायां कान फट गया और खून बहने लगा। छीना-झपटी में विभागीय मार्ग पत्र भी फट गया। परिचालक ने घटना की सूचना यूपी 112 पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को पकड़ लिया और कोतवाली ले आई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई परवेज अहमद खान को सौंपी है।

डिग्री के बाद भी नौकरी की तलाश, होमगार्ड परीक्षा में आजमाई किस्मत

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

सीसीटीवी कैमरों में परीक्षा कक्षों को देखते डीएम अंजनी कुमार सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सरकारी नौकरी की चाह और लगातार बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच अब युवा किसी भी अवसर को छोड़ना नहीं चाहते। जिले में चल रही होमगार्ड भर्ती परीक्षा में इस बार एक अलग ही तस्वीर देखने को मिली, जहां इंटरमीडिएट से लेकर स्नातक और टेक्निकल कोर्स तक की पढ़ाई कर चुके युवक-युवतियां बड़ी संख्या में परीक्षा देने पहुंचे। यह केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि उनके लिए स्थिर भविष्य की तलाश का जरिया बनती नजर आई।

परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे अभ्यर्थियों से बातचीत में सामने आया कि लंबे समय से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा अब हर भर्ती को एक अवसर के रूप में देख रहे हैं। यूपी पुलिस, रेलवे और अन्य सरकारी नौकरियों की तैयारी के बीच होमगार्ड भर्ती भी उनकी प्राथमिकता में शामिल हो चुकी है। कड़ी गर्मी और सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद अभ्यर्थियों का उत्साह कम नहीं दिखा।

अधिकांश अभ्यर्थियों का मानना है कि आज के समय में नौकरी पाना आसान नहीं है, ऐसे में जो भी मौका मिले, उसे गंवाना नहीं चाहिए। परीक्षा केंद्रों के बाहर और अंदर का माहौल युवाओं के संघर्ष और उम्मीदों को बयां करता नजर आया। कोई वर्षों से तैयारी कर रहा है, तो कोई पहली बार परीक्षा में शामिल हुआ, लेकिन सभी की सोच लगभग एक जैसी है सरकारी सेवा में किसी भी तरह जगह बनाना। युवाओं का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार प्रयास के बावजूद सफलता में देरी हो रही है, जिससे वे छोटे-बड़े हर अवसर को अपनाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

होमगार्ड भर्ती उनके लिए एक ऐसा विकल्प बन रही है, जहां से वे अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं। कुल मिलाकर परीक्षा केंद्रों पर यह साफ नजर आया कि आज का युवा परिस्थितियों से हार मानने के बजाय हर संभावना को आजमाकर आगे बढ़ना चाहता है। वर्दी पहनने का सपना और परिवार को सहारा देने की जिम्मेदारी उन्हें लगातार प्रयास करने के लिए प्रेरित कर रही है।

दूसरे दिन अधिक रही उपस्थिति डीएम-एसपी ने संभाली कमान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- प्रथम सत्र में 10100, द्वितीय में 2956 ने दी परीक्षा, दूसरे दिन भी कड़े इंतजाम
- डीएम-एसपी ने केंद्रों का लिया जायजा, सीसीटीवी से रखी गई कड़ी निगरानी

अमृत विचार: होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को जिले के 16 परीक्षा केंद्रों पर कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच दोनों पालियों में परीक्षा संपन्न कराई गई। प्रत्येक पाली में 6528 के सापेक्ष कुल 13056 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था। पहली पाली में 4990 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 1538 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में 5110 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 1418 ने परीक्षा से किनारा कर लिया। इस प्रकार दोनों पालियों को मिलाकर कुल 10100 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 2956 अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे। परीक्षा को सकुशल व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय रहा। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह व पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी व्यवस्था को भी परखा गया। वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि सभी केंद्रों पर आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया गया। सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट भी पूरे समय मुस्तैद रहे। जिले में 27 अप्रैल को भी इसी व्यवस्था के तहत सभी 16 केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी।

अभ्यर्थियों से बातचीत

पुलिस और होमगार्ड दोनों पर नजर

सीतापुर निवासी विवेक कुमार ने बताया कि उन्होंने 2023 में इंटरमीडिएट पास किया था तब से यूपी पुलिस के साथ-साथ होमगार्ड की तैयारी कर रहे हैं। परीक्षा देकर निकले विवेक ने बताया कि उनका पेपर ठीक रहा और आगे भी लगातार प्रयास जारी रखेंगे।

लंबे समय से तैयारी में जुटे हैं फैज

परीक्षा देने आए शाहाबाद के रहने वाले मोहम्मद फैज का ने बताया कि 12वीं के बाद से ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। होमगार्ड भर्ती परीक्षा के लिए उन्होंने जी जान से तैयारी की थी परिक्षा ठीक हुई है पर अब सब आगे के परिणाम पर निर्भर है।

पहली बार में भी दिखा उत्साह

बीएससी पास कर चुके अमन कुमार का कहना है कि उन्होंने अपनी पहली भर्ती परीक्षा होमगार्ड की दी। उन्होंने बताया कि अन्य भर्तियों की तैयारी के साथ ही इस परीक्षा में शामिल होना एक नया अनुभव रहा और पेपर ठीक हुआ है। अब सब किस्मत का खेल है।

पेपर कठिन पर उम्मीद कायम

बीएससी कर चुके हरदोई के वीरेंद्र कुमार ने बताया कि वह यूपी एसआई और पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। इस बार होमगार्ड की परीक्षा देने आए हैं। उन्होंने बताया कि अन्य भर्तियों की तैयारी के साथ इस परीक्षा में शामिल होना नया अनुभव रहा। पेपर कठिन आया था पर ठीक हुआ।

न्यूज ब्रीफ

किसान से एक लाख की लूट, किया घायल

जलालाबाद, अमृत विचार : हरदोई के थाना पचदेवरा क्षेत्र के मैकपुर कुरारी निवासी जनार्दन पुत्र बलवीर ने बताया कि वह ट्रैक्टर-ट्राली से जलालाबाद मंडी में 35 क्विंटल गेहूं बेचने गए थे, जहां आढ़ती ने उन्हें एक लाख रुपये दिए और शेष रकम दो दिन बाद देने की बात कही। रुपये लेकर वह गांव लौट रहे थे। जनार्दन के अनुसार गुरगवा गांव के आगे पतियुरा मढैया निवासी काले के परिवार के लोगों ने बोलेरो आगे लगाकर उनका ट्रैक्टर रोक लिया और उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि हमलावरों ने उनकी जेब में रखे एक लाख रुपये लूट लिए। इस दौरान मारपीट में जनार्दन और उनकी मां माया देवी घायल हो गईं। एंबुलेंस से दोनों को जलालाबाद लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद थाने भेजा गया। घटना के दौरान आरोपियों ने ट्रैक्टर की चाबी भी छीन ली और बैटरी खोलने का प्रयास किया। कोतवाल राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची थी, मामला संदिग्ध लग रहा है, जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बच्चे के विवाद में ननद-भाभी में मारपीट

धौरहरा, अमृत विचार : गांव बबुरी निवासी शांति देवी ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे गांव के अंकित और उसकी पत्नी से उसके दो वर्षीय बच्चे कार्तिक को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई और विपक्षियों ने शांति देवी के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। जब उनकी ननद सुनीता देवी बीच-बचाव करने आईं तो आरोपियों ने उन्हें भी पीट दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेट्रोल पंप सेल्समैन से मारपीट

धौरहरा, अमृत विचार : धौरहरा थाना क्षेत्र के गांव रमुवापुर निवासी सरोज कुमार टापरपुरवा स्थित एचपी पेट्रोल पंप पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत हैं। वह पंप पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान सुरेंद्र और हरद्वारी नामक युवक बाइक से पहुंचे और तुरंत तेल डालने को लेकर विवाद करने लगे। आरोप है कि थोड़ी देर रुकने की बात कहने पर दोनों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी, जिससे उनके सिर में चोट आई। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सहिंजना में तेंदुए का हमला, महिला की मौत

गुस्साए ग्रामीणों की रेंजर से तीखी नोकझोंक, घर के बाहर सो रही महिला को ले गया था तेंदुआ

वन क्षेत्राधिकारी बेलरायां और ग्रामीणों के बीच होती नोकझोंक। ● अमृत विचार

घटना स्थल पर पुलिस बल के साथ मौजूद सीओ शिवम कुमार। ● अमृत विचार

संवाददाता, सिंगाही

मृतका संध्या देवी।

अमृत विचार: उत्तर खीरी की बेलरायां वन रेंज में तेंदुए और अन्य वन्य जीवों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार रात थाना सिंगाही क्षेत्र के गांव सहिंजना के बाहर में घर के बाहर सो रही महिला को तेंदुआ उठाकर ले गया और उसे मार डाला था। इस घटना के बाद पूरे गांव में दहशत फैल गई, वहीं ग्रामीणों का गुस्सा भी फूट पड़ा। मौके पर पहुंचे रेंजर से ग्रामीणों की तीखी नोकझोंक भी हुई। उधर रविवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव लाया गया तो परिवार में कोहराम मच गया।

गांव सहिंजना निवासी माता प्रसाद मौर्य की पत्नी संध्या देवी (30) शनिवार रात बिजली कटौती के कारण घर मच्छरदानी लगाकर सो रही थीं। रात करीब 10:45 बजे अचानक तेंदुआ आया और उन्हें उठाकर करीब 50 मीटर दूर खेत में ले गया। आहट मिलने पर परिजनों ने शोर मचाया, जिस पर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और तेंदुए का पीछा किया। दबाव बढ़ता देख तेंदुआ महिला को खेत में छोड़कर भाग गया। घटना की सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी बेलरायां भूपेंद्र सिंह और प्रभारी निरीक्षक सिंगाही दिलीप कुमार चौबे मौके पर पहुंचे। हालांकि वन विभाग की टीम को देखते ही ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लगातार तेंदुए और बाघ के हमले हो रहे हैं, लेकिन वन विभाग की ओर से उन्हें पकड़ने या रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इस दौरान ग्रामीणों और वन क्षेत्राधिकारी के बीच तीखी नोकझोंक हुई। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए कि अतिरिक्त पुलिस बल बुलाना पड़ा। निघासन, तिकुनिया, पढुआ समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद लोगों को समझाकर शांत कराया।

इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव पहुंचकर परिजनों से बातचीत की और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद वन विभाग हरकत में आया है। तेंदुए को पकड़ने के लिए क्षेत्र में पिंजरा लगवाया गया है, साथ ही निगरानी भी बढ़ा दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी क्षेत्र में कई हमले हो चुके हैं, जिससे लोग खासकर रात के समय घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं। बिजली कटौती के चलते बाहर सोने की मजबूरी भी इन घटनाओं को बढ़ावा दे रही है।

फिलहाल पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द तेंदुए को पकड़ा जाए और क्षेत्र में सुरक्षा के ठोस इंतजाम किए जाएं।

> पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। ट्रैप कैमरों के साथ ही टीमें लगाई गई हैं। टीमे तेंदुए की निगरानी कर रही है। जल्द ही से पकड़ा जाएगा। -**भूपेंद्र सिंह** वन क्षेत्राधिकारी बेलरायां

परिजनों को कमरे में बंद कर दो घरों से चोरी

संवाददाता, भानपुर

- **छह लाख की नकदी समेत 15 लाख के जेवर ले गए चोर**

अमृत विचार: भीरा थाना क्षेत्र में शनिवार की रात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। देवरिया गांव और रडा चौराहा पर दो अलग-अलग घरों को निशाना बनाते हुए छह लाख रुपये की नगदी और करीब 15 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। एक घटना में चोरों ने घर के लोगों को कमरे में बंद कर वारदात को अंजाम दिया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई है।

गांव देवरिया निवासी हर्षित तिवारी के घर चोरों ने देर रात धावा बोला। गर्मी के चलते परिवार छत पर सो रहा था, जबकि बुजुर्ग सदस्य घर के बाहर लेटे थे। तड़के करीब तीन बजे जब परिवार नीचे कमरे में पहुंचा तो अंदर का नजारा देख सन्न रह गया। कमरे में सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी-बक्सों के ताले टूटे हुए थे। पीड़ित परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची।

हर्षित तिवारी के मुताबिक चोर घर से करीब 3 लाख रुपये नकद, लगभग 4 हार, 4 चेन, 25 अंगूठियां, डेढ़ किलो चांदी, एक लैपटॉप और एक नया मोबाइल आदि सोने-चांदी के गहने चोरी कर ले गए। दूसरी घटना रडा चौराहा निवासी मिथिलेश गिरी के घर हुई। चोर पीछे के रास्ते से घर में घुसे और जीने का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने कमरे में सो रहे परिजनों को बाहर से बंद कर दिया। इसी दौरान घर में मौजूद संजना गिरी को आहट हुई तो उन्होंने तुरंत अपने पति बिपिन गिरी को फोन किया, लेकिन जब तक वह पहुंचे, चोर फरार हो चुके थे। पीड़ित परिवार के अनुसार चोर 3 लाख रुपये नकद, 1 सोने का हार, 2 अंगूठियां, 2 पेंडल, 2 जोड़ी चांदी की पायल और 30 चांदी के सिक्के आदि लाखों रुपये के जेवर लेकर भाग निकले। एक ही रात में दो बड़ी चोरियों से भीरा क्षेत्र के लोगों में डर का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घटनास्थलों का निरीक्षण किया है और संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। जल्द ही घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

चोरी की बाइक के साथ दो गिरफ्तार

बंडा, अमृत विचार: थाना बंडा क्षेत्र में पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। सिंगापुर पनई निवासी प्रमोद कुमार पुत्र राजेंद्र सिंह ने 25 अप्रैल को थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनकी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल यूपी 27 पी 7538 हसनापुर चक्की स्थित समर जन सेवा केंद्र के पास से चोरी हो गई थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। घटना के तीसरे दिन 26 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ददिउरी मार्ग पर घेराबंदी कर एक बाइक पर सवार दो युवकों को रोका। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम राजेश और हरिओम निवासी इन्दलपुर थाना बंडा बताए। पुलिस ने दोनों को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बाइक सवार दंपती सहित तीन को थार ने रौंदा

- **दंपती की मौके पर मौत, भाभी की हालत गंभीर, वैवाहिक समारोह से रात में लौट रहे थे बाइक सवार**
- **थार में फंसकर करीब 100 मीटर तक तीनों सड़क पर घिसटे**

संवाददाता, केशवापुर/बिलहरी

बगहा में गमगीन बैठी परिवार की महिलाएं। ● अमृत विचार

मृतक दंपती के बच्चे।

अमृत विचार: मितौली थाना क्षेत्र के भीखमपुर चौराहे पर शनिवार की देर रात करीब एक बजे हुए भीषण सड़क हादसे में थार की टक्कर से बाइक सवार दंपती की मौत हो गई, जबकि उनकी भाभी गंभीर रूप से घायल हो गईं। तीनों को टक्कर मारने के बाद करीब 100 मीटर तक बाइक सवारों को घसीट ले गया। हादसे के बाद चालक गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकला। घायल भाभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हैदराबाद थाना की अजान चौकी क्षेत्र के गांव बगहा कोरैया निवासी सतेन्द्र कुमार (40) पुत्र छेदालाल अपनी पत्नी सरिता उर्फ रानी देवी (35) और भाभी मैना देवी (45) के साथ शनिवार को महोली थाना क्षेत्र स्थित पाल्हापुर गांव निवासी अपने मौसा गोकर्णप्रसाद की पोती की शादी में शामिल होकर देर रात तीनों एक ही बाइक से घर लौट रहे थे। रात करीब एक बजे भीखमपुर चौराहे पर सड़क पार करने लगे, तभी मोहम्मदी की ओर से आ रही तेज रफ्तार थार कार संख्या यूपी 31 सीएन/4099 ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार तीनों लोग बाइक समेत थार में फंस गए और करीब 100 मीटर तक सड़क पर घिसटते चले गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास मौजूद राहगीर और पुलिसकर्मी मौके पर जुटे। काफी मशक्कत के बाद बाइक सवार तीनों को थार के नीचे से निकाला गया। तब तक सतेन्द्र कुमार और उनकी पत्नी सरिता देवी की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं मैना देवी के दोनों पैर फैक्चर हो गए और वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। मितौली पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। घायल मैना देवी को तत्काल ओयल स्थित ट्रामा सेंटर भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना को अंजाम देने के बाद थार चालक गाड़ी को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने थार को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश की जा रही है।

दोनों बच्चों के सिर से उठ गया मां-बाप का साया

सड़क हादसे में जान गंवाने वाले सतेंद्र कुमार व सरिता देवी की मृत्यु होने से पूरे परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है। दोनों नाबालिग भाई बहन के सिर से मां बाप का साया उठ गया है। बच्चों के माता पिता की मृत्यु के बाद ताई ताऊ व बुजुर्ग दादा के कंधों पर 17 वर्षीय बेटी आरुषी और 8 वर्षीय बेटे पार्थ की देखरेख की जिम्मेदारी है।

चार भाइयों में सबसे छोटे थे सतेंद्र

केशवापुर। गांव के समाजसेवी सुखवीर वर्मा ने बताया कि मृतक सतेन्द्र चार भाइयों में सबसे छोटे थे। बड़े भाई टीकाराम, दूसरे भाई रामनरेश और तीसरे पंकज कुमार है। दूसरे नंबर के भाई रामनरेश की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। सतेन्द्र खेती किसानी कर परिवार का पालन पोषण करते थे। मृतक अपने पीछे 17 वर्षीय बेटी आरुषी और 8 वर्षीय बेटे पार्थ को छोड़ गए हैं। हादसे के बाद से गांव में मातम पसरा है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

मृतक सतेंद्र कुमार।

मृतक सरिता देवी।

अग्निपीड़ितों को दी दवाएं व राशन किट

अमरपुर में राशन किट बांटते डॉ. कौशल वर्मा। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः नगर के एक हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर के संचालक डॉ. कौशल वर्मा टीम के साथ बिजुआ की ग्राम पंचायत गोगावां के गांव अमरपुर पहुंचे और अग्नि पीड़ितों को दवाएं और राशन बांटा है।

डॉ. कौशल वर्मा नें सभी प्रभावित परिवारों के बीच राशन सामग्री की किटों का वितरण कराया। इसके अलावा टीम ने गांव में मेडिकल कैंप लगाकर पीड़ितों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां भी दीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर प्रभावित परिवारों को शासन की ओर से मिलने वाली सहायता शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

ज्वैलर्स की दुकान में चोरी का प्रयास, बाइक ले गए चोर

संवाददाता, मझगईं

- **सीसीटीवी में कैद हुईं घटना की तस्वीरें**

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के नौगवां कस्बे में शनिवार रात करीब छह नकाबपोश बदमाशों ने एक ज्वैलर्स की दुकान को निशाना बनाते हुए चोरी का प्रयास किया। हालांकि बदमाश लॉकर तोड़ने में सफल नहीं हो सके। इसके बाद बदमाश बाजार से एक बाइक लेकर फरार हो गए।

पलिया निवासी आशीष कुमार की सोने-चांदी की दुकान है। शनिवार की देर रात बदमाशों ने दुकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी के लॉकर को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो सके। वारदात को अंजाम देने में असफल रहने पर बदमाश पास में खड़ी राजेश राठौर की बाइक लेकर मौके से फरार हो गए। हैरानी की बात यह रही कि घटना की भनक न तो रात में गश्त कर रही पुलिस को लगी और न ही आसपास के लोगों को। दुकान के पास लगे सीसीटीवी कैमरों में एक बदमाश की तस्वीर कैद हुई है, जिसमें वह जींस पहने नजर आ रहा है।

फुटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की पहचान में जुटी है। व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है और उन्होंने गश्त बढ़ाने की मांग की है। थाना अध्यक्ष अनिल कुमार पंकज ने बताया कि चोरी का प्रयास किया गया था, लेकिन बदमाश सफल नहीं हो सके। चोरी गई बाइक बरामद कर ली गई है और आरोपियों की तलाश जारी है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

दंपती को बाइक से गिराकर जेवर लूटी

संवाददाता, सिंगाही

- **बाइक से गिरकर दंपती घायल पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार**

अमृत विचार: रविवार को सिंगाही-निघासन नेशनल हाईवे पर थाना सिंगाही क्षेत्र में बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में वारदात को अंजाम देते हुए चलती बाइक सवार दंपती को निशाना बनाया और उन्हें सड़क पर गिराकर महिला का कमर बिछुआ लूट लिया और भाग निकले। हालांकि पुलिस की तत्परता से दोनों आरोपी कुछ ही देर में दबोच लिए गए।

पीड़ित राजू।

कुशाही बाजार (बेलरायां) निवासी राजू अपनी पत्नी शिव लोचनी के साथ अदलाबाद में अपनी छोटी बहन की शादी में शामिल होने जा रहे थे। दोनों खुशी-खुशी बाइक से सफर कर रहे थे, लेकिन उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि रास्ते में बदमाश घात लगाए बैठे हैं। जैसे ही उनकी बाइक सिंगाही-निघासन रोड पर मोटे बाबा पुल के करीब पहुंची, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आए दो बाइक सवार बदमाशों ने सिंगाही और थाना निघासन क्षेत्र की सीमा पर अचानक उनकी बाइक में जोरदार लात मार दी। इससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और दंपती सड़क पर गिर पड़े। गिरते ही बदमाशों ने नवविवाहिता शिव लोचनी के कमर में बंधा चांदी का बिछुवा झपटकर फरार हो गए। घटना इतनी तेजी से हुई कि आसपास के लोग कुछ समझ ही नहीं पाए। देखते ही देखते बदमाश मौके से गायब हो गए। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

निघासन पुलिस मौके पर पहुंची और घायल दंपती को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। सिंगाही पुलिस को भी अलर्ट किया गया। घटना सिंगाही क्षेत्र की होने के कारण पुलिस जब पीड़ित को लेकर सिंगाही थाने जा रही थी, तभी रास्ते में पीड़ित की नजर अचानक उन्हीं बदमाशों पर पड़ गईपुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान प्रीतम और गोपी, निवासी प्रीतम पुरवा थाना निघासन के रूप में हुई है। सीओ निघासन शिवम कुमार ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पब्लिक इंटर कॉलेज में अव्यवस्थाएं हावी, प्रबंधक और प्रधानाचार्य के बीच चल रहे मतभेद

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- **पानी की मोटर खराब, विद्यार्थियों को नहीं मिल रहा शुद्ध पेयजल**

अमृत विचारः नगर की सबसे प्राचीन शिक्षण संस्था पब्लिक इंटर कॉलेज में प्रबंधक और प्रधानाचार्य के बीच तालमेल सही न होने का खामियाजा विद्यार्थी और वहां की फुलवारी भुगत रही है। परिसर में लगा पानी का मोटर छह महीने से खराब पड़ा है, जिसके चलते पानी पीने की दिक्कतें हो रही हैं। वहीं सिंचाई के अभाव में फुलवारी सूखती जा रही है, जिसकी किसी को परवाह नहीं है। विद्यालय की अव्यवस्थाओं की जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक को होने के बावजूद भी यहां कोई सुधार नहीं होता दिखाई दे रहा है।

विद्यालयों में शैक्षणिक स्तर सुधारने के साथ शासन जहां बच्चों की सुविधाओं पर ध्यान दे रही है। इसके लिए विद्यालय परिसर में हैंडपंप व शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं होने के सख्त निर्देश है। नगर की लखीमपुर रोड स्थित पब्लिक इंटर कॉलेज परिसर में लगा पानी का मोटर दिसंबर 2025 से खराब पड़ा है, जिससे बच्चे प्यासे रहने को मजबूर हैं। परिसर में लगे सरकारी हैंडपंप से भी पीने लायक पानी नहीं आ रहा है। विद्यालय परिसर मे लगे विभिन्न प्रकार के फूलों के पौधों की फुलवारी भी सिंचाई के अभाव में सूखती जा रही है। प्रधानाचार्य बाबूराम सागर बताते हैं कि वह कई बार प्रबंधक और जिला विद्यालय निरीक्षक को इसकी लिखित सूचना दे चुके हैं लेकिन अधिकारी भी इस और उदासीन है। न तो प्रबंधक और न ही जिला विद्यालय निरीक्षक ने इस और कोई ध्यान दिया है।

सिंचाई के अभाव में सूख रही फुलवारी। ● अमृत विचार

गोला के पब्लिक कॉलेज में खराब पड़ा वॉटर कूलर।

इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। बच्चों को प्यास बुझाने के लिए विद्यालय में कोई इंतजाम नहीं है, जिसके चलते विद्यार्थी पलायन को मजबूर हैं। पानी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण स्कूल परिसर में लगे पौधे भी सूख रहे हैं।

पुरातन छात्र मुख्यमंत्री और डीएम को भेज चुके हैं पत्र : 1932 में ब्रिटिश शासनकाल के दौरान स्थापित पब्लिक इंटर कॉलेज की साख बचाने को वर्ष 2026 की शुरुआत में ही पुरातन छात्र खुलकर मैदान में उतर आए थे। उन्होंने तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को पत्र भेजकर इसकी दशा सुधारे जाने को की मांग भी की थी। कॉलेज का कनिष्ठ विभाग भीमचंद को सौंपा था। यहां से शिक्षा प्राप्त कर अनेक विद्यार्थी राजनीति में बुलंदियां छू चुके हैं, जबकि तमाम लोग पुलिस, प्रशासनिक और न्याय पालिका में अपनी सेवाएं दे रहे हैं और कुछ सेवानिवृत्ति भी हो चुके हैं। प्रबंधक और प्रधानाचार्य के बीच चल रही खींचतान से विद्यालय की साख तो प्रभावित ही हो रही है साथ ही विद्यार्थी भी अन्यत्र विद्यालयों में पलायन को मजबूर हैं।

> विद्यालय में लगा पानी का मोटर दिसंबर 2025 से खराब है। उनके पास किसी प्रकार के वित्तीय अधिकार नहीं है, जिससे वह चाह कर भी कोई काम नहीं करवा पा रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक और प्रबंधन को पत्र लिखकर अवगत भी कराया, लेकिन कहीं कोई सुधार नहीं हुआ। -**बाबूराम सागर**, प्रधानाचार्य पब्लिक इंटर कॉलेज गोला।

> मोटर खराब होने की सूचना है। लेकिन प्रधानाचार्य बाबू का पत्र फॉरवर्ड नहीं करते हैं। सोमवार को विद्यालय खुलने पर निरीक्षण कर व्यवस्थाएं दिखवाई जाएगी। -**विजय माहेश्वरी**, प्रबंधक पब्लिक इंटर कॉलेज गोला।

खबरें www. amrit vichar.com पर भी पढ़ें

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरे पुत्र का नाम YURUSH था जिसे बदलकर अब मैंने नवरतन सिंह रख लिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को नवरतन सिंह के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **पूरन लाल पुत्र सियाराम निवासी ग्राम जसोली परगना व तह. बीसलपुर जिला पीलीभीत।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 27 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

यात्रियों के सब्र का लिया इम्तिहान...ब्लॉक में फंसी अवध-असम

बरेली, अमृत विचार : आसमान से बरसती आग के साथ ट्रेनों की सुस्त चाल ने यात्रियों का पसीना निकालना शुरू कर दिया है। वहीं रेल प्रशासन की तरफ से लिए जाने वाले ब्लॉक यात्रियों के सब्र का इम्तिहान ले रहे हैं। रविवार दोपहर बरेली जंक्शन पर अवध असम एक्सप्रेस ने पसीना छुड़ा दिया। जंक्शन पर लेट पहुंची ट्रेन को करीब 40 मिनट रोकने के बाद रवाना किया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार मुरादाबाद-लखनऊ रेल मार्ग पर अलग-अलग सेक्शनों में रविवार को ब्लॉक लिए गए थे जिसकी वजह से ट्रेनों को रोक-रोक कर चलाया जा रहा था। 15910 अवध असम एक्सप्रेस के इंतजार में प्लेटफार्म पर खड़े यात्रियों की गर्मी में हालत खराब हो गई। निर्धारित समय से दो घंटा ज्यादा देरी से ट्रेन जंक्शन पर पहुंची मगर दिक्कत उस वक्त खड़ी हो गई जब 40 मिनट तक ट्रेन को प्लेटफार्म नंबर एक पर खड़ा कर दिया गया। गर्मी की वजह से ट्रेन में बैठे यात्रियों को सांस लेना तक मुश्किल हो गया। खास तौर से जनरल और स्लीपर कोच मे यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

समर स्पेशल ट्रेनों ने कराया इंतजार

बरेली, अमृत विचार : सबसे ज्यादा दिक्कत का सामना यात्रियों को समर स्पेशल ट्रेनों में करना पड़ रहा है। नियमित ट्रेनों से अतिरिक्त किराया देने के बावजूद इन स्पेशल ट्रेनों की हालत सुधरने का नाम नहीं ले रही। 05102 नई दिल्ली गोरखपुर समर स्पेशल 6 घंटा से ज्यादा लेट चल रही थी। 04009 सीतामढ़ी जंक्शन-दिल्ली समर स्पेशल 7 घंटा 35 मिनट की देरी से बरेली जंक्शन पहुंची। इसके अलावा भी काफी संख्या में नियमित ट्रेनें भी लेट चल रहीं थी।

रेलवे ने चलाईं परीक्षा स्पेशल ट्रेनें

बरेली, अमृत विचार : यूपी होमगार्ड परीक्षा को देखते हुए रेल प्रशासन की तरफ से परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। जिसमें रविवार को 04351 लखनऊ-मुरादाबाद 00 : 52 बजे, 04352 मुरादाबाद-लखनऊ 14 :55 बजे, 04354 मुरादाबाद-लखनऊ 19 :30 बजे बरेली जंक्शन से रवाना की गई। ये ट्रेनें इसी समय पर सोमवार को भी जंक्शन से रवाना होंगी। इसके अलावा 04353 लखनऊ-मुरादाबाद सोमवार और मंगलवार को 05 :57 बजे बरेली जंक्शन से रवाना होगी।

बेटे से विवाद के दौरान पिता की मौत, पड़ोसी पर हत्या का आरोप

मृतक की पत्नी बोली: पड़ोसी से चलाई लाठी, दियोरिया के मनकापुर गांव की घटना

संवाददाता, बीसलपुर/ पीलीभीत

अमृत विचार: पिता पुत्र में विवाद के बाद अचानक पड़ोसी से मारपीट हो गई। आरोप है कि पड़ोसी ने आकर ग्रामीण पर लाठी से वार कर दिए। उसे शक था कि उसको अपशब्द कहे जा रहे थे। घायल को परिजन सीएचसी लाए जहां मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के परिजन से हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज जांच में जुट गई है।

घटना दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के गांव मनकापुर की है। यहां के रहने वाले 50 वर्षीय सर्वेश पुत्र इंद्रप्रसाद खेती करते थे। उनका रविवार देर शाम अपने पुत्र शिवम से किसी बात को लेकर विवाद हो गया।दोनों आपस में झगड़ा कर रहे थे और शोर मच रहा था। आरोप है कि इसी बीच पड़ोस का एक व्यक्ति आया और ये कहकर भिड़ गया कि उसको लेकर गाली गलौज की जा रही है। परिजन ने काफी समझाना चाहा लेकिन नहीं माना। आरोप है कि पड़ोसी के घर के कई लोग भी आ गए और हमलाकर हो गए। इसी दौरान पड़ोसी से सर्वेश पर लाठी से वार कर दिए। जिसमें वह बेसुध होकर गिर गया। उसके बाद हमलावर भाग गए। आनन फानन में परिजन सर्वेश को लेकर सीएचसी बीसलपुर पहुंचे , वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई। मृतक की पत्नी सावित्री देवी ने पड़ोसी द्वारा लाठी से वार कर हत्या करने का आरोप लगा दिया। पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज जांच कर रही है। एसओ गौतम सिंह ने बताया कि पिता पुत्र में हो रहे झगड़े के बीच पिता की मौत की जानकारी मिली है। जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर, परिवार में कोहराम मचा रहा।

घटना के बाद सीएचसी पहुंचे परिजन। ● अमृत विचार

घटना की जानकारी करती पुलिस।

गांव पहुंची पुलिस, चल रही पड़ताल : ग्रामीण की मौत के बाद हत्या के आरोप परिवार ने लगाए है। पहले पिता पुत्र के बीच विवाद था। फिर पड़ोसी पर लाठी मारने का आरोप है। ऐसे में सत्यता जानने के लिए पुलिस बल देर रात ही गांव पहुंचा और आसपास के लोगों से संपर्क कर जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल घटना को लेकर खलबली मची रही।

खेत मे आग लगने से 10 बीघा गेहूं जलकर राख

कांठ, अमृत विचार: छजलैट थाना क्षेत्र में किसान के गेहूं के खेत में आग लगने से लगभग दस बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने बड़ी मुश्किल से फसल में लगी आग पर काबू पाया। थाना छजलैट क्षेत्र के ग्राम भीकनपुर निवासी महिपाल सिंह पुत्र तनसुख का गांव के पास ही खेत है। कई दिन से उनके गेहूं की कटाई मजदूर कर रहे हैं। रविवार को लगभग 3:00 के करीब अचानक कटे हुए गेहूं के खेत में आग लग गई और गेहूं की कटी पड़ी फसल लगभग 10 बीघा गेहूं जल गए।

मजदूर और अन्य लोगों ने जब गेहूं की फसल में आग की लपटें उठती देखीं तो खेत मालिक को बताया। इसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे तब तक लगभग 10 बीघा गेहूं की फसल जल चुकी थी।

ग्रामीणों ने मुश्किल से आग बुझाई। इसके बाद तहसील प्रशासन को सूचना दी और देवीय आपदा के तहत आग लगने से हुई फसल के नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग है।

नम आंखों से दरगाह को कहा अलविदा

कार्यालय संवाददाता,बरेली

- उर्स के बाद दरगाह पर हाजिरी देकर जायरीन कर रहे वापसी
- सज्जादानशीन मुफ्ती असजद रजा कादरी से करा रहे दुआ

अमृत विचार: दो रोजा उर्स ए ताजुश्शरिया के समापन के बाद अब जायरीनघर वापसी कर रहे हैं। देश-विदेश से लाखों अकीदतमंद और मशहूर उलमा उर्स में शिरकत करने पहुंचे थे। कुल शरीफ के बाद बड़ी संख्या में जायरीन दरगाह पर हाजिरी देकर सज्जादानशीन काजी-ए-हिंदुस्तान मुफ्ती असजद रजा कादरी (असजद मियां) से इजाज़त लेकर भावुक माहौल में रवाना हो रहे हैं।

उर्स प्रभारी सलमान हसन खान (सलमान मियां) ने बताया कि जायरीन नम आंखों के साथ इस उम्मीद में लौट रहे हैं कि अगले साल फिर उर्स में शामिल होंगे। जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान हसन खान (फरमान मियां) ने बताया कि अभी कई मुरीद दरगाह और जामियातुर रजा में ठहरे हुए हैं, और अपनी सहूलियत के अनुसार रवाना होंगे। उर्स के अमन-ओ-सुकून के साथ सफल आयोजन पर जमात रजा ए मुस्तफा ने सभी वालंटियर्स, लंगर और सबील लगाने वालों के साथ-साथ शासन और एडीजी, कमिश्नर, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त समेत अन्य अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। कमेटी की तरफ से धनतिया, फतेहगंज पूर्वी व पश्चिमी, बानखाना, कैंट, कान्धरपुर, आंवला, शाही, बहेड़ी, शीशगढ़, अलीगंज, बीसलपुर सहित कई क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं ने उर्स की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उर्स के आयोजन में मोईन ख़ान, अब्दुल्ला रज़ा खान, डॉ. मेंहदी हसन, हाफिज इकराम, शमीम अहमद, समरान खान, मौलाना शम्स, कौसर अली, शाईबउद्दीन रज़वी, जुनैद रज़ा, रहबर रज़ा, अली रज़ा, शाहबाज खान, एडवोकेट राशिद खान, सुहेल खान, सलीम खान, आमिल रज़ा और नवेद आलम सहित कई लोगों का विशेष सहयोग रहा।

बुलेट की मांग पूरी न होने पर हत्या, पांच पर रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: कैला देवी के गांव कैलमुंडी निवासी सतपाल ने बेटी रेनू की शादी एक वर्ष पूर्व गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के गांव अकबरपुर निवासी गजेंद्र सिंह के पुत्र कृष्ण के साथ की थी। पिता का आरोप है कि शादी में उसने बाइक के साथ करीब ढाई लाख नकद और घरेलू सामान दिया था। इसके बावजूद बेटी के ससुराली संतुष्ट नहीं थे और लगातार बुलेट की मांग कर रहे थे। पति कृष्ण, सास गेंदा देवी और देवर कन्हैया सहित अन्य लोग आए दिन रेनू को प्रताड़ित करते थे। एक माह पूर्व भी मारपीट की गई थी। तब सतपाल पहुंचा और समझौते का प्रयास करते हुए उसे अपने साथ घर ले आया था। बताया गया कि 19 अप्रैल को पति कृष्ण रेणु को फिर से अपने साथ ससुराल ले गया, जहां दोबारा उसका उत्पीड़न शुरू हो गया। रेनू ने फोन के माध्यम से अपने पिता को इसकी जानकारी दी थी।

आरोप है कि 25 अप्रैल को दोपहर करीब एक बजे पति कृष्ण, सास गेंदा देवी, देवर कन्हैया तथा रोहतास निवासी ग्राम बंदरई और वीरेश निवासी ग्राम फतेहपुर ने मिलकर दहेज में बुलेट की मांग पूरी न होने पर रेनू को कमरे में ले जाकर जबरन जहरीला पदार्थ खिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर गुन्नौर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

टैंकर तक पहुंचती आग तो हो सकता था विस्फोट

चंदौसी, अमृत विचार: टायरों में लगी आग ने कुछ समय के लिए बड़े हादसे की आशंका खड़ी कर दी थी। फैक्ट्री परिसर में खुले में टायरों के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए थे, वहीं ड्रमों और टैंकरों में गले हुए टायर तरल रूप में संग्रहित थे। इसके पीछे मुख्य फैक्ट्री परिसर में प्लांट संचालित है। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो आग टैंकरों और ड्रमों तक पहुंच सकती थी, जिससे भीषण धमाके की स्थिति बन जाती और पूरी फैक्ट्री उसकी चपेट में आ सकती थी। फैक्ट्री कर्मचारी और मालिक आग की भयावहता को देखकर सहम गए थे।छह दमकल गाड़ियों में संभल से दो, चंदौसी से दो, बहजोई से एक और मुरादाबाद के बिलारी से एक दमकल वाहन मौके पर पहुंचा। रामपुर से भी दमकल गाड़ी बुलाई गई थी।

मोबिल फैक्ट्री में टायरों में लगी भीषण आग

संवाददाता,चंदौसी

अमृत विचार: बनियाठेर थाना क्षेत्र के गुमथल रोड स्थित नेशनल हाईवे के पास जीरो प्वाइंट पर रविवार तड़के मोबिल फैक्ट्री परिसर में रखे पुराने टायरों में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में उसने विकराल रूप धारण कर लिया। टायरों में आग लगने के कारण आसमान में दूर-दूर तक काले धुएं का घना गुबार छा गया, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

चंदौसी के मोहल्ला महाजन निवासी नितिन अग्रवाल की इंको रिफाइनरीज नाम से गुमथल रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र में करीब एक बीघा में मोबिल फैक्ट्री संचालित है। फैक्ट्री में पुराने टायरों को गलाकर मोबिल तैयार किया जाता है, जिसके चलते परिसर में भारी मात्रा में टायरों का भंडारण रहता है। रविवार सुबह करीब 4:30 बजे फैक्ट्री परिसर में रखे टायरों में अचानक आग लग गई। शुरुआत में आग धीमी थी, लेकिन ज्वलनशील सामग्री होने के कारण उसने कुछ ही देर में भयावह रूप ले लिया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और काला धुआं आसमान में कई किलोमीटर तक फैल गया। करीब 5 से 6 किलोमीटर दूर तक यह धुआं साफ दिखाई दे रहा था। सुबह-सुबह इस घटना से आसपास के गांवों और मोहल्लों में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। फैक्ट्री परिसर के मंदिर के पुजारी दीपक शर्मा ने करीब 5 बजे घटना की सूचना दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय दमकल के अलावा संभल, मुरादाबाद और रामपुर से भी दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। कुल पांच से छह दमकल वाहनों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत और लगातार पानी की बौछार के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना की सूचना मिलते ही थाना बनियाठेर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। थाना प्रभारी सचिन चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर डटे रहे। सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस ने फैक्ट्री की ओर जाने वाले रास्तों को बंद कर दिया और मौके पर एकत्र भीड़ को नियंत्रित किया। प्रशासन ने एहतियातन आसपास के लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी। कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन परिसर में रखे टायरों को भारी नुकसान पहुंचा है। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएगा।

चंदौसी में फैक्ट्री में आग लगने के बाद उठती लपटें। ● अमृत विचार

इफको स्टेट मैनेजर ने किसानों से किया संवाद

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: इफको स्टेट मैनेजर यतेंद्र तेवतिया ने लखनऊ से एक दिवसीय भ्रमण के दौरान डिप्टी जनरल मैनेजर एस.पी. सिंह और सीनियर मैनेजर वी.के. सिंह के साथ नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का प्रयोग कर रहे किसानों से संवाद किया। किसानों ने नैनो यूरिया प्लस और नैनो डीएपी तरल उर्वरक के उपयोग से मिले सकारात्मक परिणाम साझा किए। इस दौरान शहबाजनगर क्षेत्र में किसान सर्वजीत सिंह और मुनेंद्र सिंह के फार्म हाउस का निरीक्षण कर खेतों में आए बदलाव को देखा गया। किसान मुनेंद्र सिंह ने बताया कि नैनो डीएपी से बीज उपचार करने पर आलू, मक्का और बाजरा की पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, वहीं छिड़काव से दानेदार खाद की खपत करीब 50 प्रतिशत कम हो गई, जिससे लागत घटी और मुनाफा बढ़ा। किसान सर्वजीत सिंह ने बताया कि पहले यूरिया की उपलब्धता को लेकर परेशानी रहती थी, लेकिन नैनो यूरिया से काफी लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि वह करीब तीन वर्षों से इसका उपयोग कर रहे हैं और इस बार 100 एकड़ मक्का में पूरी तरह नैनो यूरिया का स्प्रे कराया है। इफको स्टेट मैनेजर यतेंद्र तेवतिया ने किसानों को नैनो तरल उर्वरकों के अधिक उपयोग की सलाह देते हुए कहा कि यह पैदावार बढ़ाने के साथ मिट्टी और पर्यावरण के लिए भी बेहतर है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण में पाया गया कि जिले के किसान नैनो उर्वरकों के प्रति जागरूक हैं।

होमगार्ड की परीक्षा देकर लौट रहे युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

संवाददाता, मिलक

- शनिवार रात मिलक बाईपास पर बस से उतरते वक्त हुआ हादसा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती परीक्षा देकर बिजनौर से लौट रहे 28 वर्षीय युवक की शनिवार देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक की पहचान थाना मिलक क्षेत्र के गांव वरा गजेजा निवासी अनिष पाण्डेय पुत्र मदन किशोर पांडे के रूप में हुई है।

मृतक अनिष पाण्डेय।

मृतक अनिष पांडे शनिवार को बिजनौर जिले के एक विद्यालय में होमगार्ड भर्ती परीक्षा देने गया था। परीक्षा समाप्त होने के बाद वह रात में रोडवेज बस से अपने घर लौट रहे थे। रात करीब 11 बजे जब बस मिलक बाईपास पर पहुंची तो यात्रियों ने बस को नगर के अंदर तक ले चलने का अनुरोध किया। परिजनों का आरोप है कि रोडवेज कर्मचारियों ने बस नगर में ले जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद अनिष पांडे ने क्योरार बाईपास पर उतरने के लिए कहा। रोडवेज से उतरते समय अनिष पांडे रोडवेज की चपेट में आने से सिर में गंभीर चोट लगने से वह मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजन उन्हें तत्काल नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिलक पर ले गए, जहां डॉक्टरों ने भी मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। कुछ देर बाद पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शव का पंचनामाभर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बस अदंर ले जाती तो बच जाती युवक की जान

मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि यदि रोडवेज बस नगर के अंदर तक जाती तो यह हादसा नहीं होता। रात में बाईपास पर सवारी उतारना गलत है। कई बार मिलक के लोग बस को अंदर लाने की मांग कर चुके हैं। प्रभारी निरीक्षक पुष्कर सिंह ने बताया कि अभी मृतक के परिजनों ने तहरीर नहीं दी है तहरी प्राप्त होने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी फिलहाल में पीएम करवाई की जा रही है।

मीशो कस्टमर केयर बनकर लाखों ठगे

बरेली, अमृत विचार: इज्जतनगर थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने मीशो कस्टमर केयर के नाम पर एक महिला को झांसे में लेकर उसके बैंक खाते से 6 लाख रुपये उड़ा लिए। थाना साइबर क्राइम में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कर्मचारी नगर निवासी मंजू कुमार पत्नी प्रकाश कुमार ने बताया कि 19 अप्रैल को उनका एक पार्सल आने वाला था, जो नहीं पहुंचा। गूगल पर मीशो कस्टमर केयर का नंबर सर्च किया, जहां उन्हें एक मोबाइल नंबर मिला। उस नंबर पर कॉल किया तो सामने वाले व्यक्ति ने खुद को मीशो का कस्टमर केयर अधिकारी बताकर कुछ निर्देश देते हुए एक लिंक भेजा। 20 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे जैसे ही मंजू ने लिंक पर क्लिक किया, उनका मोबाइल हैक हो गया।

पेशेवर हितों की रक्षा करने के साथ मानव सेवा का सशक्त मंच है आईएमए

अधिवेशन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, गणेश जोशी, आईएमए अध्यक्ष डॉ. महेश कुड़ियाल। ● अमृत विचार

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के डॉक्टरों का हौसला बढ़ाते हुए उनसे उत्तराखंड राज्य को चिकित्सा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने की उम्मीद जतायी है। मुख्यमंत्री ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) देहरादून शाखा द्वारा रविवार को देहरादून में आयोजित शपथ ग्रहण अधिवेशन को वर्चुअल संबोधित करते हुए नव-निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. महेश कुड़ियाल और सचिव डॉ. अंकित पाराशर समेत सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देने के साथ आईएमए को डॉक्टरों के पेशेवर हितों की रक्षा करने व मानव सेवा करने का एक सशक्त मंच करार दिया।

सीएम धामी ने अपने संदेश में कहा कि जिस समर्पण भाव से डॉक्टर्स अपने पेशे को अंजाम देते हैं वह प्रशंसनीय है, खासकर बीते दिनों चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी चिकित्सकों ने साहस, समर्पण और पूरे सामर्थ्य के साथ जो मरीजों की सेवा की वह गर्व का विषय है। इतना ही नहीं, जनसामान्य को जागरूक करने, नयी चिकित्सा पद्धति अपनाने और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने में भी उनका अहम योगदान है। सीएम धामी ने विश्वास प्रकट किया कि नयी कार्यकारिणी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ करेगी।

इससे पूर्व आईएमए देहरादून शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अपने-अपने पद एवं दायित्वों का विधिवत शपथ ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल और कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नए पदाधिकारियों पर संगठन को नई दिशा देने और समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। नव-निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. महेश कुड़ियाल, सचिव डॉ. अंकित पाराशर, कोषाध्यक्ष डॉ. राहुल अवस्थी, संयुक्त सचिव डॉ. सिद्धांत खन्ना ने संगठन की गरिमा, एकता एवं सेवा भावना को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का संकल्प लिया। भारतीय चिकित्सा संघ, देहरादून शाखा के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों, अतिथियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखंड डॉ. सुनीता टम्टा, कुलपति दून यूनिवर्सिटी डॉ. सुरेखा डंगवाल, डॉ. आर के जैन, डॉ गीता खन्ना, पुनीत मित्तल आदि मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 18/2026

ई-निविदा सूचना

भारत क राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.1. कार्य का विवरणः (1) व.मं.इं./मुख्यालय/इज्जतनगर के अधिकार क्षेत्र में (वितरोई, बदायूँ, भोजीपुरा, किच्छा) एन.एस.जी. 5 स्टेशनों पर एफ.ओ.बी. में छत सहित रैंप का प्रावधान। (2) इज्जतनगर डिवीजन में लेवल क्रॉसिंग पर हाईट गेज का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 8,25,37,881.29, बयाना राशिः ₹ 16,50,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 08 माह।

क्र.सं.2. कार्य का विवरणः पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर डिवीजन में स.मं.इं./काशीपुर के अंतर्गत काशीपुर-रामनगर अनुभाग के मध्य समपार संख्या 52/सी से किमी. 76/1-76/2 पर एल.एच.एस. (लिमिटेड हाईट सबवे) का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 7,14,96,186.47, बयाना राशिः ₹ 14,29,900/- निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 09 माह।

1. ई-निविदा दिनांक 18.05.2026 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 2. ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट www.ireps.gov.in पर देखें।

मुजाधि/डब्लू-51 मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापित यात्रा न करें।

पहचान बदलकर होमगार्ड परीक्षा दे रहा मुन्नाभाई पकड़ा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : होमगार्ड परीक्षा-2025 के दौरान फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। बरेली के साहू गोपीनाथ कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित परीक्षा के दौरान एक अभ्यर्थी को पहचान बदलकर परीक्षा देते हुए पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी एक ही आधार कार्ड पर दो अलग-अलग रजिस्ट्रेशन कराकर दूसरी बार पेपर में बैठा था।

पुलिस के मुताबिक, रविवार को प्रथम पाली (सुबह 10 बजे से 12 बजे) की परीक्षा के दौरान केंद्र पर तैनात कर्मियों को एक अभ्यर्थी संदिग्ध लगा। बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान जब आधार नंबर मिलान किया गया तो गड़बड़ी सामने आ गई। इसके बाद अभ्यर्थी से सख्ती से पूछताछ की गई।

जांच में उसकी पहचान अनुराग पुत्र राज बहादुर निवासी हरिहरपुर, थाना टड़ियावां, जनपद हरदोई के रूप में हुई। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने 25 अप्रैल को दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज, पीलीभीत रोड रिठौरा स्थित परीक्षा केंद्र पर धर्मेंद्र सिंह के नाम से परीक्षा दी थी।

इस तरह आरोपी लगातार नाम बदलकर परीक्षा में शामिल होकर अनुचित लाभ लेने की कोशिश कर रहा था। पुलिस पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। केंद्र प्रभारी की तहरीर पर कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजने दिया गया है।

पत्नी से विवाद कर घर से निकला युवक, ट्रेन से कटकर दे दी जान

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के तखतपुर हाशा गांव के 22 वर्षीय अतुल पुत्र गोरी शंकर ने पत्नी से झगड़े के बाद रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली।

भट्टे पर मजदूरी करने वाले अतुल ने करीब दो वर्ष पहले प्रेम प्रसंग में दौलारी की युवती से शादी की थी, लेकिन कुछ समय से पत्नी से लगातार विवाद चल रहा था। दोनों को अभी कोई बच्चा भी नहीं था। चर्चा है कि पत्नी उसके साथ रहना नहीं चाहती थी। जिसको लेकर कई पंचायतें भी हो चुकी थीं। शनिवार रात पत्नी से लड़ाई के बाद ही वह घर से निकला था। परिजनों के अनुसार, करीब नौ बजे अतुल ने पत्नी को फोन कर कहा, मैं रेलवे ट्रैक पर बैठा हूं। अगर मेरी जान बचानी है तो दो घंटे के अंदर यहां पहुंच जाओ, वरना जान दे दूंगा। पत्नी ने तुरंत घर वालों को बताया और खुद भी घरवालों के साथ मौके पर पहुंचने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ट्रेन से कटने से अतुल की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर परिजन फरेंदी रेलवे ट्रैक पर पहुंचे, जहां शव की शिनाख्त की गई। इससे बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। परिजनों ने विवादों के बीच संदिग्ध मौत बताते जांच की मांग की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था। रविवार को मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया। वहीं पुलिस का कहना है कि परिजनों की ओर से अगर कोई शिकायती पत्र दिया जाता है तो तथ्यों के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

रोते बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

जिलों की 55 हजार महिलाएं डेयरी से बनीं सफल उद्यमी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में नारी सशक्तिकरण की नई तस्वीर उभर रही है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत तराई क्षेत्र के बरेली, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, शाहजहांपुर, सीतापुर और रामपुर जिलों की 55 हजार से अधिक महिलाएं डेयरी के जरिए सफल उद्यमी बन चुकी हैं। डेयरी गतिविधियों को संगठित रूप देने से महिलाओं की आय में बड़ा बदलाव आया है। जो महिलाएं पहले 2-3 हजार रुपये महीना कमाती थीं, वे अब 50 से 60 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। लखीमपुर खीरी की राम गुनी जैसी महिलाएं इस बदलाव की मिसाल हैं, जिन्होंने मिल्क प्रोड्यूसर संगठन से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की। 'सृजनी' जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण, बाजार और प्रबंधन से जोड़ा गया है। वहीं, पशु चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से दूध उत्पादन भी बढ़ा है। स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाओं में नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास भी विकसित हुआ है। यह पहल न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती दे रही है। गांव-गांव में डेयरी अब आय का मजबूत स्रोत बनकर उभर रही है।

आरटीई में सख्ती का असर, 4 दिन में 15,679 नए दाखिले

अमृत विचार, लखनऊ : शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत नामांकन को लेकर उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक सख्ती का असर अब साफ दिखने लगा है। योगी आदित्यनाथ सरकार के निर्देशों के बाद महज चार दिनों में 15,679 नए बच्चों का दाखिला हुआ है, जिससे कुल नामांकन 1,24,545 तक पहुंच गया है। अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के कड़े निर्देशों के बाद नामांकन प्रक्रिया ने अचानक रफ्तार पकड़ ली। 22 अप्रैल तक जहां कुल नामांकन 1,08,866 था, वहीं अब यह बढ़कर 1.24 लाख से अधिक हो गया है। यह वृद्धि करीब 14.4 प्रतिशत की है, जो प्रशासनिक सक्रियता का स्पष्ट संकेत देती है। प्रदेश में आरटीई के तहत कुल 1,95,740 सीटों का आवंटन किया गया है, जिसमें अब तक 63.6 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। शासन ने साफ निर्देश दिए थे कि कोई भी पात्र बच्चा प्रवेश से वंचित नहीं रहना चाहिए और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेरठ में सम्पन्न अधिवेशन में चुने गए 9 संयुक्त मंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ का 8वां प्रांतीय अधिवेशन मेरठ में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन से लौटे कर्मचारियों ने बताया कि इस मंच के माध्यम से राज्य सरकार के समक्ष अपनी विभिन्न मांगें रखी गईं। कार्यक्रम का आयोजन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में किया गया, जिसमें राज्यसभा सदस्य डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी, सांसद एवं अभिनेता अरुण गोविल और महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के पूर्व कुलपति प्रो. पीके शर्मा शामिल हुए। डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए वे सदैव उपलब्ध रहेंगे। वहीं अरुण गोविल ने कहा कि वह स्वयं को कर्मचारी के रूप में देखते हैं और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहेंगे। प्रो. पीके शर्मा ने कर्मचारियों को विश्वविद्यालय की रीढ़ बताते हुए उनकी समस्याओं के समाधान को आवश्यक बताया। अधिवेशन में नौ विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों ने भाग लिया।

लखनऊ रिजर्व पुलिस लाइन में 2025 बैच के आरक्षियों की दीक्षांत परेड में कमदताल करतीं महिला आरक्षी। अमृत विचार

दीक्षांत परेड में दिखा नारी शक्ति का आत्मविश्वास

रिजर्व पुलिस लाइन में 2025 बैच के 60,244 आरक्षियों ने दी मुख्यमंत्री को सलामी, महिला आरक्षियों ने जिम्मेदारी का संकल्प दोहराया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में आयोजित पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह में महिला आरक्षियों का उत्साह देखते ही बना। रिजर्व पुलिस लाइन में 2025 बैच के 60,244 आरक्षियों के इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली, वहीं महिला आरक्षियों ने शपथ लेकर नई जिम्मेदारी संभालने का संकल्प दोहराया।

समारोह के बाद महिला आरक्षियों ने खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया। रायबरेली की दीप्ति पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री की मौजूदगी में शपथ लेना उनके लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि सरकार ने महिलाओं को न केवल सुरक्षा दी है, बल्कि जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी दिया है, जिसे वे पूरी निष्ठा से निभाएंगी।

चयनित आरक्षी सुमन यादव ने कहा कि सरकार की नीतियों ने महिलाओं के सम्मान को नई ऊंचाई दी है। जौनपुर की प्रीति पटेल ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बताते हुए कहा कि अब महिलाओं को बराबरी का अवसर मिल रहा है। वहीं गाजीपुर की श्रुति यादव ने इसे अपने जीवन का गर्वपूर्ण अवसर बताते हुए कहा कि देश सेवा का मौका मिलना सौभाग्य की बात है। आरक्षी काजल सिंह ने कहा कि पुलिस सेवा में शामिल होकर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। आरती यादव ने भी कहा कि उन्हें मिली जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगी। मिर्जापुर की अर्चना गिरी ने इसे अपने जीवन का यादगार पल बताते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया।

वहीं प्रियंका मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति ने सभी आरक्षियों में नई ऊर्जा भर दी है। अंजलि मौर्य ने भी कहा कि प्रदेश में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने आरक्षियों को शपथ दिलाई और मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डा. दिनेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद, डीजी भर्तीबोर्ड एसबी शिरडकर, पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित होकर आरक्षियों का बढ़ा हौसला

नेहा यादव को बेस्ट कैडेट का सम्मान देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

दीक्षांत परेड समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों पुरस्कार पाकर नवप्रशिक्षित आरक्षियों का उत्साह चरम पर दिखा। महिला आरक्षी नेहा यादव को सर्वांग सर्वोत्तम पदक समेत तीन पुरस्कार, सोनम को दो और रिया सिंह कुशवाहा को एक पुरस्कार मिला। परेड कमांडर के रूप में भी महिला आरक्षियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रथम परेड कमांडर नेहा यादव रहीं, द्वितीय स्थान पर रिया सिंह कुशवाहा और तृतीय स्थान पर कुमारी सोनम रहीं। इसके अलावा समग्र कोर्स में अंत: विषय टॉपर का पुरस्कार भी नेहा यादव को मिला, जबकि वाह्य विषय में कुमारी सोनम टॉपर रहीं। सर्वांग सर्वोत्तम पुरस्कार भी नेहा यादव के नाम रहा। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट किया। साथ ही उन्होंने सभी आरक्षियों को कर्तव्य, अनुशासन और ईमानदारी के साथ सेवा करने की शपथ भी दिलाई।

पुलिस का मनोबल बढ़ा, अपराधियों में भय

- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जीरो टालरेंस नीति के तहत अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है, जिससे कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है। प्रदेश में अब पुलिस का मनोबल बढ़ा है, वहीं, अपराधियों में भय का माहौल है। सरकार ने पुलिस बजट को तीन गुना तक बढ़ाया और नई पीएसी बटालियनों का गठन किया गया है। जिनमें महिला बटालियन भी शामिल हैं। इसके अलावा स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स (एसएसएफ) का गठन, फारेंसिक लैब का विस्तार और आधुनिक तकनीक का उपयोग पुलिसिंग को तरफ प्रभावी बना रहा है। यूपी-112 सेवा के रिस्पांस टाइम को 65 मिनट से घटाकर 6-7 मिनट तक लाने को भी बड़ी उपलब्धि बताया गया।

तीन बहनें बनी एक साथ आरक्षी

- मऊ की राज नंदिनी यादव, शिखा यादव और आयुषी यादव ने एक साथ परीक्षा पास कर वर्दी पहनी। इस काम में उनकी दो बड़ी बहने निवेदिता व रीता हर कदम में साथ खड़ी रहती थी। तीनों ने कहा कि सफलता में संघर्ष, अनुशासन और परिवार का सहयोग का महत्वपूर्ण योगदान है। रायबरेली के किसान नरेंद्र बहादुर सिंह की बेटी साक्षी सिंह आरक्षी बनीं।

किसान की बेटी ने किया महिला टुकड़ी का नेतृत्व

परिवार के साथ जौनपुर निवासी आरक्षी वर्षा शुक्ला।

- **अमृत विचार, लखनऊ :** रिजर्व पुलिस लाइन्स में रविवार को महिला आरक्षियों का दीक्षांत परेड का आयोजन किया गया था। लखनऊ में प्रशिक्षित आरक्षी जौनपुर की वर्षा शुक्ला को 60 नवनियुक्त महिला आरक्षियों की टुकड़ी की कमांड संभालने का मौका मिला। परेड के दौरान वर्षा का जोश दोगुना था। कार्यक्रम में वर्षा को जब ट्राफी मिली तो पिता के प्रेम नारायण की आंख नम हो गई। वहीं, अन्य महिला आरक्षियों के परिजन पूरे कार्यक्रम के हर एक पल को अपने मोबाइल में कैद करने में जुटे थे। ताकि उसे देखकर गर्व का अहसास कर सकें। जौनपुर की 23 वर्षीय वर्षा शुक्ला के लिए रविवार की सुबह दो घंटे का समय उनके जीवन का सबसे अहम रहा। वर्षा ने 60 नव-नियुक्त महिला आरक्षियों की टुकड़ी का नेतृत्व किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों ट्राफी हासिल कर परिवार का नाम रोशन किया। पिता प्रेम नारायण शुक्ला पेशे से किसान है। बेटी वर्षा ऐसे परिवार से आती हैं, जहां सेवा की परंपरा रही है। एक भाई लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल में डाक्टर है, जबकि दूसरा मर्चेंट नेवी में सिंगापुर में तैनात है। मां रेखा शुक्ला गृहिणी हैं। पिता ने कहा कि उन्हें गर्व है कि उनके सभी बच्चे किसी न किसी रूप में देश की सेवा कर रहे हैं।

पिता के बाद बेटी ने पहनी वर्दी

- रायबरेली की सुप्रिया यादव और उनके पिता के लिए यह दिन और भी खास रहा। तीन दशक पहले पिता ने वर्दी पहनी थी। अब बेटी सुप्रिया भी पिता की राह पर चल दी है। मां सुनीता यादव की खुशी देखते ही बन रही थी। उन्होंने कहा कि पति और बेटी दोनों को खाकी वर्दी में देखना उनके लिए सबसे बड़ा है। वहीं, गाजीपुर की नेहा की शादी के दस माह बाद प्रशिक्षण के कारण पति से दूर रहीं। पति मुंबई में शिपिंग सेक्टर में काम करते हैं। परेड में शामिल होने के लिए वह मुंबई से लखनऊ आये थे। नेहा के पिता दिल्ली में फैक्ट्री में काम करते हैं। नेहा ने कहा वह यूपीएससी की तैयारी करना चाहती हैं।

छोटे मकान-दुकानों को बड़ी राहत, आधा देना होगा विकास शुल्क

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने छोटे मकान और दुकानों के निर्माण पर बड़ा राहत भरा फैसला लिया है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास (विकास शुल्क का निर्धारण, उदग्रहण एवं संग्रहण) तृतीय संशोधन नियमावली-2026 लागू कर दी गई है। नई व्यवस्था के तहत छोटे मकान और छोटी दुकानों का नक्शा पास कराते समय अब आधा विकास शुल्क ही देना होगा।

प्रमुख सचिव आवास पी. गुरुप्रसाद द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार, विकास प्राधिकरण और आवास विकास परिषद नई दरों के आधार पर शुल्क वसूलेंगे। साथ ही जहां सरकार ने पूर्ण या आंशिक छूट दी है, वहां शुल्क नहीं लिया जाएगा। नई नियमावली में विकास शुल्क को शहरों की श्रेणी के अनुसार निर्धारित किया गया है। बड़े शहरों में अधिक और छोटे शहरों में कम शुल्क देना होगा। उदाहरण के तौर पर गाजियाबाद में सबसे अधिक 4165 रुपये प्रति वर्ग मीटर, जबकि अयोध्या में सबसे कम 603 रुपये प्रति वर्ग मीटर दर तय की गई है। लखनऊ, कानपुर और आगरा जैसे शहरों में 2462 रुपये प्रति वर्ग मीटर, जबकि वाराणसी, प्रयागराज, मेरठ और बरेली जैसे शहरों में 1450 रुपये प्रति वर्ग मीटर शुल्क निर्धारित किया गया है। सरकार ने औद्योगिक और ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं को भी राहत दी है। औद्योगिक उपयोग पर शहरी क्षेत्र में 45% और बाहर 60% तक शुल्क में छूट मिलेगी। बड़े व्यावसायिक भूखंडों पर जहां 10% अधिक शुल्क लगेगा, वहीं निकाय सीमा के बाहर 20% तक कम शुल्क लिया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेस-वे के साथ उभरेगा 'इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग हब'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीएम मोदी 29 को गंगा एक्सप्रेसवे देश को करेंगे समर्पित
- 12 जिलों में 46,660 करोड़ रुपये के निवेश की तैयारी

अमृत विचार: पीएम नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे को देश को समर्पित करेंगे। इस मेगा परियोजना को योगी सरकार 'एक्सप्रेस-वे सह इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' मॉडल के तहत विकसित कर रही है। 594 किमी लंबे इस एक्सप्रेस-वे को इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

सरकार की योजना के तहत पूरे एक्सप्रेस-वे के किनारे 12 जिलों में 12 औद्योगिक नोड्स विकसित किए जा रहे हैं। इसके लिए 6,507 एकड़ भूमि चिन्हित की जा चुकी है। इन नोड्स को मैन्युफैक्चरिंग, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स गतिविधियों के अनुरूप डिजाइन किया गया है, जिससे यह कॉरिडोर एक "इकोनॉमिक ग्रोथ बेल्ट" के रूप में उभरेगा।

अब तक इस परियोजना के लिए 987 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जिनके जरिए लगभग 46,660 करोड़ के निवेश की संभावना जताई गई है। निवेश मुख्य रूप से मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स, लॉजिस्टिक्स पार्क, ई-कॉमर्स सप्लाई चेन और एग्री-प्रोसेसिंग सेक्टर में आएगा। एक्सप्रेसवे के साथ विकसित यह नेटवर्क माल परिवहन को तेज और किफायती बनाएगा, जिससे उद्योगों की लागत घटेगी और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। मेरठ से प्रयागराज तक फैले इस कॉरिडोर से 12 जिलों में संतुलित औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। हरदोई, उन्नाव, रायबरेली और प्रतापगढ़ जैसे जिलों में नई औद्योगिक गतिविधियों के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। सरकार का फोकस अब केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इंफ्रास्ट्रक्चर को उद्योग से जोड़कर अर्थव्यवस्था को गति देना है।

क्या होगा फायदा

- तेज और सस्ता माल परिवहन
- उद्योगों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी
- स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन
- लॉजिस्टिक्स लागत में कमी
- यूपी को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में मदद

नोड्स का नेटवर्क

मेरठ	529 एकड़
हापुड़	304 एकड़
बुलंदशहर	2,798 एकड़ (सबसे बड़ा क्लस्टर)
अमरोहा	348 एकड़
संभल	591 एकड़
बदायूं	269 एकड़
शाहजहांपुर	252 एकड़
हरदोई	335 एकड़
उन्नाव	333 एकड़
रायबरेली	232 एकड़
प्रतापगढ़	263 एकड़
प्रयागराज	251 एकड़

प्रदेश में कल से तीन दिन बिगड़ सकता है मौसम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बिहार, झारखंड समेत 9 राज्यों में आंधी-पानी की चेतावनी

अमृत विचार: देश के उत्तर से लेकर पूर्वी भाग में एक बार फिर से बारिश-तूफान मुश्किलें बढ़ाने वाली हैं। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी और उत्तराखंड 28 अप्रैल से 1 मई तक मौसम खराब होने की चेतावनी दी गई है, जबकि बिहार, झारखंड समेत 9 राज्यों में भारी बारिश-आंधी की चेतावनी जारी की गई है। पहाड़ी राज्यों में भी आफत की बारिश लोगों की परेशानी बढ़ाएगी। इस दौरान 60 से 75 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से हवा चलेगी।

देश में खतरनाक जानलेवा गर्मी के बीच अब आंधी-बारिश एक बार फिर से प्रहार करने वाली है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में निचले क्षोभमंडल में एक चक्रवाती परिसंचरण का भी निर्माण हो रहा है। इसके अलावा पूर्वोत्तर झारखंड और आसपास के इलाकों में निचले क्षोभमंडल में एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। सोमवार को 9 राज्यों में भारी बारिश और तूफान का अलर्ट है। इस दौरान आकाशीय बिजली और वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गई है। पूर्वी राज्यों और पहाड़ी राज्यों के कई जिलों में लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती है।

बारिश के साथ-साथ 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है। किसानों को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। हालांकि दिल्ली में सोमवार को दिन में जानलेवा लू वाली हवा चलेगी। इस हवा की रफ्तार 20 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। दिल्ली में 27 अप्रैल को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तो न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में 28 अप्रैल से 1 मई तक बारिश-आंधी की चेतावनी दी गई है। लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, ललितपुर, सीतापुर, हरदोई, बहराइच, वाराणसी, आजमगढ़, देवरिया, कुशीनगर, जौनपुर, मऊ, मेरठ, बुलंदशहर, हापुड़, पीलीभीत, मुजफ्फरनगर, आगरा, अलीगढ़ और मथुरा में बारिश की चेतावनी है।

बांदा 47.4 डिग्री सेल्सियस के साथ देश में सबसे गर्म जिला

- प्रदेश में गर्मी ने अप्रैल माह में ही अधिकतम तापमान का नया रिकार्ड बना दिया है। रविवार को प्रदेश का बांदा 47.4 डिग्री सेल्सियस के साथ देश में सबसे गर्म जिला रहा। राजधानी लखनऊ का दिन का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के 27 अप्रैल तक लू से राहत के आसार नहीं हैं। रविवार को प्रदेश का औसत तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि लगातार दूसरे दिन भीषण गर्मी से हालात गंभीर हैं। लेकिन 27 अप्रैल से पश्चिमी यूपी में बारिश के संकेत हैं और मई की शुरुआत तक बारिश का असर जारी रह सकता है। 28 अप्रैल से तापमान में गिरावट के आसार हैं। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस दौरान कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बौछारें पड़ सकती हैं। 29 और 30 अप्रैल को कुछ स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवा चलेगी। इस दौरान बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।

बढ़ते कदम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 फॉर्मा कंपनियों को दिए लेटर ऑफ कम्फर्ट

फार्मा में 2000 करोड़ निवेश से 10 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- निवेशको से बोले सीएम- सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड की गारंटी वाला राज्य यूपी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में निवेश को नई गति देते हुए 17 फॉर्मा कंपनियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) प्रदान करते हुए कहा कि लगभग 2000 करोड़ रुपये का यह निवेश रिसर्च एवं डेवलपमेंट के क्षेत्र को नई दिशा देगा। इससे 10 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने निवेशकों को भरोसा दिलाया कि उत्तर प्रदेश अब सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड की गारंटी वाला राज्य बन चुका है और यहां निवेश पूरी तरह सुरक्षित व लाभकारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में नए भारत का दर्शन हो रहा है। देश की अर्थव्यवस्था ने नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। हम 200 देशों को सस्ती व गुणवत्तापरक दवाइयां उपलब्ध करा रहे हैं। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज "ट्रस्ट और टाइमली डिलीवरी" के लिए पहचाना जा रहा है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि उनका निवेश केवल उद्योग तक सीमित नहीं, बल्कि प्रदेश की 25 करोड़ जनता के विश्वास से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में स्पष्ट नीति और सुशासन के चलते यूपी 'बीमारू राज्य' की छवि से निकलकर देश का ग्रोथ इंजन बना है।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को प्रदेश की औद्योगिक क्षमता से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यूपी का जीएसडीपी बढ़कर 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वर्ष 2017 में जहां 14 हजार कारखाने थे, वहीं अब उनकी संख्या बढ़कर 32 हजार हो गई है। अब तक 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 15 लाख करोड़ जमीन पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था किसी भी विकास की पहली शर्त होती है और 2017 के बाद प्रदेश में इस क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है। यूपी अब पॉलिसी पैरालिसिस से निकलकर पॉलिसी स्टेबिलिटी की ओर बढ़ चुका है। 34 से अधिक सेक्टोरल नीतियां, निवेश मित्र, निवेश सारथी और उद्यमी मित्र जैसी पहलें निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार कर रही हैं।

योगी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 2017 तक प्रदेश में 40 मेडिकल कॉलेज थे, जो अब बढ़कर 83 हो गए हैं। गोरखपुर और रायबरेली में एम्स संचालित हैं। साथ ही ललितपुर में 1500 एकड़ में फार्मा पार्क और नोएडा में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित किया जा रहा है, जहां 100 से अधिक कंपनियां जुड़ चुकी हैं। कार्यक्रम में निवेशकों ने भी प्रदेश में निवेश को लेकर उत्साह जताया और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बेहतर औद्योगिक माहौल की सराहना की।

फार्मा कंपनी के प्रतिनिधि को लेटर ऑफ कम्फर्ट देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

इन कंपनियों को मिला एलओसी

- प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के तहत जिन कंपनियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट दिया गया, उनमें प्रमुख रूप से बायोजेंटा लाइफसाइंस (बाराबंकी), रोमन्स मेडवर्ल्ड (नोएडा), हाईग्लांस लैबोरेट्रीज (नोएडा), कोटेक हेल्थकेयर (गाजियाबाद), जेबी रेमेडीज (हाथरस/नोएडा), पॉजिट्रॉन बायोजेनिक्स (कानपुर), आईवी टेक हेल्थकेयर (अलीगढ़), जेबीजेएम पैरेंट्रल्स (ललितपुर), रास्पा फार्मा (रायबरेली), एनबीएस ग्रुप (सीतापुर), वेलनेस जेडक्योर (जालौन), कैमले इंडस्ट्रीज (सहारनपुर), रेडिकॉन लैबोरेट्रीज (नोएडा), संजीवनी मेडिटेक (बरेली), सेफकॉन लाइफसाइंसेज (बरेली), आरएपी मेड सर्जिकल (हाथरस) और वोडा केमिकल (हापुड़) शामिल हैं।

अमृत विचार

सोमवार, 27 अप्रैल 2026

एक रचनात्मक फोटोग्राफर वह है, जो या तो रहस्य को कैद करता है या चीजों को उजागर करता है, बाकी सब बेकार है।
–रघु राय, विश्व प्रसिद्ध फोटोग्राफर

प्रस्ताव से परेशानी

ट्रंप सरकार द्वारा एच-1बी वीज़ा प्रतिबंध और उससे जुड़े कड़े प्रावधानों वाला बिल लाना उनकी राष्ट्रहित की राजनीतिक समझ है, जिसके लिए वे स्वतंत्र हैं, पर प्रस्तावित बिल मात्र अमेरिकी आव्रजन नीति का बदलाव नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिभा प्रवाह पर एक बड़ा झटका हैं— जिसका सबसे अधिक असर भारत पर पड़ेगा और ये नीतियां भारतीय पेशेवरों के 'अमेरिकन ड्रीम' को दुःस्वप्न में बदल देंगी, क्योंकि एच-1बी वीज़ा धारकों में 73 प्रतिशत भारतीय हैं। कुछ मुद्दों पर डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद भी सीमित आव्रजन नियंत्रण के पक्ष में खड़े हो सकते हैं, जिससे इस प्रस्ताव के पारित होने की आशंका बलवती होती है।

'मागा' राजनीति के तहत ट्रंप प्रशासन का जोर 'अमेरिका फर्स्ट' पर है, जिसमें विदेशी श्रमिकों को घरेलू नौकरियों के लिए खतरा बताया जा रहा है, जबकि अमेरिका की टेक इंडस्ट्री भारतीय पेशेवरों पर बहुत निर्भर है। यह अमेरिका के लिए भी नुकसानदेह हो सकता है, क्योंकि उसकी नवाचार क्षमता और टेक उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता काफी हद तक वैश्विक प्रतिभा पर निर्भर है। प्रस्ताव में एच-1बी वीज़ा पर तीन साल की रोक के अलावा, कोटे को 85 हजार से घटाकर 25 हजार करने, न्यूनतम वेतन को अत्यधिक ऊंचा लगभग दो करोड़ रुपये वार्षिक निर्धारित करने और वीज़ा फीस में भारी वृद्धि जैसे प्रावधान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, परिवार को साथ लाने पर संभावित प्रतिबंध और स्टैंपिंग प्रक्रियाओं को जटिल बनाना, भारतीय पेशेवरों के लिए अमेरिका जाने को हतोत्साहित करने की व्यापक रणनीति का संकेत देता है। कोटा घटने से भारतीय पेशेवरों के लिए अवसरों में भारी कमी आएगी। न्यूनतम वेतन की शर्त अमेरिकी कंपनियों को भारतीयों को नियुक्त करने से हतोत्साहित कर सकती है, क्योंकि इससे लागत काफी बढ़ेगी। हमारे लिए इसके प्रभाव बहुआयामी होंगे। एक ओर, आईटी सेक्टर के अवसर सीमित होंगे, दूसरी ओर रेमिटेंस, जो भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, उस पर भी असर पड़ेगा। भारत को अपने घरेलू उद्योग, स्टार्ट-अप इकोसिस्टम और रिसर्च-डेवलपमेंट ढांचे को मजबूत करने की दिशा में तेजी लाने और प्रतिभा के 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर है।

भारतीय पेशेवरों के लिए भी यह समय रणनीतिक बदलाव का है। कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और खाड़ी देश वैकल्पिक गंतव्य के रूप में उभर रहे हैं। चीन जैसे देशों की ओर रुख करने की संभावना सीमित है, क्योंकि वहां की राजनीतिक और सांस्कृतिक परिस्थितियां भारतीयों के लिए सहज नहीं हैं। सरकार को चाहिए कि वह अमेरिका के साथ इस मुद्दे पर कूटनीतिक स्तर पर सक्रिय संवाद बनाए रखे, साथ ही वैश्विक स्तर पर नए अवसरों के द्वार खोलने के लिए द्विपक्षीय समझौतों को बढ़ावा दे। कौशल विकास, उच्च शिक्षा और नवाचार में निवेश बढ़ाकर भारत अपने पेशेवरों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए और सक्षम बना सकता है। ट्रंप की नीतियां भले ही अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए हों, लेकिन उनका दीर्घकालिक प्रभाव वैश्विक प्रतिभा और अर्थव्यवस्था दोनों पर पड़ेगा। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह इस बदलते परिदृश्य में अपने हितों की रक्षा करते हुए नए अवसरों को पहचानकर आगे बढ़े— तभी 'अमेरिकन ड्रीम' के टूटने का दर्द एक नई वैश्विक संभावना में बदलेगा।

प्रसंगवश

परंपरा, बाजार और बदलती पहचान

भारत की सांस्कृतिक संरचना में त्योहारों का स्थान केवल आनंद और उत्सव तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज की ऐतिहासिक स्मृति, आर्थिक संरचना, प्रकृति के साथ संबंध और मानवीय संवेदनाओं के गहरे ताने-बाने से जुड़े होते हैं। यहां त्योहार जीवन के हर पहलू को स्पर्श करते हैं— खेती, ऋतु परिवर्तन, पारिवारिक संबंध, सामूहिकता और आस्था, लेकिन वर्तमान समय में यह प्रश्न गंभीरता से उठाया जाने लगा है कि क्या हमारे पारंपरिक त्योहार अपनी मूल आत्मा से दूर होते जा रहे हैं? क्या उन पर एक प्रकार का 'कल्चरल अटैक' हो रहा है, जो धीरे-धीरे उनकी असल पहचान को बदल रहा है?

'कल्चरल अटैक' शब्द भले ही आक्रामक प्रतीत होता हो, लेकिन इसका आशय किसी एक वर्ग या समूह पर आरोप लगाना नहीं है। यह उस धीमी, सूक्ष्म और कई बार अनदेखी प्रक्रिया की ओर संकेत करता है, जिसके माध्यम से परंपराएं अपने मूल सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ से हटकर नए अर्थ ग्रहण करने लगती हैं। यह परिवर्तन कभी स्वाभाविक होता है, तो कभी सुनियोजित आर्थिक और वैचारिक प्रभावों का परिणाम भी हो सकता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
शिक्षिका

भारतीय त्योहारों की जड़ें मुख्यतः कृषि और प्रकृति से जुड़ी रही हैं। देश का अधिकांश समाज सदियों तक कृषि-आधारित रहा है, इसलिए फसल, मौसम और भूमि के साथ उसका गहरा रिश्ता रहा। फसल कटने की खुशी, नई बुवाई की शुरुआत, वर्षा के आगमन का स्वागत— ये सब त्योहारों के माध्यम से व्यक्त होते थे। इन उत्सवों में किसान केंद्र में होता था, क्योंकि वही अन्न का उत्पादक था और वही समाज की जीवन-रेखा को बनाए रखता था। ऐसे त्योहारों में आडंबर कम और सहभागिता अधिक होती थी। लोग मिलकर गाते-बजाते, सामूहिक भोज करते और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते थे।

जैसे-जैसे समाज में शहरीकरण बढ़ा, औद्योगिकीकरण हुआ और बाजार की ताकतें मजबूत हुईं, त्योहारों का स्वरूप भी बदलने लगा। अब त्योहारों को केवल सांस्कृतिक या सामाजिक दृष्टि से नहीं, बल्कि आर्थिक अवसर के रूप में भी देखा जाने लगा। बाजार ने त्योहारों को उपभोग से जोड़ दिया— जहां खरीदारी, सजावट और प्रदर्शन को प्रमुखता मिलने लगी। त्योहारों के साथ 'ऑफर', 'डिस्काउंट' और 'शुभ खरीदारी' जैसे विचार जुड़ गए, जिसने उनके मूल स्वरूप को प्रभावित किया।

यह बदलाव केवल बाहरी नहीं है, बल्कि मानसिकता में भी आया है। पहले त्योहारों का अर्थ था— मिलना-जुलना, साझा करना और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना। अब कई जगहों पर यह प्रतिस्पर्धा का रूप ले चुका है। किसने कितना खर्च किया, किसने क्या खरीदा, किसका आयोजन कितना भव्य था। इस प्रक्रिया में त्योहारों की आत्मा कहीं पीछे छूटती चली गई।

त्योहारों पर 'कल्चरल अटैक' की चर्चा करते समय एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है— लोक परंपराओं का हाशिए पर जाना। भारत में हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट परंपराएं रही हैं, जो स्थानीय जीवनशैली, भाषा और संसाधनों से जुड़ी होती थीं, लेकिन आज मीडिया और बाजार के प्रभाव में एक प्रकार की सांस्कृतिक एकरूपता (cultural homogenization) देखने को मिल रही है। कुछ खास त्योहारों और उनके खास तरीकों को पूरे देश में मानक बना दिया गया है, जिससे स्थानीय विविधताएं धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं। (यह लेखिका के निजी विचार हैं)

रघु राय, जिन्होंने शब्दों के बिना कहानियां सुनाईं

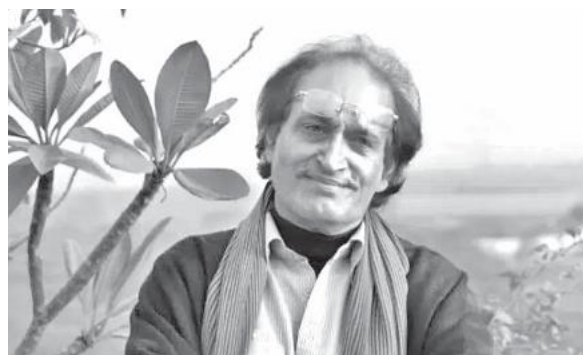

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

कांग्रेस 1977 में लोक सभा का चुनाव हार गई। इंदिरा गांधी भी अपनी सीट नहीं बचा सकीं। तब कनॉट प्लेस में इंदिरा गांधी के फटे पड़े पोस्टर्स को रघु राय ने अपने कैमरे में कैद किया था। छह कॉलम में उस फोटो को स्टेट्समैन ने छापा। इसी के साथ रघु राय के रूप में देश और दुनिया को एक बेहतरीन फोटो जर्नलिस्ट मिल गया। वो स्टेट्समैन में हिंदुस्तान टाइम्स से गए थे। रघु राय भारतीय फोटोग्राफी की उस परंपरा के प्रतिनिधि थे, जिन्होंने कैमरे को केवल दृश्य दर्ज करने का साधन नहीं, बल्कि समय, समाज और मानवीय संवेदनाओं को समझने का माध्यम बनाया। उनके निधन के साथ भारतीय दृश्य-संस्कृति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय जैसे विराम लेता है, पर उनका काम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा।

रघु राय का नाम आते ही भारत के विविध रंग, विरोधाभास और जीवन की जटिलताएं आंखों के सामने उभरने लगती हैं। उन्होंने अपने कैमरे के जरिए भारत को केवल दिखाया नहीं, बल्कि उसे महसूस करवाया। चाहे वह महानगरों की भाग-दौड़ हो, गांवों की सरलता, धार्मिक आस्था की गहराई या राजनीतिक घटनाओं का उथल-पुथल— राय की तस्वीरों में हर विषय एक गहरी मानवीय दृष्टि के साथ सामने आता है।

उनकी फोटोग्राफी की सबसे बड़ी विशेषता थी— क्षण की पकड़। वे उस 'निर्णायक क्षण' को पहचानते थे, जब एक साधारण दृश्य असाधारण बन जाता है। उनकी तस्वीरें देखने पर लगता है कि समय कुछ पल के लिए ठहर गया है, ताकि दर्शक उस दृश्य को पूरी तरह आत्मसात कर सके। यह गुण उन्हें विश्वस्तरीय फोटोग्राफरों की श्रेणी में स्थापित करता है।

रघु राय का करियर उस दौर में शुरू हुआ जब भारत कई सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों से गुजर रहा था। उन्होंने इन परिवर्तनों को नजदीक से देखा और अपने कैमरे में दर्ज किया। 1971 का बांग्लादेश युद्ध, इंदिरा गांधी का राजनीतिक जीवन और विशेष रूप से भोपाल गैस त्रासदी— इन सब घटनाओं की उनकी तस्वीरें इतिहास के दस्तावेज बन चुकी हैं। भोपाल गैस त्रासदी के बाद खींची गई उनकी तस्वीरें केवल एक घटना का रिकॉर्ड नहीं हैं, बल्कि वे मानवीय पीड़ा की ऐसी अभिव्यक्ति हैं, जो आज भी झकझोर देती हैं।

उनकी तस्वीरों में एक गहरा नैतिक बोध भी दिखाई देता है। वे केवल दृश्य के सौंदर्य तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उसके सामाजिक और मानवीय संदर्भ को भी उजागर करते हैं। यही कारण है कि उनकी फोटोग्राफी में संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का अनूठा संतुलन मिलता है। वे न तो विषय का शोषण करते हैं और न ही उसे रोमांटिक बनाते हैं; वे उसे उसी सच्चाई के साथ प्रस्तुत करते हैं, जैसा वह है।रघु राय ने भारत के आध्यात्मिक जीवन को भी बड़े ही प्रभावशाली ढंग से चित्रित किया। कुंभ मेले की उनकी तस्वीरें इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं। लाखों लोगों की भीड़, आस्था का समुद्र और उसमें छिपी व्यक्तिगत कहानियां! इन सबको उन्होंने जिस गहराई से कैद किया, वह अद्भुत है। उनकी तस्वीरें केवल दृश्य नहीं, बल्कि अनुभव बन जाती हैं। उनकी शैली में एक खास तरह की लय और संरचना दिखाई देती है। वे प्रकाश और छाया का अत्यंत प्रभावी उपयोग करते थे, जिससे उनकी तस्वीरों में एक नाटकीयता और गहराई आती थी। इसके साथ ही, वे फ्रेम में मौजूद हर तत्व का सटीक उपयोग करते थे, जिससे तस्वीरें संतुलित और अर्थपूर्ण बनती थीं। उनकी रचनात्मक दृष्टि उन्हें केवल एक दस्तावेजी फोटोग्राफर नहीं, बल्कि एक कलाकार के रूप में स्थापित करती है।

रघु राय का योगदान केवल उनकी तस्वीरों तक सीमित नहीं था। उन्होंने भारतीय फोटोग्राफी को एक पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उनके काम ने यह साबित किया कि भारत की कहानियां वैश्विक स्तर पर भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रभावशाली हैं। उनकी तस्वीरें कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और प्रदर्शनियों में शामिल हुईं, जिससे भारतीय फोटोग्राफी को वैश्विक मान्यता मिली। उनका जीवन और काम नए फोटोग्राफरों के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने यह सिखाया कि फोटोग्राफी केवल तकनीक का खेल नहीं है, बल्कि यह देखने की कला है— ऐसी दृष्टि विकसित करने की प्रक्रिया, जो साधारण में असाधारण को पहचान सके। उनके काम से यह भी स्पष्ट होता है कि एक फोटोग्राफर को अपने समय और समाज के प्रति सजग और संवेदनशील होना चाहिए। रघु राय का निधन निश्चित रूप से एक बड़ी क्षति है, लेकिन उनका काम हमेशा जीवित रहेगा। उनकी तस्वीरें हमें न केवल अतीत की याद दिलाती हैं, बल्कि वर्तमान को समझने और भविष्य के बारे में सोचने के लिए भी प्रेरित करती हैं। वे हमें यह याद दिलाती हैं कि कला का सबसे बड़ा उद्देश्य मानवता को समझना और उसे बेहतर बनाना है। रघु राय केवल एक फोटोग्राफर नहीं थे, बल्कि वे ऐसे कथाकार, जिन्होंने शब्दों के बिना कहानियां सुनाईं और उन कहानियों को समय की धारा में अमर कर दिया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

रघु राय केवल एक फोटोग्राफर नहीं थे, बल्कि वे ऐसे कथाकार, जिन्होंने शब्दों के बिना कहानियां सुनाईं और उन कहानियों को समय की धारा में अमर कर दिया।

आमने

बीजेपी हमेशा से पंजाब विरोधी रही है और राज्य के लोग गद्दारों को सबक सिखाएंगे। पार्टी किसी भी व्यक्ति से बड़ी होती है। जो सांसद पार्टी छोड़कर गए हैं, वे पंजाब का प्रतिनिधित्व नहीं करते। जब उन्हें भगवंत मान के खिलाफ कुछ नहीं मिल, तो उन्होंने आप को तोड़ने की कोशिश की।

–भगवंत मान
पंजाब के मुख्यमंत्री

सामने

उन्होंने या अन्य किसी ने पंजाब और पंजाबियों के साथ कोई गद्दारी नहीं की है। वे पहले भी तन-मन-धन से पंजाब की सेवा कर रहे थे और आगे उससे भी अधिक मजबूती से काम करेंगे। हम किसी युवा को बेरोजगार नहीं रहने देंगे और उन्हें नशे से दूर रखने के लिए काम करेंगे।

–विक्रमजीत सिंह साहनी
राज्य सभा सांसद

क्या भारत का नया निवेश दौर बदल रहा है!

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने स्टार्टअप इकोसिस्टम के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। सस्ते इंटरनेट, डिजिटल भुगतान क्रांति, युवा उद्यमियों की बढ़ती संख्या और सरकार की प्रोत्साहन नीतियों के कारण भारत आज दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप हब में शामिल हो चुका है। देश में दो लाख से अधिक स्टार्टअप्स पंजीकृत हैं और यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है, लेकिन 2025 के बाद एक नई प्रवृत्ति देखने को मिली है— स्टार्टअप फंडिंग में गिरावट। यह गिरावट केवल अस्थायी उतार-चढ़ाव नहीं बल्कि निवेश के बदलते दृष्टिकोण का संकेत देती है। यही कारण है कि आज यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या भारत का निवेश दौर अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है।

हाल के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय स्टार्टअप्स में निवेश की गति धीमी हुई है। जहां एक समय निवेशक तेजी से पूंजी लगाते थे, वहीं अब वे अधिक सतर्क और चयनात्मक हो गए हैं। 2025 में स्टार्टअप फंडिंग में पिछले वर्षों की तुलना में कमी देखी गई और 2026 की शुरुआत भी अपेक्षाकृत कमजोर रही। इसका सबसे बड़ा कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और विकसित देशों में ऊंची ब्याज दरों ने निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को कम कर दिया है। जब वैश्विक स्तर पर पूंजी महंगी हो जाती है, तो उसका सीधा प्रभाव उभरते बाजारों जैसे भारत पर भी पड़ता है।

इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों में स्टार्टअप्स के अत्यधिक वैल्यूएशन ने भी इस स्थिति को जन्म दिया है। कई कंपनियों ने बिना स्थिर लाभप्रदता के केवल ग्रोथ के आधार पर भारी फंडिंग हासिल की। निवेशकों ने उस समय 'ग्रोथ एट ऑल कॉस्ट' की रणनीति अपनाई थी, लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं। अब निवेशक केवल यूजर बेस या मार्केट शेयर नहीं, बल्कि कंपनी की कमाई, नकदी प्रवाह और टिकाऊपन को महत्व दे रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि केवल मजबूत बिजनेस मॉडल और स्पष्ट राजस्व रणनीति वाले स्टार्टअप्स को ही फंडिंग मिल रही है, जबकि कमजोर मॉडल वाले स्टार्टअप्स के लिए पूंजी जुटाना कठिन हो गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर भी कुछ ऐसे कारक हैं, जो इस बदलाव को प्रभावित कर रहे हैं। ब्याज दरों का स्तर, लिक्विडिटी की स्थिति और मौद्रिक नीति निवेश के माहौल को तय करती है। जब ब्याज दरें अपेक्षाकृत ऊंची रहती हैं, तो निवेशक सुरक्षित साधनों जैसे बैंक एफडी, बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड इनकम विकल्पों की ओर रुख करते हैं। इससे जोखिम भरे निवेश जैसे स्टार्टअप्स में पूंजी का प्रवाह कम हो जाता है। यही कारण है कि वर्तमान समय में निवेशकों की प्राथमिकताएं बदलती दिखाई दे रही हैं।

इस गिरावट को केवल नकारात्मक रूप में देखना सही नहीं होगा। इसे भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के परिपक्व होने की प्रक्रिया के रूप में भी समझा जा सकता है। अब कंपनियां अनियंत्रित विस्तार के बजाय संतुलित विकास पर ध्यान दे रही हैं। वे लागत को नियंत्रित कर रही हैं, मुनाफे पर जोर दे रही हैं और दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता दे रही हैं। इससे भविष्य में अधिक मजबूत और टिकाऊ कंपनियों का निर्माण होगा। यह बदलाव निवेशकों के लिए भी सकारात्मक है, क्योंकि उन्हें अब बेहतर गुणवत्ता वाली कंपनियों में निवेश का अवसर मिलेगा।

इसके साथ ही, निवेश का फोकस भी बदल रहा है। पहले जहां ई-कॉमर्स, फिनटेक और फूड डिलीवरी जैसे सेक्टर्स में अधिक निवेश होता था, वहीं अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लीन एनर्जी, डीप टेक, हेल्थ टेक और डिफेंस टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ रहा है। यह बदलाव न केवल वैश्विक ट्रेंड को दर्शाता है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक आर्थिक प्राथमिकताओं को भी प्रतिबिंबित करता है। सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहल भी इन क्षेत्रों को बढ़ावा दे रही हैं, जिससे इन सेक्टर्स में नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।

स्टार्टअप फंडिंग में गिरावट का प्रभाव रोजगार और नवाचार पर भी पड़ा है। कई स्टार्टअप्स ने लागत कम करने के लिए कर्मचारियों की छंटनी की है और कुछ कंपनियां बंद भी हुई हैं। इससे युवाओं के सामने चुनौतियां बढ़ी हैं, लेकिन यह समय आत्ममंथन का भी है। उद्यमियों को अब यह समझना होगा कि केवल बाहरी फंडिंग पर निर्भर रहना दीर्घकालिक समाधान नहीं है। उन्हें अपने बिजनेस मॉडल को इस तरह विकसित करना होगा कि वह स्वयं टिकाऊ हो सके। बूटस्ट्रैपिंग, एंजेल निवेश और सरकारी योजनाओं का सही उपयोग इस दिशा में मददगार हो सकता है। इस बदलते परिदृश्य में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आंकड़े बताते हैं कि स्टार्टअप्स में निवेश की गति धीमी हुई है। एक समय निवेशक तेजी से पूंजी लगाते थे, अब वे अधिक सतर्क और चयनात्मक हो गए हैं।

सोशल फोरम

सुख-दुख और मस्तिष्क

सुख और दुख दोनों ऐसी चीज़ नहीं है, जिसे तुम कहीं ढूंढ सकते हो। ये दोनों अवस्थाएं हमारे मस्तिष्क की ट्रेनिंग होती है, जिसे हम अपनी परिस्थिति के अनुसार ट्रेंड करते हैं, इसलिए जो सुख और दुख ढूंढते हैं बाहर, वो उन्हें सारे जीवन कहीं नहीं मिलता है

आप इसे एक छोटे से उदाहरण द्वारा समझिए। आप देखिए कि

सिद्धार्थ ताबिश
राइटर

आप किस चीज़ को पाकर या किस अवस्था में पहुंचकर खुश होते हैं? जैसे आप के पास अपना कोई घर नहीं था और आप मेहनत करके एक दो कमरे का घर खरीद लेते हैं। उस घर को पाकर आप बहुत ख़ुशी महसूस करते हैं, मगर यही दो कमरे का घर अगर आप उस व्यक्ति को दे दें, जिसके पास पहले से दो-चार शहरों में बड़े-बड़े बंगले हैं, तो क्या आपका ये दो कमरे का घर उसे खुशी देगा? नहीं.. बिल्कुल नहीं.. और अगर उस संपन्न व्यक्ति के सारे बंगले बिक जाएं, वो कंगाल हो जाए और उसे अपने बंगले छोड़कर आपके उस दो कमरे के घर में शिफ्ट होना पड़े तो वो सुखी नहीं बल्कि बहुत अधिक दुखी होगा। जो घर आपके लिए सुख की वजह थी, जिसे आप असली सुख समझते थे, वो किसी दूसरे को न तो सुख दे रहा है और न ही खुशी, यहां तक कि वो दुख भी दे रहा है

आप अपने मस्तिष्क और शरीर को ट्रेंड करते हैं और उसे ये समझाते हैं कि 'तुम्हारे लिए ये सुख है और ये दुख' और फिर आपका शरीर और मस्तिष्क आपको उसी हिसाब से रिजल्ट देता है। हम मनुष्यों का सारा जीवन इसी ट्रेनिंग और इसके रिजल्ट को महसूस करने में बीत जाता है।

आपको लोग बताते हैं कि परिवार सुख देता है, बच्चे सुख देते हैं, शादी सुख देती है और लोग सारी उम्र इस प्रयोग में फंसे रहते हैं। आप देखिए कि लड़के किस तरह से भावुक होकर वीडियो डालते हैं, जब उनके यहां बच्चा होता है। पिता आपको कहते मिलेंगे कि मेरा जीवन संवर गया, जब से मेरे घर ये बिटिया आई है या ये बेटा आया है, जबकि हकीकत ये होती है कि बच्चा होने के बाद लोगों का जीवन बड़ा ही कठिनाइयों भरा हो जाता है, न नींद पूरी होती है और न ही सुख मिलता है। अधिक कमाना, अधिक काम करना, अधिक मेहनत करना एक रूटीन बन जाता है बच्चा पालने के लिए। बच्चा पालना इतना, इतना तकलीफदेह होता है कि आपकी उम्र तक कम हो जाती है। क्या जीवन में कोई ऐसा सुख होता है, जो आपकी उम्र कम कर दे? शादी परिवार बच्चा ये सब आपकी उम्र घटाते हैं, बढ़ाते नहीं है.. ये प्रमाणित है। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

'आप' के 15 वर्षीय इतिहास का सबसे बड़ा 'ब्लैकआउट'

भारत की समकालीन राजनीति में शायद ही कोई घटना इतनी तेजी से राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आई हो, जितनी राघव चड्ढा सहित सात राज्यसभा सांसदों के आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने से आई है। राघव चड्ढा सहित सात सांसदों का भाजपा में जाना केवल एक खबर नहीं, बल्कि आम आदमी पार्टी के 15 साल के इतिहास का सबसे बड़ा 'ब्लैकआउट' है। भारतीय राजनीति के क्षितिज पर यह घटनाक्रम एक बड़े 'पॉलिटिकल अर्थक्वेक' के रूप में दर्ज हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के 'पोस्टर बॉय' माने जाने वाले राघव चड्ढा सहित राज्यसभा के सात सांसदों का एक साथ पाला बदलकर भाजपा में शामिल होना न केवल 'आप' के लिए एक अस्तित्वगत संकट है, बल्कि यह देश की राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाला घटनाक्रम भी है।

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

यह सिर्फ दल-बदल नहीं बल्कि सत्ता, विचारधारा और राजनीतिक रणनीति के बीच गहरे संघर्ष का संकेत है। जब राज्यसभा में पार्टी के कुल 10 में से 7 सांसद (दो-तिहाई बहुमत) एक साथ अलग होकर भाजपा में विलय करने का निर्णय लेते हैं, तो यह दलबदल नहीं, एक वैचारिक और संगठनात्मक विद्रोह का प्रतीक बन जाता है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय राजनीति 2027 के बड़े चुनावी चक्र की ओर बढ़ रही है। ऐसे में इस घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या 'आप' का 'पंजाब किला' अब ढहने के कगार पर है? क्या 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव की पटकथा अभी से लिखी जा चुकी है? और सबसे बड़ा प्रश्न कि क्या यह 'आप' के पतन की शुरुआत है या फिर एक अस्थायी राजनीतिक झटका?

आम आदमी पार्टी ने इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक असहमति नहीं बल्कि लोकतंत्र पर सुनियोजित प्रहार करार दिया है। पार्टी नेतृत्व का स्पष्ट आरोप है कि केंद्रीय एजेंसियों के भय, दबाव और राजनीतिक प्रलोभनों के माध्यम से उसके सांसदों को तोड़ा गया, जिसे वह संस्थागत दुरुपयोग की श्रेणी में रखती है। यह आरोप भारतीय राजनीति में सत्ता बनाम विपक्ष की उस पुरानी बहस को फिर जीवित कर देता है, जहां नैतिकता और रणनीति आमने-सामने खड़ी दिखाई देती हैं।

संवैधानिक दृष्टि से यह कदम और भी दिलचस्प हो जाता है। दलबदल विरोधी कानून की तकनीकी बारीकी (दो-तिहाई सदस्यों के एक साथ अलग होने की शर्त) का उपयोग करते हुए राघव चड्ढा के नेतृत्व में सात सांसदों का भाजपा में विलय यह संकेत देता है कि यह केवल भावनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि गहन कानूनी सलाह और रणनीतिक योजना का परिणाम था। सबसे गंभीर आघात वैचारिक स्तर पर है। जब भीतर से ही यह स्वर उठे कि पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है, तो यह केवल संगठनात्मक संकट नहीं बल्कि पहचान के संकट का संकेत बन जाता है और यही चुनौती 'आप' के लिए सबसे कठिन परीक्षा है।

पंजाब की राजनीति में उठी यह हलचल महज दल-बदल नहीं, बल्कि सत्ता समीकरणों के पुनर्गठन का संकेत है। इस विद्रोह का सबसे गहरा असर पंजाब की सियासत पर पड़ना तय है। राज्यसभा में पंजाब का प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरे (हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, संजीव अरोड़ा और विक्रमजीत सिंह साहनी) का पार्टी से अलग होना 'आप' की उस सामाजिक पकड़ को कमजोर करता है, जो विविध वर्गों के प्रतिनिधित्व से बनी थी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

Kia Syros 2026
स्टाइल, टेक्नोलॉजी और सेफ्टी का कॉम्बिनेशन

Kia India ने भारतीय बाजार में अपनी नई SUV Kia Syros 2026 को लॉन्च कर दिया है। इस बार कंपनी ने ग्राहकों की जरूरतों और फीडबैक को ध्यान में रखते हुए अपने पोर्टफोलियो को और मजबूत बनाया है। नए मॉडल में HTE, HTE(O), HTK+(O) और HTX(O) जैसे वेरिएंट्स जोड़े गए हैं। इसकी शुरुआती कीमत 8.39 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है, जो कि पहले वाले मॉडल के मुकाबले करीब 27,000 रुपये कम है। खास बात यह है कि अब इसमें ज्यादा ऑटोमैटिक विकल्प मिलते हैं, खासकर डीजल ऑटोमैटिक वेरिएंट्स, जो इसे और आकर्षक बनाते हैं। आइए आपको नई सिरोस की खूबियों के बारे में डिटेल में बताते हैं।

क्या नया है एक्सटीरियर और डिजाइन में

नई Syros को पहले से ज्यादा स्पोर्टी और रग्ड लुक दिया गया है। इसके फ्रंट में नया बंपर मिलता है, जिसमें बॉडी-कलर्ड एयरो इंसर्ट्स और ग्लॉसी ब्लैक स्किड प्लेट्स के साथ LED फॉग लैम्प्स शामिल हैं। रियर प्रोफाइल को भी अपडेट किया गया है, जहां नया बंपर और LED हाई-माउंटेड स्टॉप लैम्प दिया गया है, जो इसे प्रीमियम टच देता है।

साइड प्रोफाइल में ग्लॉसी ब्लैक रूफ

रेल्स, ORVMs और बॉडी-कलर्ड गार्निश इसे और स्टाइलिश बनाते हैं। HTX और HTX(O) वेरिएंट्स में 17-इंच स्पोर्टी क्रिस्टल कट अलॉय व्हील्स दिए गए हैं, जिनमें नियोन ब्रेक कैलिपर्स भी मिलते हैं। इसके साथ Magma Red, Ivory Silver Matte और Ivory Silver Gloss जैसे नए कलर ऑप्शन्स इसकी रोड प्रेजेंस को और बेहतर बनाते हैं।

इंजन और परफॉर्मेंस

इस SUV में 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 118 bhp की पावर और 172 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। वहीं 1.5-लीटर डीजल इंजन 113 hp की पावर और 250 Nm का टॉर्क देता है। ट्रांसमिशन विकल्पों में 6-स्पीड मैनुअल, 7-स्पीड DCT और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स शामिल हैं, जिससे ड्राइविंग अनुभव स्मूद और पावरफुल बनता है।

हाई-टेक फीचर्स

नई Syros में करीब 30 इंच का ट्रिनिटी पैनोरमिक डिस्प्ले दिया गया है, जो केबिन को बेहद प्रीमियम और फ्यूचरिस्टिक बनाता है। इसके अलावा ड्यूल पैन सनरूफ के कारण केबिन में ज्यादा रोशनी और ओपननेस का अहसास मिलता है। फ्रंट और रियर दोनों सीट्स में वेंटिलेशन की सुविधा दी गई है, जिससे लंबी यात्राएं भी आरामदायक रहती हैं। सेकंड-रो सीट्स में 60:40 स्प्लिट के साथ स्लाइड और रिक्लाइन फंक्शन मिलता है, जिससे स्पेस को जरूरत के अनुसार एडजस्ट किया जा सकता है। इसमें 80 से ज्यादा कनेक्टेड कार फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें OTA अपडेट और Kia Connect डायग्नोस्टिक्स शामिल हैं।

सेफ्टी

सेफ्टी के मामले में यह SUV काफी मजबूत है। इसे 5-स्टार BNCAP रेटिंग मिली है, जो इसकी सुरक्षा क्षमता को दर्शाती है। इसमें 20 से ज्यादा एडवांस सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं, जो ड्राइवर और पैसेंजर्स दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

वेरिएंट्स और कीमत

- 2026 Kia Syros टोटल 7 वेरिएंट्स में लॉन्च है, जिनकी कीमत-
- HTE (पेट्रोल MT): 8.40 लाख रुपये
- HTE(O): 9.20 लाख रुपये (पेट्रोल), 10 लाख रुपये (डीजल)
- HTK(EX): 9.80 लाख रुपये (पेट्रोल), 10.60 लाख रुपये (डीजल)
- HTK+: 10.74 लाख रुपये (पेट्रोल MT), 11.94 लाख रुपये (DCT), 11.54 लाख रुपये (डीजल MT), 12.74 लाख रुपये (डीजल AT)
- HTK+(O): 12 लाख रुपये (पेट्रोल MT), 13.20 लाख रुपये (DCT), 12.80 लाख रुपये (डीजल MT), 14 लाख रुपये (डीजल AT)
- HTX: 14 लाख रुपये (पेट्रोल DCT), 14.80 लाख रुपये (डीजल AT)
- HTX(O): 15 लाख रुपये (पेट्रोल DCT), 15.80 लाख रुपये (डीजल AT)
- डीजल ऑटोमैटिक वेरिएंट अब HTK+ से उपलब्ध है, जिसकी कीमत 12.73 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

मॉय फर्स्ट राइड

एक सफर, जो भीतर से हुआ शुरू

ड्राइवर की सीट तक मेरा सफर एक कार से शुरू नहीं हुआ, यह एक इंसान से शुरू हुआ। मेरी स्कूल प्रिंसिपल, मिसेज सिल्विया पॉल, एक डाइनैमिक पर्सनैलिटी की मिसाल थीं। मेरी इंग्लिश टीचर के तौर पर, उन्होंने हमें सिर्फ ग्रामर ही नहीं सिखाया, उन्होंने हमें प्रेजेंस और पॉजिशन भी सिखाया। उन्हें जिंदगी को इतने ग्रेस और अथॉरिटी के साथ आगे बढ़ते देखना, पहली चिंगारी थी, जिसने मुझे अपना रास्ता और अपनी गाड़ी खुद कंट्रोल करने के लिए प्रेरित किया। हालांकि जिंदगी अच्छे इरादों को भी देर से पूरा करती है। मुझे शुरू करने की हिम्मत जुटाने में बहुत समय लगा। मैं खुशकिस्मत थी कि मेरे दो सब्र वाले मेंटर थे- मेरे पिता और मेरे पति। उन्होंने मुझे फोर-व्हीलर के मैकेनिक्स के बारे में गाइड करने में अनगिनत घंटे बिताए, मुझे इंजन की आवाज सुनना और सड़क का सम्मान करना सिखाया। फिर भी, उनके सपोर्ट के बावजूद, मैं दिल से एक 'को-पायलट' ही रही, अकेले उड़ने के लिए कभी पूरी तरह तैयार नहीं हुई। बारिश और रिजॉल्व यह एक ऐसे दिन बदल गया, जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी।

कॉलेज के एक जरूरी एग्जाम की सुबह थी और मौसम बहुत खराब था। जोरों की बारिश हो रही थी और हालात और भी खराब हो गए थे, मेरे ड्राइवर ने उस दिन छुट्टी ले ली थी। चुनाव आसान था: घर पर रहकर एग्जाम छोड़ दूं या आखिरकार उन सबक को काम में लाऊं। अचानक आए पक्के इरादे से, मैंने अपनी चाबियां पकड़ीं। मैंने कार 'सेल्फ' की, इंजन चालू हो गया और मेरा दिल तेजी से धड़क रहा था। मजबूत पकड़ के साथ, मैंने कार को पहले गियर में रखा। मैंने 20 km प्रति घंटे की एक जैसी, सावधानी से स्पीड बनाए रखी, वाइपर की रिदम वाली स्वाइप के बीच पूरी तरह से आगे की सड़क पर फोकस किया। मुश्किलों के बावजूद, मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गई। मैंने सड़क पार कर ली थी, लेकिन एक आखिरी, बड़ी रुकावट बाकी थी, पार्किंग लॉट तंग था और मेरा कॉन्फिडेंस डगमगा गया। मेरी मुश्किल देखकर, एक बैचमेट ने मेरी झिझक देखी और मदद के लिए आगे आई। उसने स्टीयरिंग संभाली और बड़ी कुशलता से कार को सही जगह पर ले आया। शुरू में, उसके चेहरे की मुस्कान देखकर मैं शर्म से लाल हो गई। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं कोई नया ड्राइवर हूं, जो 'ड्राइवर का नाटक' करते हुए पकड़ा गई हो, लेकिन उसकी बातों ने तुरंत वह एहसास दूर कर दिया। तुम्हें गाड़ी चलाते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उसने प्यार से कहा- "लगे रहो। बाकी तुम धीरे-धीरे सीख जाओगी, लेकिन सबसे मुश्किल काम तो हो ही गया है।" उस दिन, मैंने सिर्फ कॉलेज का एग्जाम ही पास नहीं किया, मैंने आजादी का एक बहुत बड़ा टेस्ट पास किया। मुझे एहसास हुआ कि मेंटर तुम्हें रास्ता दिखा सकते हैं, लेकिन चाबी सिर्फ तुम ही घुमा सकते हो।

- डॉ. दीपशिखा चौधरी
मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज, अवध यूनिवर्सिटी

आस्ट्रेलिया में लॉन्च हुई लकड़ी की इलेक्ट्रिक साइकिल

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है, लेकिन अब इसमें एक ऐसा नया प्रयोग सामने आया है, जो इसे और भी दिलचस्प बना देता है। कल्पना कीजिए एक ऐसी ई-साइकिल की, जो धातु से नहीं, बल्कि लकड़ी से बनी हो और फिर भी स्टाइल, मजबूती और परफॉर्मेंस में किसी से कम न हो। ऑस्ट्रिया की कंपनी Esel ने अपनी नई Esel eUrban लॉन्च कर इस अनोखे कॉन्सेप्ट को वास्तविकता में बदल दिया है। यह साइकिल डिजाइन और टेक्नोलॉजी का ऐसा मेल है, जो बाजार में अलग पहचान बनाने की क्षमता रखता है।

लकड़ी का फ्रेम, लेकिन मजबूती बरकरार

इस ई-साइकिल की सबसे बड़ी खासियत इसका वुडन फ्रेम है। जहां आमतौर पर साइकिलों में एल्युमिनियम या कार्बन फ्रेम का इस्तेमाल होता है, वहीं eUrban में हॉलो टीक वुड का उपयोग किया गया है। यह फ्रेम देखने में बेहद प्रीमियम लगता है और साथ ही मजबूती व संतुलन का भी पूरा ध्यान रखता है। कंपनी का कहना है कि यह रोजमर्रा के उपयोग के लिए पूरी तरह सुरक्षित और भरोसेमंद है।

अलग जरूरतों के लिए दो वेरिएंट

इस मॉडल को दो वेरिएंट Basic और Performance में पेश किया गया है। बेसिक वर्जन का वजन लगभग 18.5 किलोग्राम है और इसमें 10-स्पीड गियर सिस्टम मिलता है। वहीं Performance वेरिएंट करीब 2 किलो हल्का है और इसमें 11-स्पीड गियर के साथ कार्बन व्हील्स दिए गए हैं। दोनों विकल्प अलग-अलग यूजर्स की जरूरत और राइडिंग स्टाइल को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए हैं।

बैटरी और परफॉर्मेंस

eUrban में रियर हब मोटर दी गई है, जो 42 Nm का टॉर्क जनरेट करती है। कंपनी के अनुसार, यह साइकिल एक बार चार्ज करने पर लगभग 80 किलोमीटर तक चल सकती है। बैटरी को फुल चार्ज होने में करीब 4 घंटे का समय लगता है। इस लिहाज से यह शहर के रोजमर्रा के सफर के लिए एक व्यावहारिक विकल्प बन सकती है।

कीमत और उपलब्धता

Esel eUrban की कीमत प्रीमियम सेगमेंट में रखी गई है। बेसिक वेरिएंट की कीमत करीब 4,700 डॉलर (लगभग 4.39 लाख रुपये) है, जबकि Performance वर्जन लगभग 5,800 डॉलर (करीब 5.41 लाख रुपये) तक जाता है। फिलहाल यह साइकिल भारत में उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसका अनोखा कॉन्सेप्ट भविष्य में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के नए ट्रेंड को जन्म दे सकता है।

फीचर्स जो बनाते हैं खास

इस ई-साइकिल में ड्यूल-पिस्टन हाइड्रोलिक डिस्क ब्रेक दिए गए हैं, जो बेहतर कंट्रोल और सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसके साथ कार्बन फोर्क सस्पेंशन राइड को स्मूद बनाता है। अलग-अलग साइज विकल्प उपलब्ध होने से यूजर्स अपनी सुविधा और ऊंचाई के अनुसार सही मॉडल चुन सकते हैं।

कानूनी रूप से भारी पड़ सकती है गाड़ी की नंबर प्लेट से छेड़छाड़

सड़कों पर चलते हुए अक्सर कुछ लोग नियमों से बचने के लिए ऐसे तरीके अपनाते दिख जाते हैं, जो देखने में छोटे लगते हैं, लेकिन उनके परिणाम बहुत गंभीर हो सकते हैं। खासकर ई-चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ करना आजकल आम होता जा रहा है। कोई उस पर टेप चिपका देता है, कोई पेंट कर देता है, तो कोई उसे जानबूझकर ढक देता है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह सिर्फ नियम तोड़ना नहीं, बल्कि कानून के साथ धोखा करना है, जिस पर अब प्रशासन सख्ती से कार्रवाई कर रहा है।

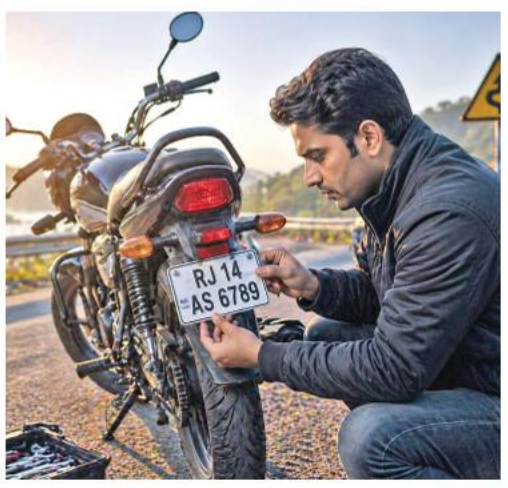

वाहन की पहचान

नंबर प्लेट किसी भी वाहन की पहचान होती है। यही वह माध्यम है, जिसके जरिए ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाता है और किसी दुर्घटना या अपराध की स्थिति में वाहन को ट्रेस किया जाता है। ऐसे में जब कोई व्यक्ति जानबूझकर नंबर प्लेट को छिपाता है, तो वह न सिर्फ कानून का उल्लंघन करता है, बल्कि सड़क सुरक्षा को भी खतरे में डालता है।

जानबूझकर की गई धोखाधड़ी

चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट छिपाने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं। सबसे आम तरीका है-नंबरों पर काला टेप लगाना या कीचड़ चिपका देना, ताकि कैमरे में नंबर साफ न दिखे। कई बाइक सवार पीछे हेलमेट इस तरह टांग देते हैं कि नंबर प्लेट पूरी तरह ढक जाती है। वहीं, कुछ कार चालक डिक्की पर सामान रखकर नंबर को छिपा देते हैं। इसके अलावा रिफ्लेक्टिव टेप या केमिकल का इस्तेमाल भी किया जाता है, जिससे कैमरे की फ्लैश पड़ने पर नंबर पढ़ा न जा सके। ये सभी तरीके जानबूझकर की गई धोखाधड़ी माने जाते हैं।

सख्त कानूनी कार्रवाई

ऐसे मामलों में अब सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। नंबर प्लेट के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ करने पर पुलिस भारतीय कानून बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर सकती है। इसमें जुर्माने के साथ-साथ जेल तक की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा, ट्रैफिक पुलिस को यह अधिकार है कि वह ऐसी गाड़ियों को मौके पर ही जब्त कर ले। यदि कोई व्यक्ति बार-बार ऐसा करते हुए पकड़ा जाता है, तो आरटीओ उसके वाहन का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर सकता है।

नियम का पालन

ऐसी स्थिति में सबसे बेहतर उपाय यही है कि नियमों का पालन किया जाए। अपनी गाड़ी पर हमेशा हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (HSRP) लगवाएं और यह सुनिश्चित करें कि नंबर प्लेट साफ और स्पष्ट दिखाई दे। उस पर किसी तरह का स्टिकर या सजावट न करें। याद रखें, थोड़ी सी चालाकी आपको बड़ी परेशानी में डाल सकती है। नियमों का पालन न केवल आपको कानूनी मुसीबतों से बचाता है, बल्कि सड़क पर सभी की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। इसलिए जिम्मेदार बनें और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाएं।

आसान नहीं कैमरों को धोखा देना

तकनीक के इस दौर में कैमरों को धोखा देना आसान नहीं रहा। सड़कों पर लगे आधुनिक एआई कैमरे बहुत ही संवेदनशील होते हैं और नंबर प्लेट में की गई छोटी से छोटी गड़बड़ी को भी पकड़ लेते हैं। अगर आपकी नंबर प्लेट धुंधली या खराब पाई जाती है, तो इसे 'दोषपूर्ण प्लेट' मानते हुए 5,000 रुपये तक का चालान किया जा सकता है। कई मामलों में पुलिस सीसीटीवी के जरिए वाहन मालिक तक पहुंचकर सीधे नोटिस भी भेजती है।

नायडू को 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को एक मीडिया घराने ने 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार दिया है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान दर्शाता है कि आंध्र प्रदेश में शासन सुधारों और नीतिगत पहलों के चलते राज्य निवेश और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 27 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन- तुलसी 2550, राज श्री 1960, फ़ॉर्चून कि. 2680, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2360, जय जवान 2095, सचिन 2300, सूरज 2095, अवसर 2065, उजाला 2100, गृहणी 13 kg 2130, क्लासिक (kg) 2455, मोर 2300, चक्र टिन 2520, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2505

किराना- निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल- (प्रति कु0)- डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी- पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4260

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम- सोना पक्के आभूषण 153800, सोना गिन्नी 149800, चांदी (पक्की) 2460 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

मुंबई के मैंग्रोव के संरक्षण की जरूरत : गोदरेज

मुंबई। उद्योगपति पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि मुंबई को मैंग्रोव (तटीय वनस्पति) के संरक्षण पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने उपनगरीय विखरोली में खाड़ी के पास परिवार के नियंत्रण वाले मैंग्रोव क्षेत्र को कभी भी विकसित न करने का संकल्प लिया। गोदरेज की यह टिप्पणी वर्सोवा में एक सी-लिंक के लिए 45,000 मैंग्रोव के पेड़ों को काटने के कदम के बीच आई है।

प. एशिया के हालात और कच्चे तेल की चाल से तय होगी बाजार की दिशा

कंपनियों के नतीजों की भी रहेगी बड़ी भूमिका, शुक्रवार को बंद रहेंगे बाजार

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **तनाव बढ़ा तो फिर हो सकती है अस्थिरता और मुनाफावसूली**
- **ऊंची तेल कीमतों से पड़ता है कंपनियों के मुनाफे पर असर**
- **अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर पर रहेगी निवेशकों की नजर**

पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति, कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे और कच्चे तेल की कीमतें आने वाले सप्ताह में शेयर बाजार की दिशा तय करेंगी। इस सप्ताह शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस के कारण शेयर बाजार बंद रहेंगे।

एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि आगे बाजार काफी हद तक खबरों पर आधारित और उतार-चढ़ाव वाला रह सकता है। निवेशकों की नजर अमेरिका-ईरान वार्ता, कच्चे तेल की कीमतों के रुझान और वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। यदि तेल की कीमतों में स्थिरता या गिरावट आती है तो इससे चिंताओं में कमी आ सकती है, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ने या लंबे समय तक व्यवधान रहने से बाजार में फिर से अस्थिरता और मुनाफावसूली देखी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि चौथी तिमाही के नतीजे भी शेयर-विशिष्ट गतिविधियों के लिए प्रमुख कारक होंगे, जहां निवेशक कंपनियों के प्रदर्शन, भविष्य के मार्गदर्शन और विभिन्न क्षेत्रों के परिदृश्य पर नजर रखेंगे। विश्लेषकों के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक और शोध विश्लेषक हरिप्रसाद ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव से कच्चे तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ रहा है और ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है। भारत के लिए ऊंची तेल कीमतें सबसे अहम आर्थिक कारक हैं, क्योंकि इससे महंगाई, रुपये और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ता है। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 1,829.33 अंक (2.33 प्रतिशत) गिरा और निफ्टी 455.6 अंक (1.87 प्रतिशत) नीचे आया।

टॉप 7 कंपनियों का पूंजीकरण दो लाख करोड़ रुपये घट गया

नयी दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच देश की शीर्ष-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के कुल बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 1,829 .33 अंक यानी 2 .33 प्रतिशत गिरा, जबकि एनएसई निफ्टी 455 .6 अंक यानी 1 .87 प्रतिशत नीचे आया। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद बाजार में गिरावट आई है, जिस पर भू-राजनीतिक तनाव और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के कमजोर नतीजों का असर पड़ा। आंकड़ों के अनुसार शीर्ष-10 कंपनियों में से सात का कुल बाजार पूंजीकरण 2,05,343 .06 करोड़ रुपये घट गया।

एचपीसीएल ने कहा- रिसाव के कारण लगी रिफाइनरी में आग

नयी दिल्ली, एजेंसी। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने कहा कि राजस्थान में उसकी संयुक्त उद्यम रिफाइनरी में आग लगने का संभावित कारण रिसाव था। मरम्मत का काम तीन से चार सप्ताह के भीतर पूरा होने की उम्मीद है और 'क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट' (सीडीयू) मई मध्य तक फिर से चालू हो सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित उद्घाटन से एक दिन पहले 20 अप्रैल को एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी की 79,450 करोड़ रुपये की नवनिर्मित रिफाइनरी की मुख्य इकाई के पास भीषण आग लग गई थी। रिफाइनरी की मुख्य इकाई - क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट - में आग संभवतः हीट एक्सचेंजर सर्किट में एक वाल्व या फ्लैंज से हाइड्रोकार्बन रिसाव के कारण लगी थी।

एचपीसीएल ने शेयर बाजार को बताया कि 20 अप्रैल की घटना की विस्तृत जांच से पुष्टि हुई है कि आग हीट एक्सचेंजर स्टैक तक सीमित थी, जिससे छह एक्सचेंजर्स और संबंधित उपकरण प्रभावित हुए। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर आग का कारण वैक्यूम रेसिड्यू एक्सचेंजर इनलेट लाइन पर प्रेशर गेज टैपिंग पॉइंट से रिसाव हो सकता है।

सरकार का रूस से कच्चे तेल आयात के आंकड़े देने से इनकार सीआईसी ने कहा- सही फैसला

नयी दिल्ली, एजेंसी

पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत काम करने वाली पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) ने कहा कि रूस से भारत में आयात किए जाने वाले कच्चे तेल से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती, क्योंकि यह व्यावसायिक और गोपनीय प्रकृति की है।

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने भी इस रुख का समर्थन करते हुए कहा कि इससे देश के रणनीतिक और आर्थिक हित प्रभावित हो सकते हैं।

यह मामला सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत दायर एक आवेदन से जुड़ा है, जिसमें जून 2022 से जून 2025 के बीच रूस से भारत में आयातित कच्चे तेल का विवरण मांगा गया था।

इसमें इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, ओएनजीसी विदेश, रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों द्वारा आयात की जानकारी भी मांगी गई थी। इस पर केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) ने जानकारी देने से इनकार करते हुए कहा कि देश के आधार पर और कंपनी के आधार पर कच्चे तेल के आयात का विवरण व्यावसायिक और गोपनीय है, इसलिए इसे आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 8(1)(डी) और 8(1)(ई) के तहत साझा नहीं किया जा सकता। हालांकि कुल आयात की मात्रा और उसका मूल्य पीपीएसी की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।

प्रथम अपीलीय प्राधिकारी ने भी इस फैसले को सही ठहराया। हाल ही में हुई सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता ने कहा कि उसे जानकारी नहीं दी गई और वह यह समझना चाहता है कि इस क्षेत्र में देश किस तरह काम कर रहा है।

चीन को निर्यात बढ़ाने और आयात कम करना है भारत की रणनीति : अधिकारी

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत घरेलू क्षमताओं को मजबूत करके चीन को निर्यात बढ़ाने और अपने आपूर्तिकर्ता आधार में विविधता लाकर आयात निर्भरता कम करने की एक बहुआयामी रणनीति अपना रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। बीजिंग से पूरी तरह से संबंध तोड़ना कठिन है, क्योंकि चीनी कच्चे माल देश के औद्योगिक विकास में सहायक हैं। अधिकारी ने कहा कि भले ही भारत का चीन के साथ पूरी तरह संबंध विच्छेद न हो, लेकिन वह लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने और निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए अपनी क्षमता विकसित कर रहा है।

वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने आगे बताया कि भारत मुख्य रूप से कच्चे माल, मध्यवर्ती और पूंजीगत वस्तुओं का आयात करता है। इनमें ऑटो घटक, इलेक्ट्रॉनिक हिस्से और मोबाइल फोन के पुर्जे, मशीनरी तथा संबंधित हिस्से और सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) शामिल हैं। इनका इस्तेमाल निर्यात के लिए तैयार माल बनाने और घरेलू विनिर्माण को समर्थन देने के लिए किया जाता है। अधिकारी ने कहा कि चीन जो कुछ भी आपूर्ति कर रहा है, वह भारत के उत्पादन की रीढ़ है।

भारत का चीन को निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 के 14.25 अरब डॉलर से लगभग 37 % बढ़कर 2025-26 में 19.47 अरब डॉलर हो गया। दूसरी ओर, बीजिंग से आयात वित्त वर्ष 2024-25 के 113.44 अरब डॉलर से 16 प्रतिशत बढ़कर 2025-26 में 131.63 अरब डॉलर हो गया। व्यापार घाटा 2024-25 के 99.2 अरब डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 112.6 अरब डॉलर हो गया है।

वाणिज्य मंत्री आज करेंगे निर्यातकों संग बैठक

नयी दिल्ली। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल देश के निर्यात को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए 27 अप्रैल को यहां निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) और उद्योग संघों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। यह बैठक यहां भारत मंडपम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के बाद की जाएगी।

2030 तक यात्री संख्या में भारत होगा फ्लिक्सबस का सबसे बड़ा बाजार

नयी दिल्ली, एजेंसी। लंबी दूरी की बस और ट्रेन सेवाएं देने वाली वैश्विक यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी फ्लिक्सबस को उम्मीद है कि 2030 तक यात्री संख्या के मामले में भारत उसका सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। फरवरी 2024 में भारतीय बाजार में प्रवेश करने वाली यह कंपनी इस समय देश में केवल अंतरराज्यीय बस सेवाएं प्रदान करती है। फ्लिक्सबस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी मैक्स ज्यूमर ने बताया कि कंपनी दिल्ली-देहरादून गलियारे पर अपने परिचालन को और बढ़ाने की योजना बना रही है।

बाजार की क्षमता के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर फ्लिक्सबस के लिए सबसे रणनीतिक वृद्धि बाजारों में से एक है। वैश्विक स्तर पर हमने अकेले 2025 में 9.9 करोड़ यात्रियों को सेवाएं दीं। हम भारत में विभिन्न मार्गों पर मजबूत और निरंतर मांग देख रहे हैं और आगामी गर्मियों में अपने नेटवर्क के 30 प्रतिशत विस्तार का लक्ष्य रख रहे हैं। भारत में संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए ज्यूमर ने कहा कि बाजार के विशाल आकार के लिहाज से यह बेहद दिलचस्प है। यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बस बाजार है।

रिपोर्ट | कोविड महामारी के बाद से महंगे और आलीशान घरों की मांग में आई है तेजी : नाइट फ्रैंक

शीर्ष आठ शहरों में 23 प्रतिशत घटी सस्ते घरों की बिक्री

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **किफायती आवास क्षेत्र में कम परियोजनाएं ला रहे हैं बिल्डर**

देश के शीर्ष आठ शहरों में जनवरी-मार्च-2026 के दौरान 50 लाख रुपये से कम कीमत वाले किफायती घरों की बिक्री में पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 23 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह घटकर 16,273 इकाई रह गई। रियल एस्टेट परामर्शदाता नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट में यह बात कही गई। रिपोर्ट में इस गिरावट का मुख्य कारण इस मूल्य वर्ग में नई आपूर्ति की कमी बताया गया है।

कोविड महामारी के बाद से महंगे और आलीशान घरों की मांग में तेजी देखी गई है। बिल्डर की ओर से किफायती आवास क्षेत्र में कम परियोजनाएं लाई जा रही हैं और इसकी वजह निर्माण लागत में बढ़ोतरी, विशेष रूप से भूमि की ऊंची कीमतों को बताया जा रहा है। नाइट फ्रैंक इंडिया की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष जनवरी-मार्च तिमाही में किफायती आवास खंड में सबसे तेज 23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और सभी आठ प्रमुख शहरों में बिक्री में कमी आई।

आंकड़ों के अनुसार, 50 लाख से एक करोड़ रुपये की श्रेणी में भी 2025 की शुरुआती तिमाही के मुकाबले इस साल 12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह घटकर 23,567 इकाई रह गई। नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद और कोलकाता की मांग पर आधारित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इसके विपरीत, एक से दो करोड़ रुपये की श्रेणी में बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 24,657 इकाई हो गई। दो से पांच करोड़ रुपये की श्रेणी में 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16,075 इकाई की बिक्री हुई। वहीं पांच से 10 करोड़ रुपये की श्रेणी में बिक्री तीन प्रतिशत घटकर 3,338 इकाई रह गई, जबकि 10-20 करोड़ रुपये की श्रेणी में 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 738 इकाई की बिक्री हुई। 20-50 करोड़ रुपये की श्रेणी में बिक्री 80 प्रतिशत बढ़कर 165 इकाई हो गई।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव **महासंग्राम**

बंगाल से सिंडिकेट और गुंडाराज का अंत करेगी भाजपा : शाह

कोलकाता, एजेंसी

चुनावी रैली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है तो वह राज्य में गुंडा राज और सिंडिकेट राज का अंत करेगी।

नदिया जिले के तेहट्टा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी दावा किया कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में ही मतदाताओं ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार का सफाया कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के चुनाव में 110 सीटें जीत ली हैं।

शाह ने कहा कि अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो यहां गुंडा राज और सिंडिकेट राज का अंत हो जाएगा। मतदान करने से न डरें, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने पर्याप्त व्यवस्था की है। कोई भी आपको वोट डालने से नहीं रोक पाएगा। भाजपा सत्ता में आने के बाद राज्य में छिपे घुसपैठियों की पहचान करेगी और उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करेगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता को कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ के बावजूद अचानक हुई भारी बारिश के कारण अपना भाषण छोटा करना पड़ा।

टीएमसी के गुंडे चला रहे सरकार : मोदी

पश्चिम बंगाल में गरजे प्रधानमंत्री, बोले-तुम वोट दो-मैं महाजंगल राज से मुक्ति दूंगा

कोलकाता, एजेंसी

उत्तर कोलकाता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेगा रोड शो किया। **फोटो :** शुभंकर चक्रवर्ती

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल में जबर्दस्त प्रचार किया। उन्होंने कोलकाता में रोड शो किया तो आरामबाग और बनगांव में जनसभाएं कर टीएमसी सरकार पर जमकर हमला बोला। कोलकाता में शाम को रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वागत के लिए सड़क के दोनों ओर भारी भीड़ उमड़ी थी। लोग मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे तो प्रधानमंत्री दोनों हाथ उठाकर उनका अभिवादन कर रहे थे।

चुनाव प्रचार समाप्त होने से एक दिन पहले, हुगली जिले के आरामबाग में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार राज्य सचिवालय से नहीं बल्कि पार्टी द्वारा संरक्षित गुंडों और अपराधियों द्वारा चलाई जा रही है। सरकार चलाने के लिए टीएमसी की असामाजिक तत्वों पर निर्भरता के कारण अक्सर कलकत्ता उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा है। ममता बनर्जी प्रशासन की विश्वसनीयता 'पूरी तरह से खत्म' हो चुकी है। दावा किया कि केवल भाजपा ही ऐसी सरकार बना सकती है जो राज्य के लोगों को न्याय और सुरक्षा प्रदान करेगी।

उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर महिलाओं को प्रताड़ित करने वाले गुंडों को पनाह देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के स्वतंत्रता-पूर्व दिये गए नारे तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा का जिक्र करते हुए लोगों से भाजपा को वोट देने का आग्रह करते हुए कहा कि और मैं आपको तृणमूल के 'महा जंगलराज' से आजादी दूंगा।

'मतुआ' को गारंटी

बनगांव में मतुआ समुदाय के बीच पहुंचकर शरणार्थियों को नागरिकता की गारंटी दी। साथ ही घुसपैठ पर कड़ा रुख अपनाते हुए अवैध घुसपैठियों को चार मई के बाद देश छोड़ने या कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी। प्रधानमंत्री ने मतुआ समुदाय और बंगलादेश से आए शरणार्थियों को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत पूर्ण अधिकार देने का आश्वासन दिया। कहा कि मैं स्पष्ट रूप से कहता हूँ, प्रत्येक शरणार्थी को नागरिकता मिलेगी। आपको स्थायी पता, हर आवश्यक दस्तावेज और वे सभी अधिकार मिलेंगे जो प्रत्येक भारतीय नागरिक को मिलते हैं। यह मोदी की गारंटी है।

ममता ने भवानीपुर में पदयात्रा कर लोगों से की बातचीत

कोलकाता,एजेंसी

पदयात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को दक्षिण कोलकाता स्थित अपने भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में हजारों पार्टी समर्थकों के साथ पदयात्रा का नेतृत्व किया। राज्य में दूसरे चरण के चुनाव के लिये प्रचार अब अपने अंतिम दौर में है।

'जोतोई कोरो हमला आबार जीतबे बांग्ला' (चाहे आप कितना भी हमला करें, बंगाल की जीत होगी)गीत की धुन के बीच, बनर्जी ने लैंसडाउन क्रॉसिंग से कालीघाट फायर सर्विसेज स्टेशन तक एक किलोमीटर के क्षेत्र में लोगों से संवाद भी किया। दीदी-दीदी के नारों के बीच रंगारंग रोड शो के दौरान उन्होंने लोगों से हाथ मिलाया, उनसे मालाएं स्वीकार कीं और सुरक्षाकर्मियों को उन लोगों को हटाने से रोका, जो उनका पैर छूने के लिये आगे आए थे। इस रोड शो में पुरुलिया का पारंपरिक ढोल और 'छऊ नृत्य' प्रस्तुत किया गया। बनर्जी के साथ उनकी पार्टी और मंत्री पद के सहयोगी फिरहाद हकीम और दक्षिण कोलकाता में पार्टी के कई नेता मौजूद थे। मुख्यमंत्री एक बार फिर भवानीपुर से चुनाव लड़ रही हैं और उनका मुकाबला भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी से है।

तृणमूल कार्यकर्ता के घर से करीब 100 देसी बम बरामद

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के तहत 29 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान से पहले रविवार को दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ में एक तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता के घर से करीब 100 देसी बम बरामद किये हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर रफीकुल इस्लाम के आवास की तलाशी ली गई, जहां से विस्फोटक बरामद हुए।

निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि कोलकाता के पुलिस आयुक्त, सभी उपायुक्त, अधीक्षकों और थाना प्रभारियों (ओपी और आईसी) को कड़ा संदेश दिया गया है कि यदि उनके न्यायाधिकार क्षेत्र में इस तरह के विस्फोटक पाए जाते हैं या किसी व्यक्ति द्वारा डराने-धमकाने की रणनीति अपनाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव आयोग ने प. बंगाल में बढ़ाई निगरानी

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दूसरे और आखिरी चरण में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित कराने के लिए अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने काकद्वीप में जमीनी स्तर पर तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया और चुनावी प्रक्रिया में किसी भी तरह की बाधा के प्रति आयोग के 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने पर जोर दिया। श्री अग्रवाल ने अपनी यात्रा के दौरान काकद्वीप के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) के कार्यालय में एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जहां उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बातचीत की।

मतदाताओं को धमकाने का वीडियो सामने आया, जांच के आदेश

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव से पहले डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्र में बाइक पर सवार कुछ लोगों द्वारा स्थानीय लोगों को धमकाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद निर्वाचन आयोग ने रविवार को जांच के आदेश दिए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। मामला सामने आते ही निर्वाचन आयोग ने डायमंड हार्बर थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग इन मामलों को रोकने के लिए कदम उठा रहा है। राज्य में 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए प्रचार सोमवार शाम को समाप्त हो जाएगा। पुलिस ने बताया कि आपराधिक धमकी और गैरकानूनी कृत्यों से संबंधित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत रविवार को डायमंड हार्बर थाने में मामला दर्ज किया गया।

रघु राय... तस्वीरों में मानवीय संवेदना का इतिहास लिखने वाले फोटोग्राफर

अनदेखे को देखने और मनोदशाओं को कैद करने की महारत से दुनिया में मनवाया लोहा

नई दिल्ली, एजेंसी

रघु राय कई दशकों तक भारतीय राजनीति और उसके प्रमुख व्यक्तित्वों के साथ प्रमुख घटनाओं को अपने कैमरे में कैद करने वाले महान फोटोग्राफर थे। देश के समकालीन राजनीतिक इतिहास को जीवंत आयाम देने में उनका कोई सानी नहीं था। अपने समय के सच को पूरी निडरता और सच्चाई के साथ दिखाने वाले इस फोटोग्राफर ने 23 की उम्र में पहली बार कैमरे पर हाथ आजमाया था, तब से लेकर पूरी जिंदगी कैमरा उनके साथ ऐसे रहा, जैसे वह उनके शरीर का कोई अनिवार्य अंग हो। रविवार को उनके निधन के साथ प्रेस फोटोग्राफी का एक सुनहरा युग भी खत्म हो गया।

रघु राय की खींची गई तस्वीरें देखकर किसी को भी यह होता है कि अपने व्यू फाइंडर से सच को देख पाने की उनमें अद्भुत क्षमता थी। व्यू फाइंडर उनकी आत्मा का ही विस्तार था, जिसके जरिए वह अनदेखे को भी देखकर कैमरे में कैद कर लेते थे और उसे अमर जीवंत तस्वीर में बदल देते थे। इसे इत्तफाक ही कहा जा सकता है कि उनका जन्म महात्मा गांधी द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन के बिगुल फूंकने के मात्र चार महीने बाद 18 दिसंबर 1942 को पंजाब के झंग में हुआ। यहीं वह समय था, जब भारत का इतिहास एक नए अध्याय में प्रवेश करने वाला था और बाद में युवा रघु राय इस नए अध्याय को अपने कैमरे से कैद करने वाले थे। उन्होंने जो तस्वीरें खींचीं, वे भारत की सामूहिक स्मृति में हमेशा के लिए अंकित हो गईं। लोगों को वह एक मनोवैज्ञानिक लगते थे, जो हाथ में कैमरा लिए अपने समय के लोगों की मनोदशाओं को कैद करता चलता था और मानवता का संवेदनशील दस्तावेज तैयार करता दिखता था।

पुरानी यादें : दिल्ली के खारी बावली में भीड़ के बीच तस्वीर लेते रघु राय।

- मानवता के संवेदनशील दस्तावेजों का संग्रह हैं रघु राय की तस्वीरें

अंतिम विदाई के मौके पर रघु राय को श्रद्धांजलि देतीं उनकी बेटी, पुरवाई राय।

> कैमरे से पलों को कैद करने की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह आपको जीवन और उसकी अनंत परिवर्तनशीलता से रूबरू कराता है। उन्होंने कहा था, 55 से अधिक साल हो गए हैं, लेकिन फोटोग्राफी की सबसे बड़ी ताकत यही है। जीवन और प्रकृति हमेशा बदलते रहते हैं, हमेशा चुनौती देते रहते हैं और यही आपको झकझोर देता है। - **रघु राय वर्ष 2023 में दिए एक साक्षात्कार में**

ऐसी फोटोग्राफी... जो विषय के साथ एकाकार कर दे

'म्यूजियो कैमरा' के संस्थापक फोटोग्राफर आदित्य आर्या ने कहा कि रघु राय ने भारतीय पत्रकारिता को ऐसी फोटोग्राफी से परिचित कराया जिसमें आप विषय के साथ एकाकार हो जाते थे। उन्होंने कहा, छाया पत्रकारिता बहुत बदल गई है। वह वाइड एंगल लेंस के साथ घटना के बीचोंबीच होते थे। आज छाया पत्रकार बड़े टेलीफोटो लेंस के साथ 300-400 फुट दूर से काम करते हैं, क्योंकि आपको हस्तियों के करीब जाने की इजाजत नहीं मिलती। उनकी तस्वीरें देखकर समझ आता है कि जब आप घटना के बीच में होते हैं तो सब कुछ कितना अलग दिखता है।

भोपाल गैस त्रासदी... दुनिया नहीं भूल पाई वो तस्वीर

इतिहास को मानवीय पक्ष देने वाले इस महान फोटोग्राफर की एक अन्य तस्वीर ने पूरी त्रासदी को एक जीवंत प्रतीक में बदल दिया। भोपाल त्रासदी की वह तस्वीर जिसमें एक बच्चा मलबे के नीचे दबा हुआ है, सिर्फ उसका शुष्क चेहरा और अधखुली आंखें दिख रही हैं, आज भी उस भयावह त्रासदी को जैसे अपनी पुरी नग्नता के साथ आंखों के सामने लाकर खड़ा कर देता है। यह तस्वीर आज भी देखने वाले को भीतर तक हिला देती है।

तस्वीरों में समेटा इंदिरा गांधी का पूरा राजनीतिक करियर

रघु राय 1966 में प्रसिद्ध अंग्रेजी अखबार स्टेट्समैन में मुख्य फोटोग्राफर के रूप में शामिल हुए और मात्र एक साल बाद इंदिरा गांधी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी। यह एक ऐसा संयोग था, जिसने हम भारतीयों को इंदिरा गांधी की कई अमूल्य तस्वीरें दीं। रघु राय द्वारा श्रीमती गांधी की खिंची गई ये तस्वीरें इतनी जीवंत और प्रभावी हैं कि केवल इन तस्वीरों के आधार पर गांधी की राजनीतिक करियर का इतिहास गढ़ा जा सकता है। और यह तस्वीर केवल तथ्यों और आंकड़ों का इतिहास नहीं होगा। मानवीय पक्ष का इतिहास होगा। मंच पर खोई हुई सिमटी सी बैठी इंदिरा गांधी की तस्वीर एक ऐसे विरोधाभास को दर्शाता है, जिसमें ''आयरन लेडी'' चिंताओं और अव्यक्त भय से घिरी हुई एक साधारण महिला नजर आती हैं- बेहद मानवीय, सुभेद्य। एक तरफ अपनी कुर्सी पर बैठी और चारों तरफ से पुरुष नेताओं से घिरी हुई इंदिरा गांधी पुरुष वर्चस्व वाली राजनीति को चुनौती देती नजर आती हैं, तो दूसरी तरफ अपने घर में सोनिया गांधी और बच्चों के साथ मुस्कराती हुई बेहद पारिवारिक महिला दिखती हैं। रघु राय की तस्वीरें जितनी जीवंतता से इंदिरा गांधी के भावों को कैद और अभिव्यक्त करती हैं, उतनी जीवंतता से कोई भी इतिहासकार इंदिरा के बारे में नहीं लिख पाएगा। इसलिए रघु राय महज एक फोटोग्राफर नहीं है, एक इतिहासकार हैं, जो इतिहास को तथ्यों से परे ले जाकर मानवीय बना देता है।

भारत में पद्मश्री... दुनिया भर ने सम्मानों से नवाजा

अपने लंबे करियर में रघु राय ने संडे और इंडिया टुडे जैसी प्रमुख भारतीय पत्रिकाओं के साथ काम किया। टाइम, लाइफ, द न्यूयॉर्क टाइम्स, द इंडिपेंडेंट और द न्यू यॉर्कर जैसे अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों में उनके फोटो निबंध छपे। वर्ष 1977 में कार्टियर ब्रेसन की सिफारिश पर वह दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित फोटोग्राफी संस्था मैग्नम फोटोज के सदस्य बने। वर्ल्ड प्रेस फोटो की जूरी में तीन बार और यूनेस्को की अंतरराष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता की जूरी में दो बार उन्होंने सेवाएं दीं। सन् 1972 में बांग्लादेश युद्ध की कवरेज और उसके बाद कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुके राय को पद्मश्री से भी नवाजा गया। नेशनल ज्योग्राफिक में प्रकाशित उनके फोटो निबंध ह्यूमन मैनेजमेंट ऑफ वाइल्डलाइफ इन इंडिया के लिए उन्हें अमेरिका में फोटोग्राफर ऑफ द ईयर का खिताब मिला। फ्रांस सरकार ने 2009 में उन्हें अपने प्रतिष्ठित सम्मान ऑफिसर डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस से विभूषित किया। रघु राय ने रघु रायज इंडिया : रिफ्लेक्शन्स इन कलर एंड रिफ्लेक्शन्स इन ब्लैक एंड व्हाइट और एक्सपोजर : पोर्ट्रेट ऑफ ए कॉरपोरेट समेत कई महत्वपूर्ण किताबें भी लिखीं। 2010 में स्थापित रघु राय फाउंडेशन उनकी 50,000 से अधिक तस्वीरों को संजोए हुए है।

राहुल गांधी समेत कई हस्तियों ने जताया शोक

राहुल गांधी ने कहा, रघु राय जी के कैमरे ने छह दशकों तक भारत की आत्मा, इसके लोगों, संघर्षों, खुशियों और निर्णायक क्षणों को चित्रित किया। उन्होंने केवल तस्वीरें नहीं खींचीं, बल्कि हमारे राष्ट्र की स्मृतियों को सहेज कर रखा। उनके परिवार, सहयोगियों और उनके काम से पीढ़ियों तक प्रभावित हुए अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। शशि थरूर ने 'एक्स' पर लिखा कि रघु राय से उनका नाता बचपन तक जाता है, क्योंकि उनके पिता और राय 'द स्टेट्समैन' में सहयोगी थे। उन्होंने कहा, मेरे लिए वह सिर्फ एक वैश्विक नाम नहीं थे, वह उस सौम्य मुस्कान और पैनी नजर वाले इंसान थे जिन्होंने मेरे पिता की पीढ़ी के पत्रकारों को प्रेरित किया।

लखनऊ की वास्तुकला रघु राय को करती थी आकर्षित

लखनऊ, अमृत विचार। दिग्गज फोटोग्राफर रघु राय की ख्याति यूं तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर थी लेकिन पुराने लखनऊ की एतिहासिक इमारतों का आर्किटेक्ट उन्हें काफी आकर्षित करता था। रघु राय ने लखनऊ के पुराने और नए दोनों रूपों को अपने कैमरे से दिखाया। पुराने लखनऊ की वास्तुकला और तहजीब को वो इस तरह से दिखाने की कोशिश करते थे कि उसमें शहर का सांस्कृतिक सार झलकता हो। उन्होंने लखनऊ के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के साथ राजनीतिक हस्तियों की तस्वीरें भी मन से खींचीं। रघु राय कभी भी लखनऊ आते थे तो यहां आम लोगों की तस्वीरें भी उतारते थे और यहां की उस झलक को भी कैद कर पाने साथ ले जाते थे जिसमें लखनऊ झलकता हो। एक बार उन्होंने कहा भी था कि हाथ में कैमरा आता है तो वो लखनऊ तलाशने लगता है। इस शहर की तस्वीरें खींचने के लिए मुझे किसी असाइनमेंट की दरकार नहीं होती है। उनकी तस्वीरें मील का पत्थर होती थीं लेकिन उनकी बातचीत के लहजे में कहीं न कहीं लखनऊ झलक ही जाता था।

पेशे के प्रति ऐसा समर्पण... टॉयलेट ही बना लिया डार्करूम

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार: अपने कैमरे के लेंस से अयोध्या के आंदोलन को विभिन्न एंगल से कैद करने वाले प्रसिद्ध फोटो जर्नलिस्ट रघु राय का अयोध्या से गहरा नाता रहा है। वह ऐसे समर्पित छायाकार थे, जिन्होंने श्री राम मंदिर आंदोलन के दौरान होटल के एक कमरे को ही डार्क रूम बना लिया। फोटो शूट करने के बाद खुद ही डार्क रूम में फोटो डेवलप करते थे और फिर उसे भेजते थे। उस समय पत्रकारों और छायाकारों के ठहरने के लिए होटल शान-ए-अवध ही शायद एक मात्र स्थान था। न तो आज जैसी सुविधाएं थी और न ही तकनीकी व्यवस्था।

शरद कपूर।

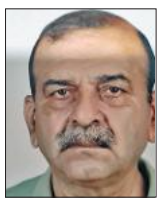

राममंदिर आंदोलन में अयोध्या बनी थी रघु राय की कर्मस्थली

होटल के मालिक शरद कपूर बताते हैं कि बात श्री रामजन्म भूमि आंदोलन के शुरुआती दौर की है। रघु राय उनके होटल में एक-दो कमरे किराए पर लेते थे। यहां ठहरते थे। आंदोलन को नजदीक से कवर करने जाते थे। वह बहुत मिलनसार थे। इतने बड़े फोटोग्राफर होने के बाद भी उनमें गर्व नहीं था। पूरी तन्मयता से अपना काम करते थे। करूप कहते हैं, उस दौर में इंटरनेट की सेवा नहीं थी। आंदोलन के दौरान में फोटो खींचने से उसको तैयार करना बड़ा कठिन काम था। पूरे शहर में कर्फ्यू होता था। वह अयोध्या जाते, घूमते, फोटो शूट करके वापस लौटते। उसके बाद रील से फोटो भी स्वयं डेवलप करते थे।

कपूर बताते हैं कि फोटो डेवलप करने के लिए वह कमरे के टॉयलेट को ही चारों और से काला परदा लगाकर डार्क रूम बना लेते थे और फोटो तैयार कर लेते थे। कहते हैं कि ठीकठीक समय तो याद नहीं है लेकिन आंदोलन के शुरुआती वर्षों में कई बार यहां आए और आंदोलन को अपने कैमरे में कैद किया था।

राजा बिमलेंद्र मोहन से थे आत्मीय संबंध

रघु राय का अयोध्या के राजा बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र से भी आत्मीय संबंध था। राज सदन में उनके साथ बैठते थे। राजा बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र के पुत्र व प्रसिद्ध साहित्यकार यतींद्र मिश्र से इस बाबत बात नहीं हो पाई लेकिन वह रघु राय के निधन पर अपने फेसबुक वाल पर लिखते हैं। ...

- रघु अंकल, मंजीत बाबा और पापा की दोस्ती थी। राजसदन में कितनी ही बैठक में जो पिछली सदी के नब्बे के दशक में मैंने देखी सुनी, जब मैं 8 स्टैंडर्ड में पढ़ता था। बाद में जब मैं लेखक बना तो सबसे पहले रघु अंकल ने सुजान सिंह पार्क वाले अपने घर बुलाकर मुझे बहुत प्रोत्साहित किया था। मंजीत बाबा ने अपने पेंटिंग संकलन से आठ छवियां चुनकर उनके प्रिंट और स्लाइड्स दिए थे कि पसंद आए तो अपनी किताबों के कवर पर इस्तेमाल करना। बाद में 'सहित' पत्रिका के दो अंकों पर वही कवर के रूप में प्रयुक्त हुआ। घर में कितनी ही तस्वीरें रघु राय जी ने खींची, तो पहली बार तस्वीरों में उस तरह राजसदन उभरा, जिसकी कल्पना भी उतने सुंदर ढंग से मैं उस किशोर वय में कर नहीं सकता था। पापा के साथ उन सबके खिलखिलाने की अनेक स्मृतियां मन पर अंकित हैं।

पहले मंजीत बाबा गए, फिर पापा.. और अब रघु राय..

प्रणाम रघु अंकल

गृह मंत्रालय 22 मई को लद्दाख के मुद्दे पर करेगा नई बैठक

श्रीनगर। गृह मंत्रालय ने लद्दाख की लंबे समय से चली आ रही लंबित मांगों को पूरा करने की दिशा में आखिरकार 22 मई को बैठक बुलाने का फैसला किया है। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोशल मीडिया पर घोषणा की है कि यह बैठक प्रमुख हितधारकों के साथ रचनात्मक लोकतांत्रिक बातचीत की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी और लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप एक स्थाई समाधान का मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगी।

- पिछले साल सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद टूट गई थी वार्ता

उपराज्यपाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को टैग करते हुए लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने 22 मई को राजनीतिक बातचीत के लिए बनी उप-समिति की बैठक बुलाने का फैसला किया है। गृह मंत्रालय ने यह कदम केंद्र शासित प्रदेश में हाल के महीनों में बढ़ी हुई राजनीतिक और सिविल सोसायटी की गतिविधियों की पृष्ठभूमि में उठाया है। जाने-माने पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को विरोध-प्रदर्शन भड़काने के आरोपों में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था। अब उन्हें पिछले महीने रिहा कर दिया गया है। उन्होंने रिहाई के बाद केंद्र सरकार से लद्दाख के नेतृत्व के साथ बातचीत फिर से शुरू करने का आग्रह किया था।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के चारों उम्मीदवारों पर बरसे कड़े सवाल

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने की दौड़ में शामिल चार उम्मीदवारों ने इस सप्ताह दुनिया में शांति बहाल करने, बढ़ती गरीबी रोकने और वैश्विक संकटों से निपटने जैसे मुद्दों पर कड़े सवालों का सामना किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक ने इसे नौकरी के लिए दुनिया के सबसे कठिन साक्षात्कारों में से एक बताया।

इन उम्मीदवारों में चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बाचेलेत, अर्जेंटीना के राफेल ग्रोसी, कोस्टा रिका की रेबेका ग्रिन्सपैन और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल शामिल हैं। इसके अलावा, बाद में अन्य उम्मीदवार भी इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के वर्तमान महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कार्यकाल एक जनवरी को समाप्त होगा।

अफसरों को निशाना बनाना चाहता था हमलावर

ट्रंप ने किया लिखित नोट बरामद होने का दावा, व्हाइट हाउस में बॉलरूम बनाने की मांग की

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि व्हाइट हाउस के संवाददाताओं के संघ (डब्ल्यूएचसीए) के रात्रिभोज समारोह में हथियारों के साथ घुसने की कोशिश करने वाले आरोपी के पास ऐसे लिखित दस्तावेज मिले हैं, जिनमें ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों को निशाना बनाने की बात कही गई थी।

ट्रंप ने यह भी कहा कि इस संदिग्ध के परिवार ने कार्यक्रम से पहले ही कनेक्टिकट पुलिस से संपर्क कर उसके बारे में चिंता जताई थी। उन्होंने यह टिप्पणी फॉक्स न्यूज चैनल को दिए एक साक्षात्कार में की। इस घटनाक्रम के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने रविवार को व्हाइट हाउस परिसर के भीतर एक उच्च सुरक्षा वाला बॉलरूम बनाने का फिर से आह्वान किया। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, यह घटनाक्रम नहीं होता अगर ये कार्यक्रम व्हाइट हाउस में निर्माणाधीन सैन्य रूप से अत्यंत गोपनीय 'बॉलरूम' में हुआ होता। उन्होंने इस मामले (बॉलरूम निर्माण) में अदालती मुकदमा वापस लेने की भी मांग की।

एक संघीय अदालत ने व्हाइट हाउस के पूर्वी विंग में 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लागत से एक भव्य बॉलरूम के निर्माण के प्रयासों पर रोक लगा दी है, जिसमें संसद की मंजूरी की आवश्यकता और संरक्षण कानूनों के उल्लंघन का हवाला दिया गया है। ट्रंप प्रशासन ने अपील दायर की है, जिसकी सुनवाई पांच जून को होने की उम्मीद है। कहा, हमारी सेना, सीक्रेट सर्विस, कानून प्रवर्तन एजेंसियां और अलग-अलग कारणों से पिछले 150 वर्षों से हर राष्ट्रपति यह मांग करते आ रहे हैं कि व्हाइट हाउस के परिसर में एक विशाल, सुरक्षित और संरक्षित बॉलरूम बनाया जाए।

वाशिंगटन डीसी में गोलीबारी की घटना के बाद होटल में पहुंचे सुरक्षाकर्मी।

दुनिया भर के नेताओं ने कहा- हिंसा अस्वीकार्य

वाशिंगटन। विश्व नेताओं ने राहत जताई कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत सभी मेहमान सुरक्षित हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस घटना को चिंताजनक घटना बताया। एक्स पर लिखा, राहत है कि ट्रंप समेत सभी अतिथि सुरक्षित हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा कि राजनीतिक हिंसा कभी भी उचित नहीं ठहराई जा सकती। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने कहा, दुनिया में कहीं भी हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज, वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी घटना की निंदा की।

- **ये सिर्फ ट्रंप नहीं, अमेरिका पर हमला :** इजराइल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू ने इस घटना को सभी लोकतंत्रों पर हमला बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, यह सिर्फ डोनाल्ड ट्रंप पर हमला नहीं था। यह अमेरिका पर हमला था। यह लोकतंत्र पर हमला था, यह सभी लोकतंत्रों पर हमला था।

रिपब्लिकन और डेमोक्रेट नेताओं का एक सुर... अमेरिका में हिंसा की कोई जगह नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक होटल में हुई गोलीबारी में बाल-बाल बचने के बाद रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों पार्टी के नेताओं ने एक स्वर में कहा कि अमेरिका में राजनीतिक हिंसा की कोई जगह नहीं है। वरिष्ठ डेमोक्रेट नेता और ट्रंप की प्रमुख आलोचक नैन्सी पेलोसी ने कहा कि यह बड़ी राहत की बात है कि राष्ट्रपति, प्रथम महिला और व्हाइट हाउस संवाददाताओं के रात्रिभोज में मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं। मेरा परिवार राजनीतिक हिंसा झेल चुका है, इसलिए घायल अधिकारी और इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना कर रही हूं। रिपब्लिकन नेता स्टीव स्केलीस ने एक्स पर लिखा, हमारे देश में हिंसा की कोई जगह नहीं है। मिशिगन से डेमोक्रेट सांसद श्री थानेदार ने कहा कि राजनीतिक हिंसा कभी स्वीकार्य नहीं हो सकती। डेमोक्रेट नेता सुहास सुब्रमण्यम ने बताया कि वह लॉबी से एस्केलेटर के जरिये नीचे उतर रहे थे, तब सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें गोलीबारी से बचाया।

गोलियां चलीं तो मेजों के नीचे छिपे होटल में मौजूद लोग

हमलावर ने गोलियां चलानी शुरू कीं तो होटल में मौजूद सैकड़ों लोगों में दहशत फैल गई। वे जान बचाने के लिए मेजों के नीचे छिप गए। जैसे ही लोगों को स्थिति का एहसास हुआ, बॉलरूम में दहशत फैल गई। सैकड़ों पत्रकार सूचनाएं साझा करने के लिए फोन पर जुट गए। किसी को चिल्लाते हुए सुना गया हट जाइए, सर! कुछ लोग निर्देश दे रहे थे कि झुक जाइए। एक कोने से "गॉड ब्लेस अमेरिका" की आवाजें भी सुनाई दीं। इसी बीच ट्रंप को मंच से सुरक्षित बाहर ले जाया गया। इस दौरान वह क्षण भर के लिए संभवत: ठोकर लगने से लड़खड़ाए और सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने उन्हें तुरंत संभाल लिया। होटल के बाहर नेशनल गार्ड के सदस्य और अन्य अधिकारी इलाके में पहुंच गए जबकि हेलीकॉप्टर ऊपर चक्कर लगा रहे थे। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने कहा कि वह और उनकी पत्नी केली दोनों इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, आज रात वे अपने देश के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। प्रतिनिधि सभा के डेमोक्रेटिक नेता एवं न्यूयॉर्क के सांसद हकीम जेफ्रीज ने कहा, अमेरिका में हिंसा और अराजकता का अंत होना चाहिए।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

राशि		राशि	
मेष	आज अपने काम की दिशा तय करना जरूरी होगा। हर मौके के पीछे भागने के बजाय एक लक्ष्य पर फोकस करें।	तुला	आज लोगों के साथ मिलकर काम करने से फायदा मिलेगा। संपर्क आपके काम आएंगे। अकेले सब संभालने की कोशिश न करें।
वृष	आज घर और काम के बीच संतुलन बिगड़ सकता है। जो काम टल सकता है, उसे बाद के लिए छोड़ना बेहतर रहेगा।	वृश्चिक	आज काम को लेकर जिम्मेदारी बढ़ सकती है। आपको खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। ध्यान बनाए रखें और काम अधूरा न छोड़ें।
मिथुन	आज बातचीत आपकी ताकत बनेगी। किसी से सही समय पर की गई बात काम आसान कर सकती है।	धनु	आज कुछ नया सीखने या करने का मौका मिलेगा। अपने दायरे से बाहर निकलने की कोशिश करें। यही बदलाव आपको आगे बढ़ाएगा।
कर्क	आज पैसों को लेकर सावधानी जरूरी है। कोई खर्च करने से पहले दो बार सोचें। बचत पर ध्यान देंगे तो आगे राहत मिलेगी।	मकर	आज किसी स्थिति को लेकर जल्दबाज़ी में निर्णय लेने से बचें। पहले पूरी जानकारी लें, फिर कदम उठाएं। धैर्य ही फायदा देगा।
सिंह	आज आपका आत्मविश्वास ही आपकी पहचान बनेगा। जो सोच रहे हैं, उसे शुरू करने का सही समय है।	कुंभ	आज रिश्तों और सहयोग पर ध्यान देना जरूरी रहेगा। किसी के साथ मिलकर काम करने से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।
कन्या	आज थोड़ा पीछे हटकर स्थिति को समझना बेहतर रहेगा। हर चीज में तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। शांत रहकर लिया गया निर्णय सही रहेगा।	मीन	आज काम का दबाव रहेगा, लेकिन सही प्लानिंग से आप सब संभाल लेंगे। काम पर ध्यान दें, सब कुछ एक साथ करने की कोशिश न करें।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

आज की ग्रह स्थिति : 27 अप्रैल, सोमवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 18.15 तक तत्पश्चात द्वादशी।

दिशाशूल-पूर्व, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-पूर्वाफाल्गुनी 09.18 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

सुडोकू - 131 का हल

5	6	8	3	4	9	7	1	2
9	3	1	2	6	7	8	4	5
7	4	2	5	8	1	3	6	9
2	8	5	9	1	6	4	3	7
6	7	9	4	3	8	5	2	1
3	1	4	7	2	5	6	9	8
1	2	7	6	5	3	9	8	4
8	9	3	1	7	4	2	5	6
4	5	6	8	9	2	1	7	3

सुडोकू -132

			1		7			
		8			6	9		
	1				4	5	2	
7		3						
	5		7		8			
	9			2		7		
	4	9	6				7	
6		2	5			1		
			8					

एस्ट्रोलैब | आयोजकों को 15 से 25 करोड़ रुपये तक में नीलाम होने की उम्मीद

लंदन में नीलाम होगा जयपुर राजपरिवार का 17वीं सदी का स्मार्टफोन

लंदन/जयपुर, एजेंसी

जयपुर के शाही संग्रह की सबसे बेशकीमती वैज्ञानिक विरासतों में से एक 17वीं शताब्दी का एक विशाल एस्ट्रोलेब (खगोलीय गणना यंत्र) 29 अप्रैल को लंदन के सोथबी नीलामी घर में वैश्विक बोली के लिए तैयार है। पीतल से बने इस अद्भुत यंत्र को विशेषज्ञों ने बहुमुखी क्षमताओं के कारण उस दौर का सुपर कंप्यूटर और प्राचीन स्मार्टफोन करार दिया है।

सोथबी के इस्लामिक एंड इंडियन आर्ट विभाग के प्रमुख बेनेडिक्ट कार्टर ने इस यंत्र को अब तक का सबसे विशाल और दुर्लभ खगोलीय उपकरण बताया है। इसकी ऐतिहासिक जड़ें जयपुर के पूर्व महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय के निजी संग्रह से जुड़ी हैं। महाराजा के निधन के बाद यह उनकी पत्नी और विश्वप्रसिद्ध महारानी गायत्री देवी के पास रहा, जहां से यह कालांतर में एक निजी संग्रह का हिस्सा बन गया। अब पहली बार इसे सार्वजनिक मंच पर प्रदर्शित और नीलाम किया जा रहा है। तकनीकी और वैज्ञानिक दृष्टि से यह यंत्र अपने समय की कला का शिखर है। इसका वजन 8.2 किलोग्राम और ऊंचाई लगभग 46 सेंटीमीटर है, जो सामान्य एस्ट्रोलेब की तुलना में चार गुना बड़ा है।

इसकी दुर्लभता और शाही जुड़ाव को देखते हुए, विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह 1.5 से 2.5 मिलियन पाउंड (लगभग 15 से 25 करोड़ रुपये) के बीच बिक सकता है, जो खगोलीय यंत्रों की नीलामी के पिछले सभी विश्व रिकॉर्ड तोड़ सकता है। इस यंत्र की खूबियों के कारण विश्व भर के संग्रहालय और निजी संग्रहकर्ता इस अनूठी वैज्ञानिक धरोहर को हासिल करने के लिए उत्सुक हैं।

इतनी खूबियां किसी और खगोलीय यंत्र में नहीं

इस यंत्र की सबसे बड़ी खूबी इसका 'ऑल इन वन' गैजेट होना है। ऑक्सफोर्ड की इतिहासकार डॉ. फेडेरिका गिगेंटे के अनुसार, इसके जरिए 17वीं सदी में खगोलशास्त्री सूर्योदय-सूर्यास्त का समय, तारों की सटीक स्थिति, किसी कुएं की गहराई और इमारतों की ऊंचाई माप सकते थे। इसके अलावा, इसका उपयोग मक्का की दिशा निर्धारित करने और पंचांग की सहायता से सटीक कुंडलियां तैयार करने के लिए भी किया जाता था। सांस्कृतिक रूप से यह यंत्र मुगलकालीन भारत की मिलीजुली विरासत का जीवंत प्रमाण है। इसे 17वीं सदी की शुरुआत में लाहौर (अब पाकिस्तान) के मशहूर लाहौर स्कूल के दो भाइयों कायम मुहम्मद और मुहम्मद मुकीम ने बनाया था। इस यंत्र पर तारों के नाम फारसी में अंकित हैं, जिनके ठीक बगल में उनके संस्कृत नाम देवनागरी लिपि में उकेरे गए हैं, जो उस दौर में विज्ञान और संस्कृति के अद्भुत समन्वय को दर्शाता है। यह एस्ट्रोलेब लाहौर के तत्कालीन प्रशासक आका अफजल के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया था, जो मुगल सम्राट जहांगीर और शाहजहां के शासनकाल में ऊंचे पदों पर तैनात थे। इसमें 94 शहरों के अक्षांश और देशांतर के साथ-साथ 38 तारों के पॉइंटर्स दिए गए हैं, जो आज भी इतने सटीक हैं कि किसी भी खगोलीय पिंड की ऊंचाई की एकदम सही डिग्री बता सकते हैं।

मुझे लगता है कि वैभव सूर्यवंशी मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी है। वह गेंद को इतनी जोर से मारता है कि उसे देखना बहुत अच्छा लगता है। एक गेंदबाज के तौर पर आपको बिल्कुल सटीक गेंद डालनी होती है, क्योंकि अगर आप ऐसा नहीं करते, तो गेंद बहुत दूर तक जाती है।

-पैट कमिंस, हैदराबाद के कप्तान

स्टेडियम

बरेली, सोमवार, 27 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

दिल्ली कैपिटल्स — बनाम — रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

समय - शाम 7:30 बजे

सुपर ओवर तक पहुंचा लखनऊ फिर भी घर में नहीं बदली किस्मत

आईपीएल-2026 : कोलकाता नाइट राइडर्स ने किया परास्त, रिंकू सिंह ने किया शानदार प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिंकू सिंह के तूफानी अर्धशतक और वैभव अरोड़ा की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बावजूद सुपर ओवर में खिंचे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जाएंट्स को हरा दिया।

सुपर ओवर में नाइट राइडर्स के सुनील नारायण ने पहली ही गेंद पर निकोलस पूरन को बोल्ड किया। अगली गेंद पर कप्तान ऋषभ पंत ने एक रन बनाया लेकिन तीसरी गेंद पर एडेन मारक्रम को रिंकू ने लपक लिया। नाइट राइडर्स को दो रन का लक्ष्य मिला और रिंकू ने प्रिंस यादव की पहली गेंद पर चौके के साथ टीम को जीत दिला दी। लगातार दूसरी जीत के साथ नाइट राइडर्स की टीम पांच अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गई जबकि सुपर जाइंट्स की टीम चार अंक के साथ 10वें और अंतिम स्थान पर खिसक गई।

लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम ने 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान ऋषभ पंत (42) और सलामी बल्लेबाज एडेन मारक्रम (31) की उम्दा पारियों से आठ विकैट पर 155 रन बनाए जिससे मैच सुपर ओवर में खिंचा। नाइट राइडर्स की ओर से अरोड़ा (24 रन पर दो विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (33 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए। रिंकू (नाबाद 83, 51 गेंद, पांच छक्कों और सात चौके) के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी और उनकी कैमरन ग्रीन (34) के साथ पांचवें विकेट के लिए 42 तथा सुनील नारायण (नाबाद 04) के साथ आठवें विकेट के लिए 30 गेंद में 62 रन की अटूट साझेदारी से नाइट राइडर्स ने सात विकेट पर 155 बनाए। रिंकू और ग्रीन के अलावा कप्तान अजिंक्य रहाणे (10) ही दोहरे अंक में पहुंच गए। मोहसिन खान ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर पांच विकेट चटकाए। स्पिनर जॉर्ज लिंडे ने भी 18 रन देकर एक विकेट चटकाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे सुपर जाइंट्स की शुरुआत भी खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में ही मिचेल मार्श (02) का विकेट गंवाया जिन्होंने वैभव अरोड़ा की गेंद को हवा में लहराकर रोवमैन पावेल को कैच थमाया। कप्तान ऋषभ पंत ने कैमरन ग्रीन पर छक्के से शुरुआत की और फिर सुनील नारायण पर भी चौका जड़ा। सलामी बल्लेबाज मारक्रम ने भी अनुकूल रॉय और अरोड़ा पर चौके मारे। सुपर जाइंट्स ने पावर प्ले में एक विकेट पर 37 रन बनाए। मारक्रम ने वरुण चक्रवर्ती पर छक्के के साथ नौवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया।

रिंकू ने इसके बाद ग्रीन की गेंद पर लॉन्ग ऑफ पर मारक्रम का शानदार कैच लपका। उन्होंने 27 गेंद की अपनी पारी में दो चौके और एक छक्का मारा। पंत ने इसके बाद नारायण पर चौका मारा लेकिन अगली गेंद को रिवर्स स्वीप करने की कोशिश में विकेटकीपर टिम सीफर्ट को कैच दे बैठे। उन्होंने 38 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और एक छक्का जड़ा।

नाबाद अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते कोलकाता नाइट राइडर्स के रिंकू सिंह। एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स

155/7 (20 ओवर)

अजिंक्य रहाणे का मारक्रम बो मोहसिन	10
टिम सीफर्ट का चौधरी बो मोहसिन	00
अंगकृष रघुवंशी ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड	09
कैमरन ग्रीन का पंत बो मोहसिन	34
रोवमैन पावेल का पंत बो मोहसिन	01
रिंकू सिंह नाबाद	83
अनुकूल का बडोनी बो मोहसिन	00
रमनदीप सिंह का मार्श बो लिंडे	06
सुनील नारायण नाबाद	04

अतिरिक्त : 08, विकेट पतन : 1-3, 2-16, 3-27, 4-31, 5-73, 6-73, 7-93

गेंदबाजी : शमी 4-0-34-0, मोहसिन खान 4-1-23-5, प्रिंस 4-0-24-0, दिग्वेश 4-0-46-0, लिंडे 2-0-18-1, मारक्रम 2-0-9-0

लखनऊ सुपर जाएंट्स

155/8 (20 ओवर)

एडेन मारक्रम का रिंकू बो ग्रीन	31
मिचेल मार्श का पावेल बो अरोड़ा	02
ऋषभ पंत का सीफर्ट को नारायण	42
निकोलस पूरन का नारायण बो चक्रवर्ती	09
आयुष बडोनी का अनुकूल बो चक्रवर्ती	24
मुकुल चौधरी का रिंकू बो अनुकूल	01
हिम्मत सिंह का रिंकू बो त्यागी	19
जॉर्ज लिंडे का रिंकू बो अरोड़ा	08
मोहम्मद शमी नाबाद	11
प्रिंस यादव नाबाद	00

अतिरिक्त : 08, विकेट पतन : 1-8, 2-65, 3-78, 4-89, 5-93, 6-120, 7-129, 8-148

गेंदबाजी : रॉय 2-0-19-1, अरोड़ा 4-0-24-2, ग्रीन 2-0-12-1, नारायण 4-0-23-1, चक्रवर्ती 4-0-33-2, त्यागी 4-0-41-0

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -380 रन
- वैभव सूर्यवंशी राजस्थान-357 रन
- केएल राहुल दिल्ली-357 रन

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई -14 विकेट
- इशान मलिंगा हैदराबाद-14 विकेट
- जोफ्रा आर्चर राजस्थान-13 विकेट

लखनऊ-कोलकाता मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचाने के कारण रघुवंशी आउट

लखनऊ। कोलकाता नाइट राइडर्स के विकेटकीपर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी को रविवार को यहां लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान 'क्षेत्ररक्षण में बाधा डालने' के लिए आउट दे दिया गया। इक्कीस साल के रघुवंशी आईपीएल इतिहास में इस तरह आउट होने वाले सिर्फ चौथे बल्लेबाज हैं। इस तरह आउट होने वाले सभी बल्लेबाज भारतीय हैं। नौ रन पर आउट होने वाले रघुवंशी इस फैसले से खुश नहीं थे और उन्होंने मैदान पर मौजूद अंपायरों से इस बारे में बहस भी की लेकिन मुंबई के इस विकेटकीपर बल्लेबाज को आखिरकार अपने खिलाफ दिए गए फैसले के कारण पवेलियन लौटना पड़ा। प्रिंस यादव के पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर रघुवंशी ने गेंद को मिड ऑन की तरफ हल्के से धकेला और एक रन लेने के लिए दौड़ पड़े। हालांकि कुछ कदम दौड़ने के बाद कैमरन ग्रीन ने उन्हें वापस लौटने के लिए कहा। वापस मुड़ते समय वह पिच पर 'डेंजर जोन' में भी चले गए और इसी दौरान वह मोहम्मद शमी की फेंकी हुई गेंद के रास्ते में आ गए। क्रीज में पहुंचने के लिए कूदते हुए गेंद उनके शरीर से टकरा गई। तीसरे अंपायर रोहित पंडित ने शमी और लखनऊ सुपर जाएंट्स की उस अपील को मान लिया जिसमें रघुवंशी पर 'क्षेत्ररक्षण में बाधा डालने' का आरोप था और नाइट राइडर्स के इस बल्लेबाज को आउट घोषित कर दिया। इसके बाद रघुवंशी ने गुस्से में अपना हेलमेट जमीन पर पटका और तब नाइट राइडर्स के मुख्य कोच अभिषेक नायर को टीम के डगआउट के पास चौथे अंपायर से बहस करते हुए देखा गया। ऐसा पहला मामला आईपीएल 2013 में सामने आया था जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर यूसुफ पठान को नाइट राइडर्स की तरफ से मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलते हुए 72 रन के स्कोर पर क्षेत्ररक्षण में बाधा डालने के कारण आउट घोषित कर दिया गया था। आईपीएल 2019 के एलिमिनेटर मैच में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलते हुए अमित मिश्रा इस तरह से आउट होने वाले दूसरे खिलाड़ी बने थे। आईपीएल 2024 में चेन्नई की तरफ से राजस्थान के खिलाफ रविंद्र जडेजा क्षेत्ररक्षण में बाधा डालने के कारण आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी बने।

हाईलाइट

भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 14 रनों से हराया

जोहान्सबर्ग। दीप्ति शर्मा (नाबाद 36 रन/ पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम ने चौथे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 14 रनों से शिकस्त दी। यह पांच मैचों की सीरीज में भारत की पहली जीत है। दीप्ति शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम को दीप्ति शर्मा के कहर का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 171 रन ही बना सकी और 14 रनों से मुकाबला हार गई। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 185 रन बनाए।

उबर कप : भारत की क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जगी

होर्सेंस (डेनमार्क)। भारतीय महिला टीम ने उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता यूक्रेन पर 4-1 की शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय टीम अपने पहले मुकाबले में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गई थी। यूक्रेन के खिलाफ भारत की युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्नति हुडा ने पोलिना बुहरोवा पर 21-19, 22-20 की रोमांचक जीत के साथ शुरुआत की, जिसके बाद जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा ने येवहेनिया कांटेमिर को 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

अभ्यास मैच में धोनी की पिंडली में फिर खिंचाव, वापसी में देरी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि आईपीएल में एमएस धोनी की वापसी में और देरी होगी क्योंकि एक अभ्यास मैच के दौरान पिंडली में फिर से चोट लग गई है। सीएसके ने इस सत्र में धोनी बिना आठ मैच खेले हैं और फ्लेमिंग ने कहा कि शुरू में उम्मीद थी कि धोनी कुछ हफ्तों में ठीक हो जाएंगे पर पिंडली की चोट के बढ़ने के कारण अब ज्यादा सावधानी से रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया अपनानी पड़ रही है। फ्लेमिंग ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा हां, वह वापसी के लिए काफी उत्सुक हैं। लेकिन पिंडली की चोट काफी मुश्किल होती है। अगर वह जोर लगाते हैं और पिंडली में फिर से खिंचाव आ जाता है तो वह पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने कहा इसलिए हमने शुरू में थोड़ी जल्दबाजी की और फिर एक अभ्यास मैच में उनकी पिंडली में फिर से खिंचाव आ गया।

हार से आहत दिल्ली का सामना संतुलित आरसीबी से

नई दिल्ली, एजेंसी

पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाने के बावजूद हार से आहत दिल्ली कैपिटल्स की टीम को अगर सोमवार को यहां आईपीएल के मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की संतुलित टीम के खिलाफ वापसी करनी है तो उसे अपने पिछले प्रदर्शन को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी।

पंजाब किंग्स ने रिकार्ड लक्ष्य हासिल करके छह विकेट से जीत दर्ज की जिससे दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुरी तरह से हिल गई है। इस मैच में उसके गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। दिल्ली की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर है और अब उसका मुकाबला आरसीबी जैसी मजबूत टीम से है जो सात मैच में 10 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। दिल्ली ने अभी तक बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है पर उसके गेंदबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। केएल राहुल की अगुवाई वाले उनके शीर्ष क्रम ने लगातार तेज शुरुआत दी है, जबकि नितीश राणा और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों ने बीच ओवरों में लय बनाए रखी।

अभ्यास सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार। एजेंसी

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	7	6	0	1	13	1.333
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	7	5	2	0	10	1.101
3.	सनराइज़र्स हैदराबाद	8	5	3	0	10	0.815
4.	राजस्थान रॉयल्स	8	5	3	0	10	0.602
5.	गुजरात टाइटंस	8	4	4	0	8	-0.475
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	8	3	5	0	6	-0.121
7.	दिल्ली कैपिटल्स	7	3	4	0	6	-0.184
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
9.	मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	4	-0.736
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

- 264 रनों का विशाल स्कोर बनाने के बावजूद पंजाब से हार गई थी दिल्ली

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन और कुलदीप यादव।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल, विक्की ओस्तवाल, और विहान मल्होत्रा।

साई सुदर्शन की शानदार पारी से गुजरात ने चेन्नई को बुरी तरह रौंदा

चेन्नई, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (87 रन) के अपने घरेलू मैदान पर लगाए गए अर्धशतक की मदद से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आठ विकेट से शिकस्त दी।

गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों के दबदबे के बावजूद सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के नाबाद 74 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की जिससे बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद टीम सात विकेट पर 158 रन ही बना सकी। गुजरात टाइटंस के लिए कागिसो रबाडा ने 25 रन देकर तीन विकेट चटकाए जबकि अरशद खान को 43 रन देकर दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार को एक एक विकेट मिला। सलामी बल्लेबाज सुदर्शन (46 गेंद, चार चौके, सात छक्के) और जोस बटलर (नाबाद 39 रन) की पारियों से गुजरात टाइटन्स ने 16.4 ओवर में दो विकेट पर 162 रन बनाकर जीत हासिल की। सुदर्शन 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हुए और चौथी गेंद पर बटलर ने छक्का जड़कर टीम को आसान जीत दिलाई। सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल (33 रन, 23 गेंद, एक चौका, तीन छक्के) ने अच्छी शुरूआत की। गिल के आउट होने के बाद सुदर्शन और बटलर (30 गेंद, चार चौके, एक छक्का) ने मिलकर टीम को जीत तक पहुंचाया। सुदर्शन और गिल ने पावरप्ले में 55 रन बना लिए थे जबकि सीएसके का स्कोर तीन विकेट पर 28 रन था। शुभमन गिल सातवें ओवर में नूर अहमद की गेंद पर आउट हुए जब सतर्क विकेटकीपर संजू सैमसन ने उनके स्टंप उखाड़ दिए।

गुजरात टाइटंस ने 10 ओवर में एक विकेट पर 82 रन बना लिए थे। सुदर्शन ने अपनी पारी के दौरान कुद दर्शनीय शॉट लगाए और अकील हुसैन की गेंद पर आउट होने से पहले टीम को जीत तक पहुंचा दिया। इससे पहले गायकवाड़ 60 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और चार छक्के जमाकर फॉर्म में लौटे। उनके अलावा शिवम दुबे ने 22 रन का योगदान दिया और जेमी ओवरटन ने अंत में छह गेंद में तीन चौके और एक छक्के से 18 रन की उपयोगी पारी खेली।

सिराज और रबाडा ने चिलचिलाती गर्मी में चेपॉक स्टेडियम की उछाल भरी पिच पर शानदार गेंदबाजी की। सिराज ने पहले ओवर में शानदार शुरूआत करते हुए महज एक रन दिया। पिछले मैच में शतक जड़ने वाले संजू सैमसन (11 रन) जल्द आउट हो गए। कप्तान गायकवाड़ ने तीसरे ओवर में सिराज पर कवर और फाइन लेग पर दो शानदार चौके लगाकर हाथ खोले। पर चौथे ओवर में सीएसके को दोहरे झटके लगे।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते साईं सुदर्शन। एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स

158/7 (20 ओवर)

संजू सैमसन का बटलर बो रबाडा	11
रुतुराज गायकवाड़ नाबाद	74
उर्विल पटेल का होल्डर बो रबाडा	04
सरफराज खान का बटलर बो सिराज	00
डेवाल्ड ब्रेविस का गिल बो सुथार	02
शिवम दुबे बो अरशद	22
कार्तिक शर्मा का होल्डर बो रबाडा	15
जेमी ओवरटन का शाहरूख बो अरशद	18
अकील हुसैन नाबाद	00

अतिरिक्त : 12, विकेट पतन : 1-21, 2-25, 3-26, 4-37, 5-96, 6-122, 7-143

गेंदबाजी : सिराज 4-0-23-1, रबाडा 4-0-25-3, सुथार 3-0-22-1, होल्डर 4-0-22-0, अरशद 4-0-43-2

- सीएसके को 158 रनों पर रोक 20 गेंद रहते पाया लक्ष्य
- कागिसो रबाडा ने 25 रन देकर तीन विकेट चटकाए

गुजरात टाइटंस

162/2 (16.4 ओवर)

साई सुदर्शन का ब्रेविस बो हुसैन	87
शुभमन गिल स्टं सैमसन बो नूर	33
जोस बटलर नाबाद	39
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	01

अतिरिक्त : 02, विकेट पतन : 1-58, 2-155,

गेंदबाजी : अकील हुसैन 3.4-0-46-1, अंशुल कंबोज 3-0-16-0, जेमी ओवरटन 2-0-28-0, गुरजपनीत 3-0-36-0, नूर अहमद 4-0-29-1, शिवम दुबे 1-0-7-0

प्रेरणादायी — सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज ईशान किशन ने बताया अपनी सफलता का राज

जब भारतीय टीम में नहीं था, तब घरेलू क्रिकेट में मेहनत की

नई दिल्ली, एजेंसी

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने खुलासा किया कि भारतीय टीम से लगभग दो साल तक बाहर रहने पर निराश होने के बजाय उन्होंने प्रदर्शन में अधिक निरंतरता लाने के लिए अपने खेल में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित किया।

किशन ने इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला और टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में वापसी की। इससे पहले उन्होंने घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन किया जिससे उनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी संभव हो पाई। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए। उनकी कप्तानी में झारखंड में इस प्रतियोगिता का खिताब जीता था।

आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलने वाले किशन ने कहा जब मैं भारतीय टीम से बाहर था तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए, शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने कहा राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो।

किशन ने कहा कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई और इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी रोजी-रोटी है। किशन ने कहा जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है। मेरा भी यही लक्ष्य था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर बनाया सामंजस्य

ईशान किशन ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बारे में कहा कि इससे उन्हें पारी को गति देने और आखिर तक बल्लेबाजी करने का आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा इतने वर्षों तक तीसरे नंबर के बल्लेबाज के रूप में खेलने के बाद अगर आप अच्छी तरह से सामंजस्य बिठा लेते हैं तो फिर आप आखिर तक बल्लेबाजी करने और बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करते हैं। मैं चीजों को सरल बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करता हूं। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ करते हुए कहा वह सुपरस्टार बन सकता है।